www.tamsasanket.com
वर्षः 06 || अंक 64 || लखनऊ
गुरूवार
04 जून 2026 || पृष्ठः 08 || मूल्यः ₹ 2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
https://epaper.tamsasanket.com
दैनिक
तमसा संकेत
लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित
» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 05:12
सूर्यास्तः 06:57
अधिकतमः 38°00
न्यूनतमः 30°00

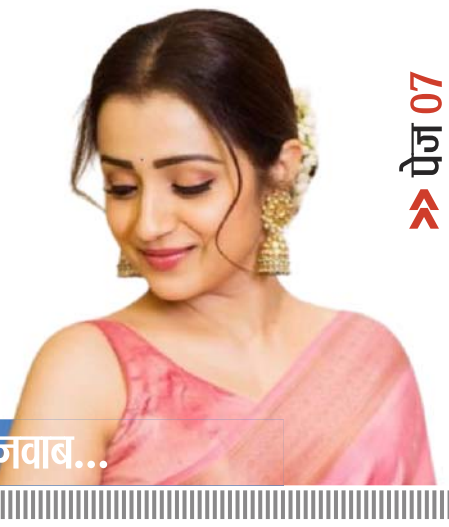

पेज 07

विशेष समाचार
नशा : राष्ट्र की जड़ों को... » पेज 04
सूर्या की हत्या करने वाला 5वां ... » पेज 06
तृषा कृष्णन का ट्रोलर्स को जवाब...

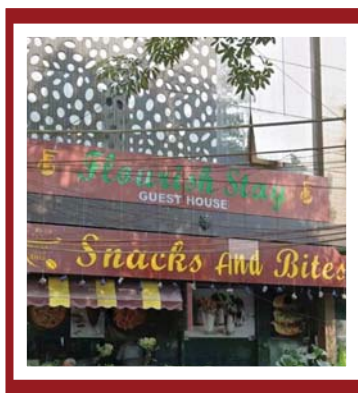

21 मृतकों की संख्या
17 विदेशी नागरिक

दिल्ली के होटल में भीषण अग्निकांड

एक ही एंट्री-एग्जिट, बच्चे के साथ तीसरे फ्लोर से कूदी महिला, अधिकारी बोले- बिल्डिंग की फायर एनओसी नहीं थी

हादसा

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के मालवीय नगर के फ्लरिश स्टे होटल में बुधवार को आग लगने से 21 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में 17 विदेशी नागरिक हैं। जो बांग्लादेश और अफ्रीकी देशों के हैं। दिल्ली फायर सर्विस और स्थानीय लोगों के मुताबिक, मालवीय नगर में मौजूद इस होटल के रेस्टोरेंट में सुबह 8.50 बजे आग लगी। आग ऊपरी मंजिलों पर बने कमरों और बेसमेंट तक पहुंच गई। बेसमेंट से भी 6 से ज्यादा लोगों को निकाला गया। 40 लोगों का रेस्क्यू किया गया है। कई लोगों की हालत गंभीर है। आग लगने की वजह का अब तक पता नहीं चल पाया है। पिछले 6 महीनों में दिल्ली में आग की अलग-अलग घटनाओं में 66 लोगों की मौत हो चुकी है। आग 6 मंजिला इमारत के ग्राउंड फ्लोर पर बने बी-एन-बी रेस्टोरेंट में लगी। कुछ देर बाद होटल में ऊपर की तरफ फैल गई। यह होटल दिल्ली के प्रेस एन्क्लेव रोड पर है। यहीं पर मैक्स हॉस्पिटल और AIIMS भी है।

>> (शेष पेज 06 पर)

चीफ फायर ऑफिसर अभिलाष मलिक ने कहा, फायर टीम ने यहां से 37 लोगों को बाहर निकाला। बिल्डिंग की फायर एनओसी नहीं थी। होटल में 25 कमरे हैं। वहीं, हादसे के वीडियो में कुछ लोग जान बचाने के लिए जलती हुई इमारत की तीसरी-चौथी मंजिल से कूदते नजर आ रहे हैं। इन्हें बचाने के लिए स्थानीय लोगों ने जमीन पर गद्दे भी बिछाए थे।

एक मरीज को सफदरजंग हॉस्पिटल के बर्न वार्ड में शिफ्ट किया

मैक्स हेल्थकेयर ग्रुप के मेडिकल डायरेक्टर डॉ. संदीप बुद्धिराजा ने कहा कि आग में घायल हुए आठ मरीज अभी वेंटिलेटर सपोर्ट पर हैं और उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। उनमें से ज़्यादातर को एस्फिक्सिएशन इंजरी हुई है, जो धुएं में सांस लेने से होती है। एक मरीज 25 परसेंट से ज़्यादा जला है। उसे सफदरजंग हॉस्पिटल के बर्न वार्ड में शिफ्ट कर दिया। पांच मरीज स्टेबल हैं और उन्हें हल्की चोटें आई थीं। दिल्ली के होटल में आग लगने से मरने वालों में ज़्यादातर मोज़ाम्बिक और बांग्लादेश के नागरिक हैं।

मैक्स अस्पताल बोला- 18 लोगों की पहले ही मौत हो चुकी थी, एम्स में 13 लोग भर्ती

मैक्स अस्पताल के अधिकारी के मुताबिक कुल 39 लोगों को यहां लाया गया था। इनमें से 18 की पहले ही मौत हो चुकी थी। 5 लोगों को हल्की चोटें थीं। उन्हें डिस्चार्ज किया गया है। 15 लोग आईसीयू में एडमिट हैं, इनमें से 8 वेंटिलेटर पर हैं।

जिनकी हालत गंभीर है। एक व्यक्ति बहुत ज्यादा झुलस गया था, उसे सफदरजंग अस्पताल रैफर किया गया है। वहीं, AIIMS में 13 लोगों का इलाज जारी है। इनमें 3 लोग वह हैं, जिन्होंने होटल के कमरों से जान बचाने के लिए छलांग लगाई थी। एक व्यक्ति पैर टूट गए हैं।

होटल में 6 रूम की परमिशन थी, लेकिन 25 कमरे थे

- फ्लरिस स्टे गेस्टहाउस को बेड एंड ब्रेकफास्ट कॉन्सेप्ट के तहत लाइसेंस जारी किया गया था। इसके तहत 6 रूम की परमिशन थी, लेकिन 25 कमरे बने थे।
- आग लगने के बाद होटल के रेस्टोरेंट के बेसमेंट में भी काफी लोग फंसे थे। इसमें अंदर जाने और बाहर निकलने का रास्ता एक ही था, जो बहुत संकरा था
- होटल के पास फायर एनओसी नहीं थी। आने-जाने का भी एक ही रास्ता था।

होटल से रेस्क्यू की गई विदेशी महिला को कंधे पर उठाकर ले जाता एक व्यक्ति।

ट्विशा केस : रिटायर्ड जज सास जेल में आराम से सोयीं

समर्थ घबराहट में करवटें बदलता रहा, दोनों ने कढ़ी-पकौड़े से रोटियां खाईं

तमसा संकेत, एजेंसी

भोपाल। एक्ट्रेस-मॉडल ट्विशा शर्मा डेथ केस में जेल भेजे जाने के बाद आरोपी सास और रिटायर्ड जज गिरिबाला सिंह और पति समर्थ के शुरुआती 18 घंटे सामान्य दिनचर्या में बीते। जेल प्रशासन के मुताबिक दोनों का मेडिकल चेकअप किया गया। गिरिबाला ने रात में आराम से पूरी नींद ली, जबकि समर्थ घबराया हुआ नजर आया। वह बैरक की टिप्टी पर करवटें बदलता रहा। मंगलवार शाम पांच बजे जेल पहुंचने के बाद दोनों को शाम 6 बजे सामान्य कैदियों की तरह भोजन दिया गया। अलग-अलग बैरक में दोनों ने कढ़ी-पकौड़े के साथ रोटी खाई। जेल प्रशासन के मुताबिक दोनों ने किसी खास डाइट की मांग नहीं की। हालांकि, गिरिबाला ने चने की दाल खाने से इनकार किया। बुधवार सुबह दोनों को नाश्ते में नमकीन दलिया और चाय दी गई। गिरिबाला और समर्थ ने एक जैसी डाइट ली। गिरिबाला ने जेल अधिकारियों से बातचीत में खुद को किसी बीमारी से ग्रस्त नहीं बताया। वे संजीदगी से जेल अधिकारियों से बात कर रही थीं। उन्होंने केस को लेकर खुद को पॉजीटिव बताया और कहा- हमें कानून पर पूरा भरोसा है। मैंने और बेटे ने कुछ भी गलत नहीं किया है।

ममता की टीएमसी टूटी, 58 विधायकों ने अलग गुट बनाया

ऋतब्रत बनर्जी को विधायक दल का नेता चुना, स्पीकर ने मंजूरी भी दी

घोषणा

तमसा संकेत, एजेंसी

कोलकाता। ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस (TMC) का 28 साल के इतिहास में पहली बार औपचारिक तौर पर विभाजन हो गया। बुधवार को 58 बागी विधायकों ने पार्टी से निकाले गए विधायक ऋतब्रत बनर्जी को अपना नेता चुना। विधानसभा स्पीकर रथींद्र बोस को समर्थन पत्र सौंपा। इसमें मांग की गई कि ऋतब्रत को नेता विपक्ष घोषित किया जाए। न्यूज एजेंसी PTI के मुताबिक, स्पीकर ने मंजूरी दे दी है। उन्हें विधानसभा में नेता विपक्ष का रूम भी अलॉट कर दिया गया है। जावेद खान, संदीपन साहा और सिउली साहा को उपनेता जबकि अखरुज्जमान को चीफ व्हिप बनाया गया है। हालांकि, इस पूरे घटनाक्रम पर अभी विधानसभा स्पीकर और ममता बनर्जी का कोई बयान नहीं आया है। ममता के पास अब 22 विधायकों का समर्थन है। TMC ने 294 सीटों में से 80 सीटें जीती थीं। इसी बीच सीनीयर लीडर कुणाल घोष ने बताया कि TMC विधायक फिरहाद हकीम ने कोलकाता के मेयर पद से इस्तीफा दे दिया है। यह विवाद उस समय शुरू हुआ।

>> (शेष पेज 06 पर)

फास्ट न्यूज

ट्रोलिंग से परेशान इन्फ्लूएंसर ने पी लिया जहर

जोधपुर। जोधपुर में सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग से परेशान होकर महिला इन्फ्लूएंसर अनीता बिश्नोई ने घर में जहर पी लिया। हालत बिगड़ने पर परिजनों ने उन्हें तुरंत मथुरादास माथुर (MDM) हॉस्पिटल में भर्ती करवाया, जहां उनकी स्थिति गंभीर बनी हुई है। घटना बुधवार सुबह करीब 11:30 बजे बनाड़ थाना क्षेत्र के शिकारगढ़ स्थित गोदारों की ढाणी (बालाजी फार्म हाउस) की है।

सोनम वांगचुक कॉकरोच जनता पार्टी के समर्थन में आए

नई दिल्ली। सोशल एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक ने कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) की मांगों और विचारधारा का समर्थन किया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर मंगलवार को खुद इसकी जानकारी दी। इस बीच कॉकरोच जनता पार्टी ने तीन प्रवक्ता नियुक्त किए हैं। कॉकरोज इस बैक के ट्वीट के अनुसार पत्रकार सौरव दास मुख्य प्रवक्ता होंगे। वहीं फिल्ममेकर विजेता दहिया और IIT कानपुर और ग्लोबल मैनेजमेंट कंसल्टिंग फर्म मैकिन्से के एल्युम्नस, आशुतोष रांका प्रवक्ता होंगे।

भारत समेत दुनियाभर में 3 महीने तक सूखे की आशंका

नई दिल्ली। इस साल में भारत समेत दुनियाभर में सूखे की आशंका है। भारतीय मौसम विभाग के बाद विश्व मौसम विज्ञान संगठन (WMO) ने मंगलवार देर रात वैश्विक जलवायु को लेकर चेतावनी जारी की है। हो रहे समुद्री जल के कारण जून से अगस्त के बीच अल नीनो बनने की आशंका 80% है।

गाड़ियों के बकाया टैक्स पर 100% जुर्माना माफ होगा

योगी सरकार ने सरकारी वकीलों का मानदेय बढ़ाया

1,853 करोड़ रुपये के बकाये की वसूली का रास्ता आसान

8.50 लाख बकायेदार वाहन स्वामियों को मिलेगी राहत

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। यूपी में गाड़ियों के बकाया टैक्स पर लगने वाले जुर्माने में 100% छूट देने की तैयारी है। परिवहन विभाग इसके लिए एकमुश्त समाधान योजना (OTS) लागू करने जा रहा है। सीएम योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में बुधवार को होने वाली कैबिनेट बैठक में इस प्रस्ताव को मंजूरी मिल सकती है। मुख्य सचिव एसपी गोयल ने मंगलवार देर रात बैठक का एजेंडा जारी कर दिया। इसमें 16 प्रस्ताव शामिल हैं। बैठक बुधवार शाम 5 बजे सीएम आवास पर होगी। 5 नई जेलों के निर्माण को मंजूरी मिलने की संभावना है। मुख्यमंत्री की मंजूरी के बाद कुछ प्रस्ताव एजेंडे के बाहर भी जोड़े जा सकते हैं। न्याय विभाग के 2 एजेंडे कैबिनेट में रखे जाएंगे। पहला प्रस्ताव सरकारी वकीलों से जुड़ा है। योगी सरकार जिला अदालतों से लेकर हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में सरकार के मुकदमों की पैरवी करने वाले वकीलों को तोहफा दे सकती है। इनका मानदेय और मासिक भत्ते में बढ़ोतरी की जा सकती है।

डीके शिवकुमार कर्नाटक सीएम बने, संविधान हाथ में लेकर शपथ

जी परमेश्वर उपमुख्यमंत्री बने, सिद्धारमैया के बेटे समेत 12 विधायकों ने मंत्री पद की शपथ ली

- डीके शिवकुमार ने लोक भवन में संतों से आशीर्वाद लिया।
- डीके शिवकुमार ने शपथ समारोह के लिए लोक भवन पहुंचे। उन्होंने वहां संतों का आशीर्वाद लिया।

तमसा संकेत, एजेंसी

बेंगलुरु। डीके शिवकुमार ने बुधवार को बेंगलुरु के लोक भवन में कर्नाटक के 24वें मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। इस दौरान वे हाथ में संविधान रखे हुए थे। उन्हें 30 मई को कांग्रेस विधायक दल का नेता चुना गया था। जी परमेश्वर ने नए डिप्टी चीफ मिनिस्टर पद की शपथ ली। इनके अलावा 12 अन्य विधायकों ने भी मंत्री पद की शपथ ली। इनमें पूर्व सीएम सिद्धारमैया के एमएलसी बेटे यतींद्र सिद्धारमैया भी शामिल हैं। शिवकुमार, सिद्धारमैया की जगह राज्य की कमान संभालेंगे।

>> (शेष पेज 06 पर)

सिद्धारमैया के कार्यकाल के ढाई साल पूरे हो गए थे

कर्नाटक में 2023 के विधानसभा चुनाव में सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार मुख्यमंत्री पद के दावेदार बनकर उभरे। इसे देखते हुए फॉर्मूला निकाला गया कि दोनों ढाई-ढाई साल के लिए मुख्यमंत्री बनेंगे।नवंबर 2025 में सिद्धारमैया के ढाई साल पूरे हो गए, लेकिन वे तब भी CM बने रहने पर अड़े रहे। कर्नाटक कांग्रेस से जुड़े सोर्स के मुताबिक तय फॉर्मूले के हिसाब से दिसंबर 2025 से शिवकुमार को CM पद संभालना था।

शपथ में राहुल-खड़गे शामिल हुए

नई कैबिनेट में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बेटे प्रियांक भी शामिल हैं। मंत्रिमंडल का दूसरा विस्तार विधान परिषद और राज्यसभा चुनाव के बाद होने की संभावना है। शपथ ग्रहण समारोह में राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे के अलावा केरल, हिमाचल प्रदेश, तेलंगाना के कांग्रेस मुख्यमंत्री और अन्य कांग्रेस नेता शामिल हुए। शपथ ग्रहण से ठीक एक दिन पहले सिद्धारमैया को कांग्रेस कार्य समिति (CWC) का सदस्य नियुक्त किया गया।

राहत : सरकार ने ₹10,000 करोड़ के फंड को भी मंजूरी दी, इससे जेट-फ्यूल की कीमतों को कंट्रोल किया जाएगा

एटीएफ की कीमतों पर ₹75.60 प्रति लीटर कैप लगाया

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। मिडिल ईस्ट संघर्ष के बीच सरकार ने एयरलाइंस कंपनियों, ऑयल मार्केटिंग कंपनियों (OMCs) और हवाई यात्रियों को राहत देने के लिए 10,000 करोड़ के एविएशन टर्बाइन फ्यूल (ATF) प्राइस स्टेबलाइजेशन फंड को मंजूरी दी। इसके अलावा सरकार ने घरेलू उड़ानों के लिए ATF की कीमत 75.60 प्रति लीटर पर फिक्स (कैप) कर दी हैं। एटीएफ की बढ़ती कीमतों को स्थिर करने के लिए यह फैसले लिए गए हैं। बुधवार (3 जून) को नई दिल्ली में हुई केंद्रीय कैबिनेट मीटिंग में इस फंड को मंजूरी दी गई है। यह फंड ATF की कीमतों में उतार-चढ़ाव को कंट्रोल करेगा। इस फंड का इस्तेमाल घरेलू और अंतर-राष्ट्रीय दोनों प्रकार के हवाई ऑपरेशन्स के लिए किया जाएगा। सरकार के मुताबिक, मिडिल ईस्ट संकट के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में हवाई ईंधन (ATF) की कीमतों में भारी उछाल आया है। मार्च 2026 में ATF की कीमत जो 60.5 रुपए प्रति लीटर थी, वह मई 2026 में दोगुनी से भी ज्यादा बढ़कर 142 रुपए प्रति लीटर के पार पहुंच गई है। बढ़ती कीमतों से राहत देने के लिए सरकार ने घरेलू उड़ानों के लिए ATF की कीमत को 75.6 रुपए प्रति लीटर पर कैप (अधिकतम सीमा तय) कर दिया है। एयर-लाइंस कंपनियों के कुल ऑपरेटिंग खर्च में अकेले ATF की हिस्सेदारी लगभग 40% होती है। ऐसे में कीमतों में आए इस तेज उछाल ने एयरलाइंस और तेल कंपनियों दोनों पर बड़ा आर्थिक दबाव बना दिया था। दिल्ली-NCR में बढ़ते प्रदूषण को रोकने के लिए 5,041 करोड़ की व्हीकल रिप्लेसमेंट योजना को मंजूरी मिली है।

>> (शेष पेज 06

नए फंड से होने वाले 6 बड़े फायदे

सरकार ने बताया है कि 10,000 करोड़ के इस नए फंड की मदद से एविएशन सेक्टर को यह 6 बड़े फायदे मिलेंगे

- **कीमतों में स्थिरता:** भारतीय शिड्यूल्ड एयरलाइंस के लिए एटीएफ की कीमतों को स्थिर रखने में मदद मिलेगी।
- **ऑपरेशन्स जारी रहेंगे:** विमान कंपनियों के कामकाज और उड़ानों में किसी भी तरह की रुकावट या बाधा को रोका जा सकेगा।
- **किराए में बढ़ोतरी नहीं होगी:** वैश्विक स्तर पर ईंधन महंगा होने के बावजूद हवाई यात्रियों को किराए में होने वाली भारी बढ़ोतरी से बचाया जा सकेगा।
- **77 लाख नौकरियां सुरक्षित:** इस फैसले से एविएशन इकोसिस्टम पर निर्भर लगभग 77 लाख लोगों के रोजगार और नौकरियों की सुरक्षा होगी।
- **इन्फ्रास्ट्रक्चर का बचाव:** एयरलाइंस ऑपरेशन्स को व्यावहारिक बनाए रखकर एयरपोर्ट इन्फ्रास्ट्रक्चर में किए गए भारी पब्लिक इन्वेस्टमेंट को सुरक्षित रखा जाएगा।
- **कनेक्टिविटी बहाल रहेगी:** पाकिस्तान एयरस्पेस बंद होने के बावजूद यूरोप, उत्तरी अमेरिका और सेंट्रल एशिया के लिए क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय कनेक्टिविटी को बनाए रखने में मदद मिलेगी।

अहमदाबाद में 166 बांग्लादेशी पकड़े गए

300 से ज्यादा संदिग्ध हिरासत में लिए गए

कार्रवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

अहमदाबाद। अहमदाबाद क्राइम ब्रांच ने अवैध घुसपैठ के खिलाफ कार्रवाई करते हुए शहर के तीन इलाकों से 300 से ज्यादा संदिग्धों को हिरासत में लिया है। जांच में 166 बांग्लादेशी पाए गए हैं, जबकि अन्य संदिग्धों के डॉक्यूमेंट्स की जांच की जा रही है। 2 जून की रात चलाए गए अभियान में अहमदाबाद पुलिस और क्राइम ब्रांच ने चंडोला, गुलाबनगर और खोडियारनगर क्षेत्रों में कार्रवाई की थी।

>> (शेष पेज 06 पर)

- अहमदाबाद पुलिस और क्राइम ब्रांच ने चंडोला, गुलाबनगर और खोडियारनगर क्षेत्रों में कार्रवाई की।
- इन सभी को बसों में भरकर क्राइम ब्रांच ऑफिस कैंपस लाया गया।
- क्राइम ब्रांच कैंपस में सभी की गिनती की गई।

सपा प्रमुख बोले- साइकिल ट्रैक और साइकिल हाईवे पर्यावरण व जनस्वास्थ्य सुधार का था विजनरी प्रयास

भाजपा ने सपा सरकार की विकास परियोजनाओं को किया बर्बाद

अखिलेश ने कहा कि भाजपा सरकार का रवैया साइकिल और उससे जुड़ी योजनाओं के प्रति सकारात्मक नहीं रहा है। समाजवादी पार्टी का चुनाव चिह्न साइकिल होने के कारण भाजपा राजनीतिक पूर्वाग्रह से प्रेरित होकर इन परियोजनाओं को महत्व नहीं देती। जबकि साइकिल किसी एक दल का नहीं बल्कि आम आदमी, पर्यावरण और स्वस्थ समाज का प्रतीक है।

आरोप

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री Akhilesh Yadav ने भाजपा सरकार पर समाजवादी सरकार के दौरान शुरू की गई विकास परियोजनाओं की अनदेखी करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी की सरकार ने प्रदेश में आधुनिक और पर्यावरण अनुकूल परिवहन व्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए थे, लेकिन भाजपा सरकार ने इन योजनाओं को आगे बढ़ाने के बजाय उन्हें उपेक्षा का शिकार बना दिया।

बुधवार को जारी बयान में अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी सरकार ने पर्यावरण संरक्षण, जनस्वास्थ्य सुधार और लोगों को साइकिलिंग के प्रति प्रेरित करने के उद्देश्य से लखनऊ सहित प्रदेश के कई शहरों में साइकिल ट्रैक विकसित किए थे। इसके साथ ही आगरा से इटावा के बीच 207 किलोमीटर लंबा साइकिल हाईवे भी बनाया गया था, जो विश्व प्रसिद्ध ताजमहल और इटावा लायन सफारी को जोड़ता है। उन्होंने कहा कि यह परियोजना देश में अपनी तरह की अनूठी पहल थी, जिसका उद्देश्य प्रदूषण कम करना, ईंधन की खपत घटाना और लोगों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना था। अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी ने विकास को केवल सड़क, भवन और पुलों तक सीमित नहीं रखा, बल्कि पर्यावरणीय संतुलन और जनस्वास्थ्य को भी विकास का महत्वपूर्ण हिस्सा माना।

बुनियादी ढांचे की लगातार अनदेखी

सपा प्रमुख ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार के नौ वर्षों के कार्यकाल में साइकिलिंग को बढ़ावा देने के लिए बनाए गए बुनियादी ढांचे की लगातार अनदेखी की गई। उन्होंने कहा कि जिस वेलोड्रोम और अन्य सुविधाओं का उपयोग खिलाड़ियों और युवाओं को बेहतर अवसर देने के लिए होना चाहिए था, वे आज उपेक्षा और ठहराव का प्रतीक बन गए हैं। इससे न केवल खेल गतिविधियां प्रभावित हुई हैं, बल्कि सरकार की विकास के प्रति सोच भी उजागर होती है।

भारत में साइकिल का विकास लंबे समय से आम जनता के जीवन का हिस्सा रहा

अखिलेश यादव ने साइकिल के ऐतिहासिक महत्व का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत में साइकिल का विकास लंबे समय से आम जनता के जीवन का हिस्सा रहा है। उन्होंने बताया कि वर्ष 1951 में बड़ी संख्या में साइकिलें विदेशों से आयात की गई थीं और बाद में देश में इसके पुर्जों का निर्माण शुरू हुआ। वर्ष 1953 में आगरा में साइकिल के कलपुर्जे बनाने का पहला कारखाना स्थापित किया गया था। इससे स्पष्ट होता है कि साइकिल भारत की सामाजिक और आर्थिक प्रगति से भी जुड़ी रही है।

मनरेगा के तहत खेल मैदानों के निर्माण से यूपी की निखर रही खेल प्रतिभाएं

- मनरेगा के तहत बन रहे खेल मैदानः ग्रामीण प्रतिभा और श्रमिकों को मिल रहा दोहरा लाभ
- नई प्रतिभाएं निखरने के साथ मनरेगा श्रमिकों को मिल रहा रोजगार

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य के नेतृत्व व निर्देशन में प्रदेश में खेल प्रतिभाओं को निखारने, दक्ष,और सक्षम बनाने के लिए ग्रामीण अंचल में खेलकूद का आधारभूत ढ़ाचा मजबूत करने के लिए मनरेगा योजनान्तर्गत ग्रामीण अंचल में खेल मैदान बनाये जा रहे हैं। गांवों में स्टेडियम व ओपेन जिम बनाकर खेल प्रतिभाओं को सरकार प्रोत्साहन दे रही है। युवा पीढ़ी गांवो के खेल मैदानों से निखर और संवर कर अपने गांव घर का नाम रोशन करेंगी और गांवों की खेल प्रतिभाएं, दुनिया में भारत का परचम लहरायेगीं। मनरेगा योजनान्तर्गत स्टेडियम,ओपेन जिम, खेल मैदान और पार्क गांवों में बनाये जा रहे हैं और इनका उपयोग भी किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश में खेल को बढ़ावा देने के लिए ग्रामीण इलाकों में खेल मैदान बनाए जा रहे हैं। इससे गांवों में नई प्रतिभाएं तो निखर ही रही है साथ ही मनरेगा के तहत इन मैदान का निर्माण होने की वजह से श्रमिकों को निरंतर रोजगार भी मिल रहा है। इस पहल का उद्देश्य बेहतर स्वास्थ्य और समग्र सामुदायिक विकास के लिए स्कूली छात्रों और गांव के अन्य सदस्यों के बीच खेलों को प्रोत्साहित करना है। खेल मैदानों में रनिंग ट्रैक बनने से ग्रामीण अँचलों में रहने वाला युवा आर्मी, पैरा मिलिट्री फोर्स, पुलिस, सीआरपीएफ इत्यादि की तैयारी अपने गांव में ही रहकर कर रहे हैं। ग्राम्य विकास विभाग की इस योजना के चलते खेल मैदान बनने से गांव के युवाओं को मैदान में ही दौड़ लगाने के साथ शारीरिक अभ्यास करने में भी मदद मिल रही है।

फास्ट न्यूज

फर्जी आयुष्मान कार्ड बनाकर करोड़ों की हेराफेरी करने वाला गिरफ्तार

लखनऊ। कूटरचित दस्तावेजों के आधार पर सैकड़ों अपात्र लोगों के फर्जी आयुष्मान कार्ड बनाकर सरकारी धन हड़पने वाले एक और आरोपी को एसटीएफ ने बुद्धेश्वर क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया। इस गिरोह के दो सदस्यों को 17 जून 2025 को प्रयागराज और सात अन्य सदस्यों को 24 दिसंबर 2025 को लखनऊ से गिरफ्तार किया जा चुका है।

कंटेनर ने दंपती को टक्कर मारी, महिला की मौत

बख्शी का तालाब। लखनऊ के महिंगवां थाना क्षेत्र में बुधवार को दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। कुम्हारवा रोड पर तेज रफ्तार कंटेनर की टक्कर से साइकिल सवार महिला की मौके पर ही मौत हो गई। उसका पति गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद परिजनों और स्थानीय लोगों ने करीब 5 घंटे तक सड़क जाम करके हंगामा किया। स्थानीय विधायक योगेश शुक्ला और एसीपी बीकेटी विकास पांडेय ने लोगों को समझाकर शांत कराया। पुलिस ने कंटेनर और चालक को हिरासत में लेकर जांच शुरू कर दी है।

बर्थडे-पार्टी में बुकिंग के बहाने हुई लूट का खुलासा

लखनऊ । लखनऊ के इटौंजा में वीडियोग्राफर से लाखों रुपए के कैमरे और अन्य उपकरण लूटने की वारदात का पुलिस ने खुलासा कर दिया। स्वाट और सर्विलांस टीम के साथ इटौंजा पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लूट का सामान बरामद किया। मामले में चौंकाने वाली बात यह सामने आई है कि पीड़ित के साथ काम करने वाला सहयोगी ही घटना का मास्टरमाइंड निकला।

टीजीटी परीक्षा के पहले दिन 2.21 लाख से अधिक अभ्यर्थी हुए शामिल

- टीजीटी परीक्षा का प्रथम दिन शांतिपूर्ण एवं पारदर्शी वातावरण में सम्पन्न, एआई तकनीक से हुई कड़ी निगरानी
- एआई आधारित निगरानी में 11 फर्जी परीक्षार्थी चिन्हित, 9 गिरफ्तार
- 36 जनपदों के परीक्षा केन्द्रों पर 8 विषयों की परीक्षा सम्पन्न

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग द्वारा विज्ञापन संख्या 01/2022 के अंतर्गत प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (टीजीटी) के 3539 पदों के लिए आयोजित लिखित परीक्षा का प्रथम दिन बुधवार को प्रदेश के 36 जनपदों में शांतिपूर्ण, पारदर्शी एवं नकलविहीन वातावरण में सम्पन्न हुआ। परीक्षा के लिए कुल 8,68,531 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है। परीक्षा 03 एवं 04 जून 2026 को प्रतिदिन दो पालियों में आयोजित की जा रही है।

आयोग के अध्यक्ष डॉ. प्रशांत कुमार ने बताया कि 03 जून 2026 दिन बुधवार को प्रथम पाली में सामाजिक विज्ञान, शारीरिक शिक्षा, विज्ञान एवं उर्दू विषय तथा द्वितीय पाली में हिन्दी, गणित, कृषि एवं संगीत गायन विषय की परीक्षा आयोजित की गई। प्रथम पाली की परीक्षा प्रदेश के 514 परीक्षा केन्द्रों तथा द्वितीय पाली की परीक्षा 508 परीक्षा केन्द्रों पर सम्पन्न हुई।

उन्होंने बताया कि परीक्षा की शुचिता एवं पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए आयोग मुख्यालय में स्थापित एआई इंटीग्रेटेड कंट्रोल कमांड रूम से सभी परीक्षा केन्द्रों की सतत निगरानी की गई। आयोग के सदस्यगण, सचिव, परीक्षा नियंत्रक एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में एआई कैमरों के माध्यम से परीक्षार्थियों की गतिविधियों पर लगातार नजर रखी गई।

लखनऊ-हरदोई सीमा पर विकसित हो रहे 1000 एकड़ के मेगा प्रोजेक्ट की प्रगति की गई समीक्षा

योगी सरकार के टेक्सटाइल हब विजन को मिल रही गति

- मंत्री राकेश सचान ने पीएम मित्र मेगा टेक्सटाइल पार्क के निर्माण कार्यों का किया निरीक्षण
- सड़क, विद्युत, जलापूर्ति एवं अन्य आधारभूत ढांचा कार्यों में तेजी लाने के निर्देश

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश को देश का अग्रणी औद्योगिक एवं टेक्सटाइल केंद्र बनाने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम बढ़ाते हुए प्रदेश के हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग, रेशम तथा खादी एवं ग्रामोद्योग मंत्री राकेश सचान ने मंगलवार को जनपद लखनऊ एवं हरदोई की सीमा पर विकसित किए जा रहे पीएम मित्र मेगा टेक्सटाइल पार्क का स्थलीय निरीक्षण किया। लगभग 1000 एकड़ क्षेत्र में विकसित हो रही इस महत्वाकांक्षी परियोजना के विभिन्न निर्माण कार्यों का जायजा लेते हुए उन्होंने अधिकारियों को विकास कार्यों में और तेजी लाने के निर्देश दिए। बैठक में लोक निर्माण विभाग, विद्युत विभाग, जल निगम, वन विभाग, यूपीएसआईसी तथा हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग विभाग के अधिकारियों ने परियोजना की प्रगति से मंत्री सचान को अवगत कराया। लोक निर्माण विभाग द्वारा सड़क निर्माण एवं संपर्क मार्गों के विकास की अद्यतन स्थिति प्रस्तुत की गई, जिस पर मंत्री ने कार्यों को और अधिक गति देने के निर्देश दिए।

मंत्री सचान ने यूपीएसआईसी को पार्क क्षेत्र में कटान किए गए वृक्षों के अवशेषों की जड़ सहित सफाई शीघ्र पूर्ण कराने तथा हथकरघा विभाग को झाड़-झंखाड़ हटाने का कार्य तेजी से पूरा कराने के निर्देश दिए।

मंत्री सचान ने पार्क परिसर में निर्माणाधीन बाउंड्री वॉल, प्रवेश द्वार, विद्युत उपकेंद्र, आंतरिक आधारभूत संरचना तथा अन्य विकास कार्यों का भौतिक सत्यापन किया। इसके बाद आयोजित समीक्षा बैठक में उन्होंने परियोजना से जुड़े सभी विभागों के अधिकारियों के साथ विस्तृत चर्चा कर कार्यों की वर्तमान स्थिति और भविष्य की कार्ययोजना की समीक्षा की।

संबंधित पक्षों के साथ समन्वय स्थापित कर सर्वेक्षण कराए

मंत्री सचान ने निर्देशित किया कि जहां पार्क की बाउंड्री वॉल के कारण आवागमन संबंधी मुद्दे उत्पन्न हो रहे हैं, वहां सभी संबंधित पक्षों के साथ समन्वय स्थापित कर सर्वेक्षण कराया जाए तथा आवश्यक मार्गों को सड़क निर्माण योजना में शामिल किया जाए। साथ ही जल निकासी की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए नाला निर्माण का प्रस्ताव भी तैयार किया जाए। उन्होंने अटारी फार्म रोड के सुदृढ़ीकरण तथा निर्माणाधीन छह लेन सड़क को पार्क के मुख्य द्वार से लखनऊ दिशा की ओर प्राथमिकता के आधार पर विकसित करने के निर्देश दिए।

झोलाछाप डॉक्टर पर इलाज का आरोप, बुखार होने पर परिजन मेडिकल स्टोर लेकर पहुंचे थे

इंजेक्शन लगने के बाद मासूम की मौत

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ के फैजुल्लागंज स्थित पुराना दाऊदनगर निवासी छह वर्षीय मासूम सौम्या विश्वकर्मा की इंजेक्शन लगाए जाने के बाद मौत हो गई। परिजनों के अनुसार बच्ची को बुखार था, जिसके चलते वे उसे एक क्लीनिक पर लेकर गए थे, जहां डॉक्टर द्वारा इंजेक्शन लगाया गया। इसके बाद बच्ची की तबीयत बिगड़ गई।

परिजनों का आरोप है कि इलाके के एक झोलाछाप डॉक्टर द्वारा दिए गए इलाज और दवा के कारण बच्ची की हालत गंभीर हो गई। घटना के बाद गुस्साए परिजनों ने क्लीनिक के बाहर हंगामा किया। पुलिस ने मामले में शव का पोस्टमार्टम कराकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। पुराना दाऊदनगर निवासी अनूप विश्वकर्मा पुताई मजदूर है। जबकि पत्नी गुड़िया गृहणी हैं। 10 साल का बेटा शिवम कक्षा छह का छात्र है। मामा कौशल ने बताया भांजी सौम्या को बीते कुछ दिनों से बुखार आ रहा था। सोमवार सुबह बुखार तेज हो गया। मां गुड़िया बच्ची को लेकर घर के नजदीक मेडिकल स्टोर पहुंची। मेडिकल स्टोर का संचालन खुद को डॉक्टर बताता था। उसने बच्ची की सेहत की जांच की। एक इंजेक्शन लगाया। तीन खुराक दवा दी। फीस के नाम पर 100 रुपए वसूले। पिता ने मेडिकल स्टोर संचालक पर गलत इंजेक्शन लगाने का आरोप लगाया है। उन्होंने बताया कि झोलाछाप के गलत इलाज से बेटी की सांसें थमी हैं। नाराज परिवारीजन शव लेकर मेडिकल स्टोर पहुंचे। हंगामा शुरू कर दिया। माहौल बिगड़ता देख झोलाछाप मेडिकल स्टोर बंद कर फरार हो गया। हंगामे की सूचना पर पहुंची पुलिस ने किसी तरह परिवारीजनों को समझाया। इंसाफ का भरोसा दिलाया। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

परिजनों का आरोप है कि झोलाछाप हर प्रकार की बीमारी का इलाज करता था। स्थानीय लोगों ने बताया कि झोलाछाप मेडिकल स्टोर का संचालन करता था। उसमें मरीजों को इलाज मुहैया कराता था। स्टोर में बैठने के दौरान झोलाछाप के गले में हमेशा आला पड़ा रहता था। ताकि लोग उसे डॉक्टर समझे। इलाज कराएं। वह सभी को हमेशा खुद को डॉक्टर बताता था। डिग्री पूछने पर चुप्पी साध लेता था।

शरीर पड़ गया था नीला

घर पहुंचने के बाद मां ने बेटी को दवा की एक खुराक दी। कुछ ही समय बाद बच्ची की तबीयत बिगड़ने लगी। उसका शरीर नीला पड़ने लगा और शरीर पर चकत्ते दिखाई देने लगे। उसे पेट में तेज दर्द होने लगा। हालत बिगड़ती देख परिजन उसे आनन-फानन में दूसरे अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां कुछ देर बाद मासूम सौम्या की मौत हो गई।

लखनऊ में संदिग्ध हालत में विवाहिता की मौत

लखनऊ । लखनऊ के वजीरगंज इलाके में एक विवाहिता घर में फंदे से लटकी मिली। परिजन उसे गंभीर हालत में बलरामपुर अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मृतका के भाई ने पति समेत ससुराल पक्ष के लोगों पर दहेज हत्या का आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज कराया है।

पुलिस के मुताबिक, मूल रूप से सीतापुर की रहने वाली पूजा साह (25) की शादी करीब तीन वर्ष पहले वजीरगंज के रिवर बैंक कॉलोनी क्षेत्र निवासी शुभम साह से हुई थी। दंपती का डेढ़ साल का एक बेटा है। शुभम फल का ठेला लगाकर परिवार का भरण-पोषण करता है। मृतका के भाई विनोद ने आरोप लगाया कि शादी के कुछ समय बाद से ही पूजा को दहेज की मांग को लेकर प्रताड़ित किया जाता था। उसे आए दिन मारपीट कर मानसिक रूप से परेशान किया जाता था। मंगलवार शाम परिवार को सूचना मिली कि पूजा ने फांसी लगा ली है।

एंकर पार्टनर का चयन करेगा उद्योग विभाग

- युवाओं को कौशल प्रशिक्षण और उद्योगों को प्रशिक्षित मानव संसाधन उपलब्ध कराने के लिए
- सरदार वल्लभभाई पटेल इम्प्लॉयमेंट एवं इंडस्ट्रियल जोन के विकास, संचालन एवं क्रियान्वयन हेतु 11 जून तक आमंत्रित की गई अभिरुचियां

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ । प्रदेश में युवाओं को रोजगारोन्मुखी कौशल प्रशिक्षण उपलब्ध कराने तथा उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप स्किल्ड एवं सेमी-स्किल्ड कार्यबल तैयार करने की दिशा में उद्योग एवं उद्यम प्रोत्साहन निदेशालय, उत्तर प्रदेश ने महत्वपूर्ण पहल की है।

इसी क्रम में प्रदेश के विभिन्न स्थानों पर प्रस्तावित सरदार वल्लभभाई पटेल इम्प्लॉयमेंट एवं इंडस्ट्रियल जोन के विकास, संचालन प्रबंधन एवं क्रियान्वयन के लिए पात्र एवं इच्छुक संस्थाओं से एंकर पार्टनर के चयन हेतु अभिरुचि (एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट) आमंत्रित की गई है। इच्छुक एवं पात्र संस्थाएं अपनी अभिरुचि 11 जून 2026 तक प्रस्तुत कर सकती हैं। आवेदन एवं अन्य आवश्यक विवरण वेबसाइट https://msme.up.gov.in/ पर उपलब्ध हैं। आयुक्त एवं निदेशक उद्योग के. विजयेन्द्र पाण्डियन ने बताया कि इसका उद्देश्य उद्योगों के लिए आवश्यक स्किल्ड एवं सेमी-स्किल्ड वर्कर्स तैयार करने हेतु आधुनिक प्रशिक्षण सुविधाओं का एकीकृत विकास करना है। इसके साथ ही युवाओं को उद्योगों की जरूरतों के अनुरूप कौशल प्रशिक्षण तथा प्लग एंड प्ले सुविधाएं उपलब्ध कराकर रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसरों को बढ़ावा दिया जाएगा।

पूछताछ : शराब पार्टी के बहाने बुलाकर गला घोंटा, केले के खेत में फेंका शव

मामा ने की भांजे की हत्या

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ में आइसक्रीम पॉर्लर संचालक की रिश्ते के मामा ने हत्या कर दी। उसका शव केले के खेत में फेंक दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। आरोपी मामा को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

घटना इटौंजा थाना क्षेत्र के अकबरपुर गांव की है। मृतक सचिन सिंह (22) साल इंद्रपुरी कॉलोनी, मड़ियांव का रहने वाला था। सोमवार रात करीब 9 बजे अपने रिश्ते के मामा ब्रजेश सिंह के साथ उसके गांव अकबरपुर आया था।

मंगलवार सुबह सचिन सिंह का शव ब्रजेश के केले के खेत में मिला। मौके से शराब की बोतल भी बरामद हुई। पुलिस की पूछताछ में आया है कि दोनों ने साथ में शराब पार्टी की। इस दौरान किसी बात पर हुए विवाद के बाद मामा ने भांजे का गला घोंटकर हत्या कर दी। हालांकि, हत्या की वजह अब तक स्पष्ट नहीं हुई।

सत्येंद्र सिंह ने बताया कि पुलिस और परिजनों के साथ वह लोग अकबपुर में ब्रजेश सिंह के केले के खेत में पहुंचे। वहां सचिन का शव मिला। शरीर पर नेक्कर और बनियान थी। गले पर रस्सी से कसाने का निशान था।

इटौंजा से पकड़ा गया आरोपी ब्रजेश

सत्येंद्र सिंह ने बताया कि ब्रजेश घर से भाग गया था। उसका मोबाइल भी बंद था। उसके परिचितों से पूदताछ की गई तो पता चला कि वह इटौंजा में है। इस पर उसके बड़े भाई पौरुष उसके पास गए। कहा कि उसे कुछ नहीं होने देंगे और उसे बुलाकर पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है। सत्येंद्र सिंह ने बताया कि सचिन और ब्रजेश रिश्ते के मामा-भांजे थे, लेकिन दोनों बहुत अच्छी दोस्ती थी। दोनों साथ में घूमते-फिरते थे। रिश्तेदारी आदि में भी साथ ही जाते थे। ब्रजेश ने सचिन की किस बात को लेकर हत्या कर दी यह पता नहीं चला है।

घटना स्थल पर परिजन और ग्रामीण जुट गए।

आरोपी के बड़े भाई ने परिजनों को दी सूचना

परिजनों ने बताया कि पौरूष सिंह ने IIM रोड काशीराम कॉलोनी में रहने वाले अपने मामा सतेंद्र सिंह (सचिन के नाना भी हैं) को घटना की जानकारी दी। सतेंद्र सिंह ने इसकी जानकारी राम शंकर सिंह को दी। बेटे की हत्या की खबर सुनकर राम शंकर सिंह सत्येंद्र सिंह यानी अपनी ससुराल पहुंचे। वहां से परिजनों के साथ मड़ियांव थाने गए और पूरा घटनाक्रम बताया।

4 जून को होगा विशेष प्रशिक्षण

सभी जिलों में लाभार्थियों के पंजीकरण की प्रक्रिया होगी तेज

- रसोइयों और विद्यालयी कर्मियों के स्वास्थ्य सुरक्षा कवच को मजबूत कर रही योगी सरकार - मंत्री संदीप सिंह
- पीएम पोषण योजना, केजीबीवी एवं परिषदीय विद्यालयों से जुड़े कर्मियों को मिलेगी कैशलेस चिकित्सा सुविधा

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में राज्य सरकार शिक्षा व्यवस्था से जुड़े प्रत्येक कर्मी के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। इसी क्रम में परिषदीय विद्यालयों, कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों (केजीबीवी) तथा पीएम पोषण योजना से जुड़े रसोइयों और अन्य कर्मियों को कैशलेस चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। इससे हजारों कर्मियों एवं उनके परिवारों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ बिना आर्थिक बोझ के प्राप्त हो सकेगा।

प्रदेश के बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह ने कहा कि विद्यालयों में कार्यरत शिक्षक, शिक्षामित्र, विशेष शिक्षक, रसोइया तथा अन्य सहयोगी कार्मिक शिक्षा व्यवस्था की महत्वपूर्ण कड़ी हैं। उनके स्वास्थ्य और सामाजिक सुरक्षा को सुनिश्चित करना सरकार की प्राथमिकता है। कैशलेस चिकित्सा सुविधा से लाभार्थियों को समय पर उपचार उपलब्ध होगा और उनके जीवन में सुरक्षा एवं विश्वास की भावना मजबूत होगी।

उन्होंने बताया कि योजना के प्रभावी संचालन एवं लाभार्थियों के पंजीकरण की प्रक्रिया को सरल और सुगम बनाने के लिए 4 जून को शिक्षा निदेशक (बेसिक) कार्यालय, लखनऊ में विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। प्रशिक्षण के माध्यम से संबंधित अधिकारियों और नामित कार्मिकों को योजना के विभिन्न प्रावधानों, पंजीकरण प्रक्रिया तथा तकनीकी पहलुओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की जाएगी। शिक्षा निदेशक बेसिक अनिल भूषण चतुर्वेदी द्वारा इस संबंध में सभी जिला बेसिक शिक्षा अधिकारियों को आवश्यक निर्देश जारी कर दिए गए हैं। प्रत्येक जनपद में नोडल कार्मिक नामित किए जाएंगे, जो पात्र लाभार्थियों के पंजीकरण एवं योजना के क्रियान्वयन की निगरानी करेंगे।

एसपी दफ्तर पहुंचा पीड़ित परिवार, जांच पर उठाए सवाल, सुप्रीम कोर्ट जाने की बात कही

विमलेश पाल हत्याकांड : आरोपी सिपाही को जमानत

कार्यवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। जिले के बहुचर्चित महिला सिपाही विमलेश पाल हत्याकांड में आरोपी सिपाही पति इंद्रेश मौर्य को इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ से जमानत मिलने के बाद पीड़ित परिवार ने न्यायिक प्रक्रिया और पुलिस जांच पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। न्याय की मांग को लेकर मृतका के परिजन बाराबंकी पहुंचे और अपर पुलिस अधीक्षक (एएसपी) विकास चंद्र त्रिपाठी से मुलाकात कर मामले की निष्पक्ष एवं नए सिरे से जांच की मांग की।

परिजनों का आरोप है कि पुलिस विवेचना में हुई तकनीकी खामियों और रिकॉर्ड में मौजूद विरोधाभासों का लाभ आरोपी को मिला है, जिसके चलते हत्या जैसे गंभीर मामले में उसे जमानत मिल गई।

जानकारी के अनुसार, इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने आरोपी इंद्रेश मौर्य को जमानत देते समय पोस्टमार्टम रिपोर्ट और पुलिस रिकॉर्ड में मौजूद विरोधाभास को महत्वपूर्ण आधार माना। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अनुसार महिला सिपाही विमलेश पाल की मृत्यु 26 से 27 जुलाई 2025 के बीच हुई थी। दूसरी ओर, सुबेहा थाने की जनरल डायरी में 27 जुलाई से 29 जुलाई तक विमलेश पाल की ऑन-ड्यूटी उपस्थिति दर्ज थी और उनके हस्ताक्षर भी रिकॉर्ड में मौजूद बताए गए। इसी विरोधाभास ने अदालत के समक्ष कई सवाल खड़े किए, जिसके चलते आरोपी को जमानत का लाभ मिला।

एएसपी से मिलकर लगाई न्याय की गुहार

मृतका विमलेश पाल के परिजनों ने बुधवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर अपर पुलिस अधीक्षक विकास चंद्र त्रिपाठी से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने चार्जशीट और थाने की जनरल डायरी (जीडी) में दर्ज तथ्यों के बीच मौजूद विरोधाभासों को उजागर करते हुए जांच की निष्पक्षता पर सवाल उठाए।

परिजनों का कहना था कि जांच के दौरान कई महत्वपूर्ण तथ्यों को सही तरीके से अदालत के समक्ष प्रस्तुत नहीं किया गया, जिसके कारण आरोपी को जमानत मिल गई। उन्होंने मांग की कि पूरे मामले की दोबारा जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए।

एएसपी विकास चंद्र त्रिपाठी ने परिजनों को आश्वस्त किया कि उनकी शिकायतों को गंभीरता से लिया जाएगा और यदि कहीं कोई कमी पाई जाती है तो उसकी जांच कर उचित कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

बहन बोली- 9 महीने में आरोपी बाहर आ गया, हमें अब तक न्याय नहीं मिला

एसपी कार्यालय से बाहर निकलने के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए मृतका की छोटी बहन पूजा पाल भावुक हो गईं। उन्होंने कहा कि उनकी बहन की हत्या को लगभग एक वर्ष होने वाला है, लेकिन परिवार को अभी तक न्याय नहीं मिला उन्होंने कहा, "मेरी बहन की बेरहमी से हत्या हुई थी। उसके बावजूद मुख्य आरोपी को महज नौ महीने के भीतर जमानत मिल गई। हम चाहते हैं कि आरोपी को कड़ी से कड़ी सजा मिले और उसे फांसी दी जाए।" वहीं मृतका की बुजुर्ग मां अनारा देवी ने भी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि आरोपी के जेल से बाहर आने के बाद उनके परिवार की सुरक्षा को खतरा बढ़ गया है। उन्होंने प्रशासन से सुरक्षा उपलब्ध कराने की मांग की।

नाली विवाद में मारपीट, गर्भवती महिला घायल

उन्नाव में युवक का गला घोंटने का प्रयास, पुलिस पर कार्रवाई न करने का आरोप

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव के बीघापुर थाना क्षेत्र के नया खेड़ा गांव में नाली के पानी के निकास को लेकर हुए विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। एक युवक ने पड़ोसियों पर मारपीट और गला घोंटने का प्रयास करने का आरोप लगाया है। युवक का दावा है कि बीच-बचाव करने आई उसकी गर्भवती पत्नी को भी चोटें आईं, जिसके बाद उसका गर्भपात हो गया। पीड़ित ने पुलिस पर शिकायत के बावजूद कार्रवाई न करने का भी आरोप लगाया है। नया खेड़ा गांव निवासी सुनील कुमार ने बताया कि नाली के पानी के निकास को लेकर उनका पड़ोसियों से विवाद चल रहा था। सुनील का आरोप है कि पड़ोसी अपने घर का पानी उस दिशा में निकालना चाहते थे, जहां पहले कभी पानी नहीं बहता था। जब उन्होंने इसका विरोध किया तो विवाद बढ़ गया। सुनील कुमार के अनुसार, विरोध करने पर पड़ोस के कई लोगों ने मिलकर उनके साथ मारपीट की। उन्होंने आरोप लगाया कि हमलावरों ने उनके गले में पड़ा अंगौछा खींचकर कस दिया, जिससे उनका दम घुटने लगा और जीभ बाहर निकल आई। सुनील का यह भी कहना है कि हमलावरों ने उनकी जीभ को पकड़कर खींचा, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आईं। घटना के दौरान सुनील कुमार की पत्नी उन्हें बचाने के लिए मौके पर पहुंचीं। आरोप है कि हमलावरों ने उन्हें भी धक्का-मुक्की और लात मारकर घायल कर दिया। पीड़ित के मुताबिक, उनकी पत्नी तीन माह की गर्भवती थीं और घटना के बाद उनकी तबीयत बिगड़ गई।

फास्ट न्यूज

मेडिकल कॉलेज में ऑक्सीजन प्लांट बेअसर

हरदोई। हरदोई के मेडिकल कॉलेज में स्वास्थ्य सुविधाओं पर सवाल उठ रहे हैं। अस्पताल में चार ऑक्सीजन प्लांट होने के बावजूद मरीजों को कंसंट्रेटर और सिलिंडर के भरोसे इलाज मिल रहा है। इमरजेंसी वार्ड में ऑक्सीजन सप्लाई व्यवस्था अधूरी है। मेडिकल कॉलेज की 60 बेड क्षमता वाली इमरजेंसी में केवल रेड जोन के 10 और येलो जोन के लगभग 15 बेडों तक ही ऑक्सीजन लाइन पहुंची है।

किसान का शव फंदे पर लटका मिला

उन्नाव। उन्नाव के सोहरामऊ थाना क्षेत्र के शेखपुर गांव में बुधवार को एक किसान का शव घर के बाहर छज्जे से लटका मिला। इस घटना से गांव में सनसनी फैल गई। परिजनों और ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक की पहचान शेखपुर गांव निवासी 55 वर्षीय हरिशंकर यादव पुत्र भुइयादीन के रूप में हुई है। वह खेती-किसानी के साथ गांव में चाय-नाश्ते की दुकान चलाकर परिवार का भरण-पोषण करते थे। परिजनों ने बताया कि हरिशंकर लंबे समय से बीमारी से जूझ रहे थे।

गंगा कटान रोकने को सिंचाई विभाग सक्रिय

उन्नाव। उन्नाव में गंगा नदी का जलस्तर कम होने के बावजूद मिश्रा कॉलोनी क्षेत्र में कटान जारी है। इसे रोकने के लिए सिंचाई विभाग ने व्यापक स्तर पर कार्य शुरू कर दिया है। विभाग मिश्रा कॉलोनी बस्ती के सामने गंगा किनारे सुरक्षा कार्य करा रहा है। सिंचाई विभाग की टीम ने कटान प्रभावित स्थल पर परक्यूपाइन (लोहे और कंक्रीट से निर्मित विशेष संरचनाएं) लगाने का कार्य तेज कर दिया है।

परिवार सोता रहा, चोरों ने नगदी-जेवरात पर हाथ किया साफ, अलमारी और बक्से तोड़े

छत के रास्ते 5 लाख की चोरी

तमसा संकेत, एजेंसी

सीतापुर। सीतापुर के सकरन थाना क्षेत्र के उमरा कला गांव में चोरों ने एक घर को निशाना बनाते हुए नगदी और जेवरात समेत करीब पांच लाख रुपये की चोरी की वारदात को अंजाम दिया। घटना के बाद गांव में हड़कंप मच गया, जबकि पीड़ित परिवार ने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। जानकारी के अनुसार उमरा कला गांव निवासी अमर सिंह ने बताया कि उनका परिवार संयुक्त रूप से एक ही मकान में रहता है। घर में पांचों भाई अलग-अलग कमरों में रहते हैं। मंगलवार देर रात लगभग 12 बजे से सुबह 3 बजे के बीच चोर छत के रास्ते घर में दाखिल हो गए। उस समय परिवार के कुछ सदस्य आंगन और छत पर सो रहे थे, जबकि किसी को भी चोरी की भनक नहीं लगी।

चोरों ने घर के अलग-अलग कमरों को खंगालते हुए वहां रखी नगदी और सोने-चांदी के जेवरात पर हाथ साफ कर दिया। सुबह जब परिवार के लोग जागे तो कमरों का सामान बिखरा पड़ा मिला और अलमारियों व बक्सों के ताले टूटे हुए थे। जांच करने पर नगदी और कीमती जेवरात गायब मिले। पीड़ित परिवार का कहना है कि चोरी गए सामान की कीमत करीब पांच लाख रुपये है।

घटना की सूचना मिलने के बाद सकरन थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर जानकारी जुटाई। पुलिस ने पीड़ित परिवार से पूछताछ कर आसपास के लोगों से भी जानकारी ली है। पीड़ित अमर सिंह ने मामले में अज्ञात चोरों के खिलाफ तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।

पुलिस का कहना है कि तहरीर के आधार पर मामले की जांच की जा रही है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की भी पड़ताल की जा रही है। जल्द ही घटना का खुलासा कर आरोपियों को गिरफ्तार करने का प्रयास किया जाएगा।

गल्ला व्यापारी के घर और दुकान में 18 लाख की चोरी

खिड़की तोड़कर अंदर घुसे, मेन गेट से बाहर गए, बरामदे में सो रहा था परिवार

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। बाराबंकी के मसौली थाना क्षेत्र स्थित बड़ागांव मोड़ पर एक गल्ला व्यापारी के घर और दुकान में चोरी की बड़ी वारदात हुई है। बुधवार देर रात चोरों ने बाहुबली ट्रेडर्स के मालिक के आवास से लाखों रुपये के जेवरात और नकदी चुरा ली। चोरी हुए सामान की कुल कीमत लगभग 18 लाख रुपये बताई जा रही है। घटना बुधवार-गुरुवार की रात करीब 2 से 3 बजे के बीच हुई। व्यापारी अपने परिवार के साथ घर के बरामदे में सो रहे थे। चोरों ने घर के पीछे लगी लोहे की खिड़की तोड़कर प्रवेश किया। वे सीधे ऊपर बने कमरे तक पहुंचे और वहां रखे सोने-चांदी के जेवरात तथा नकदी लेकर फरार हो गए। बताया जा रहा है कि बदमाश मुख्य गेट के रास्ते बाहर निकले। पीड़ित व्यापारी ने बताया कि उनका घर और दुकान मसौली थाना क्षेत्र से लगभग एक किलोमीटर दूर है।

इतनी बड़ी चोरी की घटना से पुलिस गश्त और सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि जिले में पहले भी कई चोरी और डकैती की घटनाएं हो चुकी हैं, लेकिन अपराधियों पर प्रभावी अंकुश नहीं लग पा रहा है। गुरुवार सुबह घटना की जानकारी होने पर व्यापारी ने तत्काल मसौली पुलिस को सूचित किया। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने आवश्यक साक्ष्य जुटाए और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी है।

मसौली पुलिस ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर चोरों की पहचान कर उनकी जल्द गिरफ्तारी का प्रयास किया जाएगा। इस घटना के बाद स्थानीय व्यापारियों ने क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने और रात्रि गश्त बढ़ाने की मांग की है।

उन्नाव को मिली नई प्रभारी मंत्री

उच्च शिक्षा मंत्री रजनी तिवारी संभालेंगी जिले की जिम्मेदारी

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उत्तर प्रदेश सरकार ने प्रशासनिक और विकास कार्यों को और अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए उन्नाव जनपद के लिए नई प्रभारी मंत्री की नियुक्ति कर दी है। प्रदेश सरकार द्वारा बुधवार को जारी सूची के अनुसार हरदोई जनपद की शाहाबाद विधानसभा सीट से विधायक एवं प्रदेश की उच्च शिक्षा मंत्री रजनी तिवारी को उन्नाव जिले का प्रभारी मंत्री बनाया गया है। सरकार की इस घोषणा के बाद जिले के राजनीतिक और प्रशासनिक गलियारों में चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है। भाजपा कार्यकर्ताओं ने इस निर्णय का स्वागत करते हुए इसे जिले के विकास के लिए सकारात्मक कदम बताया है। वहीं प्रशासनिक स्तर पर भी नई प्रभारी मंत्री के संभावित दौरे को लेकर तैयारियां तेज कर दी गई हैं।

सूत्रों के अनुसार प्रभारी मंत्री बनाए जाने के बाद रजनी तिवारी का पहला उन्नाव दौरा गुरुवार को संभावित माना जा रहा है। हालांकि अभी तक उनके दौरे का आधिकारिक कार्यक्रम जारी नहीं किया गया है, लेकिन प्रशासनिक अधिकारियों ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। जिला प्रशासन उनके संभावित आगमन को देखते हुए विभिन्न विभागों से विकास कार्यों और योजनाओं की प्रगति रिपोर्ट तैयार कराने में जुटा हुआ है।

विकास योजनाओं की करेंगी निगरानी

प्रभारी मंत्री के रूप में रजनी तिवारी जिले में संचालित विभिन्न सरकारी योजनाओं और विकास परियोजनाओं की नियमित समीक्षा करेंगी। इसके साथ ही वह विभिन्न विभागों के कार्यों की निगरानी, मूल्यांकन और प्रगति की समीक्षा भी करेंगी। प्रभारी मंत्री जिला योजना समिति की बैठकों की अध्यक्षता करेंगी तथा जनपद में चल रहे विकास कार्यों की गुणवत्ता और समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी भी निभाएंगी। शासन की प्राथमिकताओं और जनकल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर प्रभावी ढंग से लागू कराने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका होगी।

समीक्षा बैठकों पर रहेगी विशेष नजर

प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार प्रभारी मंत्री के जिले में आगमन पर विकास कार्यों, कानून-व्यवस्था, स्वास्थ्य सेवाओं, शिक्षा व्यवस्था, पेयजल आपूर्ति, सड़क निर्माण और अन्य महत्वपूर्ण योजनाओं को लेकर विस्तृत समीक्षा बैठकें आयोजित की जा सकती हैं। इसके अतिरिक्त जिले के जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ संवाद कार्यक्रम भी प्रस्तावित हैं। इन बैठकों में जनपद की प्रमुख समस्याओं और विकास संबंधी आवश्यकताओं पर चर्चा किए जाने की संभावना है।

बिजली तार चोर गिरोह पर गैंगस्टर एक्ट

हरदोई। हरदोई में बिजली के तार चोरी करने वाले एक संगठित गिरोह पर बड़ी कार्रवाई की गई है। कोतवाली शहर पुलिस ने गैंग लीडर समेत आठ सदस्यों के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट के तहत मामला मंगलवार की रात दर्ज किया है। यह कार्रवाई जिलाधिकारी से गैंग चार्ट अनुमोदित होने के बाद की गई है।

पुलिस के अनुसार, प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार त्यागी के नेतृत्व में टीम क्षेत्र में चेकिंग कर रही थी, तभी इस संगठित गिरोह की गतिविधियों की पुष्टि हुई। गिरोह का सरगना सुधीर रैदास उर्फ सुधीर कुमार है, जो जमुनापुर, सुरसा का निवासी है। गिरोह में सरगना सुधीर रैदास के अलावा संदीप पासी उर्फ संदीप कुमार राजबंशी (बंधिया, सुरसा), सचिन कुमार (जमुनापुर, सुरसा), चंद्रसेन उर्फ शंभू रैदास (जमुनापुर, सुरसा), मोनू रैदास (जमुनापुर, सुरसा), सचिन वर्मा (बधिया, सुरसा), राजीव कुमार उर्फ शर्मा (जमुनापुर, सुरसा) और रवि सिंह (शाहबदा, माधोगंज) शामिल हैं।

सरैयां रेलवे क्रॉसिंग पर गर्डर रखने का काम शुरू

उन्नाव में कई दिनों तक रहेगा रूट डायवर्जन, यातायात प्रभावित

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव के सरैयां रेलवे क्रॉसिंग पर रेलवे ओवरब्रिज के निर्माण के तहत गर्डर स्थापित करने का कार्य बुधवार को शुरू हो गया। यह कार्य मंगलवार से प्रारंभ होना था, लेकिन तैयारियों में कमी के कारण इसे एक दिन के लिए टाल दिया गया। कार्य शुरू होने के साथ ही आसपास के क्षेत्रों में यातायात व्यवस्था प्रभावित हुई, जिससे वाहन चालकों को असुविधा का सामना करना पड़ा। लखनऊ से आए रेलवे के एक्सईएन अनिल तिवारी ने पहले मंगलवार को ही गर्डर रखने का काम शुरू करने का दावा किया था। इसके लिए सरैयां मार्ग को बंद कर रूट डायवर्जन लागू करने के निर्देश भी दिए गए थे। हालांकि, मौके पर आवश्यक संसाधनों और व्यवस्थाओं की कमी के कारण देर रात योजना में बदलाव करना पड़ा और कार्य को बुधवार तक के लिए स्थगित कर दिया गया। बुधवार सुबह रेलवे प्रशासन से आवश्यक ब्लॉक मिलने के बाद भारी मशीनरी की सहायता से गर्डर स्थापित करने का काम शुरू किया गया। इस कार्य के लिए तीन विशाल क्रेनें तैनात की गई हैं, जिनमें एक 350 टन क्षमता की और दो 300 टन क्षमता की क्रेनें शामिल हैं। किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए एक अतिरिक्त क्रेन को रिजर्व में रखा गया है।

परियोजना : उन्नाव में प्रशासन की मौजूदगी में हटाए गए अवरोध

रिंग रोड निर्माण के लिए मकानों पर चला बुलडोजर

तमसा संकेत, एजेंसी

"अधिकारियों ने बताया कि प्रभावित लोगों को पहले ही नोटिस जारी कर दिए गए थे और उन्हें अपने निर्माण हटाने अथवा सामान सुरक्षित स्थान पर ले जाने के लिए पर्याप्त समय दिया गया था। इसके बावजूद जहां आवश्यक हुआ, वहां प्रशासन को बुलडोजर कार्रवाई करनी पड़ी।

उन्नाव। जनपद की महत्वाकांक्षी रिंग रोड परियोजना को आगे बढ़ाने के लिए बुधवार को प्रशासन ने कड़ेड पतारी गांव में बड़ी कार्रवाई करते हुए परियोजना के मार्ग में बाधा बन रहे मकानों और अन्य निर्माणों को बुलडोजर की मदद से हटाया। प्रशासनिक अधिकारियों की निगरानी में हुई इस कार्रवाई के दौरान राजस्व विभाग और पुलिस की टीमें पूरे समय मौके पर तैनात रहीं। सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर क्षेत्र में भारी पुलिस बल भी लगाया गया था। सुबह से शुरू हुई इस कार्रवाई के दौरान बुलडोजर द्वारा उन सभी ढांचों को हटाया गया जो प्रस्तावित रिंग रोड के निर्माण कार्य में अवरोध उत्पन्न कर रहे थे। प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में पूरी प्रक्रिया को नियमानुसार संपन्न कराया गया।

प्रशासनिक अधिकारियों की निगरानी में चला अभियान

रिंग रोड परियोजना से जुड़े अवरोधों को हटाने के लिए राजस्व विभाग की टीम सदर नायब तहसीलदार के नेतृत्व में मौके पर मौजूद रही। टीम में कानूनगो अरविंद श्रीवास्तव, लेखपाल सत्यम शुक्ला, कार्रवाई के दौरान किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस विभाग ने भी व्यापक इंतजाम किए थे।

विकास की दिशा में अहम कदम

स्थानीय लोगों और प्रशासनिक अधिकारियों का मानना है कि रिंग रोड परियोजना उन्नाव के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। परियोजना के पूरा होने के बाद शहर में यातायात व्यवस्था अधिक सुचारु होगी और लोगों को आवागमन में सुविधा मिलेगी। फिलहाल प्रशासन परियोजना के शेष हिस्सों में भी भूमि अधिग्रहण और अवरोध हटाने की प्रक्रिया को तेजी से आगे बढ़ाने में जुटा हुआ है।

सुरक्षा मानकों का रखा गया ध्यान

प्रशासनिक अधिकारियों ने दावा किया कि पूरी कार्रवाई के दौरान सुरक्षा मानकों का विशेष ध्यान रखा गया। किसी भी प्रकार की दुर्घटना या अव्यवस्था से बचने के लिए आवश्यक एहतियाती कदम उठाए गए थे। अधिकारियों का कहना है कि परियोजना से संबंधित सभी कार्य निर्धारित नियमों और कानूनी प्रक्रियाओं के अनुरूप किए जा रहे हैं।

प्रशासन ने यह भी स्पष्ट किया कि परियोजना के निर्माण को लेकर सभी आवश्यक औपचारिकताएं पूरी की जा रही हैं और भविष्य में भी विकास कार्यों को इसी प्रकार नियमानुसार आगे बढ़ाया जाएगा।

सीतापुर पूर्व सांसद राजेश वर्मा की हत्या की साजिश नाकाम

कस्टडी से भागा आरोपी मुठभेड़ में गिरफ्तार, सीओ बोले- सांसद की हत्या करने पहुंचा था

तमसा संकेत, एजेंसी

सीतापुर। सीतापुर में पूर्व भाजपा सांसद और वर्तमान में पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष राजेश वर्मा की हत्या की कथित साजिश को पुलिस ने नाकाम कर दिया। पुलिस ने एक ऐसे आरोपी को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया है, जो पुरानी जमीनी रंजिश में हथियार लेकर पूर्व सांसद के आवास के बाहर पहुंचा था। गिरफ्तारी के दौरान आरोपी के पैर में गोली लगी है। सीओ लहरपुर अभिषेक कुमार ने बताया– आरोपी शादाब को 2 जून की शाम पूर्व सांसद राजेश वर्मा के घर के बाहर लोडेड तमंचा के साथ गिरफ्तार किया गया था। पर वह पुलिस को चकमा देकर कस्टडी से फरार हो गया था। मंगलवार देर रात पुलिस ने उसे मुठभेड़ में उसे दबोच लिया। सीओ लहरपुर अभिषेक कुमार ने बताया– शेखन टोला निवासी शादाब पुत्र जाफर 2 जून की शाम करीब पांच बजे पूर्व सांसद राजेश वर्मा के आवास के बाहर लोडेड तमंचा, कारतूस और चाकू लेकर घूम रहा था। पूछताछ और शुरुआती जांच में सामने आया कि वह पुरानी जमीनी रंजिश के चलते हत्या की नीयत से वहां पहुंचा था। पुलिस ने आरोपी को मौके पर हिरासत में ले लिया था, लेकिन थाने ले जाते समय वह पुलिस को चकमा देकर फरार हो गया। इसके बाद पूरे इलाके में उसकी तलाश शुरू कर दी गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों ने भी निगरानी शुरू कर दी। पुलिस अधीक्षक अंकुर अग्रवाल के निर्देश पर चलाए गए अभियान के दौरान देर रात सूचना मिली कि आरोपी ज्ञानेंद्र भट्ठे के पास स्थित आम के बाग में छिपा है। पुलिस टीम ने घेराबंदी की तो आरोपी ने खुद को घिरता देख पुलिस पार्टी पर जान से मारने की नीयत से दो फायर कर दिए। पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की। इस दौरान चली एक गोली आरोपी के पैर में लग गई, जिससे वह घायल हो गया। इसके बाद पुलिस ने उसे मौके पर ही गिरफ्तार कर सीएचसी तम्बौर में भर्ती कराया।

सम्पादकीय

शहरों की बिगड़ती सूरत

देश की राजधानी में एक पांच मंजिला भवन गिरने से छह लोगों की मौत और कई के घायल होने के बाद भवन स्वामी की गिरफ्तारी करने के साथ ही नगर निगम के दो इंजीनियरों को निलंबित कर दिया गया। इसके अतिरिक्त मजिस्ट्रेट जांच के आदेश भी दे दे गिए। इस घटना के बाद नगर निगम यह जानने की कोशिश कर रहा है कि आखिर शिकायतों के बाद भी उक्त इमारत में अतिरिक्त मंजिल का अवैध निर्माण कैसे हो रहा था? वह अन्य ऐसी ही इमारतों की छानबीन में भी जुट गया है, लेकिन इसके आसार कम ही हैं कि आगे ऐसी घटनाएं नहीं होंगी और अवैध निर्माण का सिलसिला बंद होगा, क्योंकि यदि ऐसा होना होता तो बहुत पहले हो गया होता। आखिर दिल्ली में ऐसी कोई इमारत पहली बार नहीं गिरी, जो अवैध रूप से बनी थी या निर्मित की जा रही थी। ऐसी न जाने कितनी घटनाएं हो चुकी हैं और फिर भी नतीजा ढाक के तीन पात वाला है। ऐसा इसीलिए है, क्योंकि नगर निकाय के अधिकारी-कर्मचारी कुछ ले-देकर अवैध निर्माण होने देते हैं। वे पैसों के लालच में भवन निर्माण संबंधी नियम-कानूनों की अनदेखी करते हैं। इस मामले में जो स्थिति दिल्ली की है, वही शेष देश की भी है। हमारे हर छोटे-बड़े शहर में अवैध एवं बेतरतीब निर्माण हो रहा है। यह स्थानीय निकायों के संरक्षण और उनकी जानकारी में होता है। इसी कारण शहरों में अवैध तरीके से रिहायशी और व्यावसायिक इमारतों का निर्माण होता रहता है। स्थिति यह है कि जो पुराने भवन दो-तीन मंजिल के होते हैं, वे जर्जर होने के बाद भी अवैध निर्माण के सहारे चार-पांच मंजिलों में तब्दील कर लिए जाते हैं। इससे क्षेत्र विशेष में आबादी का दबाव बढ़ने के साथ नागरिक सुविधाओं का अभाव भी बढ़ता है। अपने देश में ऐसा कोई नियम ही नहीं कि किसी इलाके में कितनी आबादी रहनी चाहिए। इससे भी बड़ी त्रासदी यह है कि हर कहीं रिहायशी इलाके व्यावसायिक इलाकों में तब्दील हो रहे हैं। देश भर में घरों में दुकानें बनाने की होड़ सी कायम है। ऐसा पुराने मोहल्लों के साथ नए मोहल्लों में भी हो रहा है। इसी कारण हमारे शहर बेतरतीब विकास का पर्याय बन गए हैं और वे नागरिक सुविधाओं के अभाव के साथ प्रदूषण एवं गंदगी से घिरते जा रहे हैं। अनियोजित शहर नगरीय जीवन को केवल कष्टकारी ही नहीं बनाते, बल्कि वे विकास में बाधक भी बनते हैं। आज के युग में शहर आर्थिक विकास के इंजन हैं, लेकिन तभी, जब उनका नियोजित ढंग से विकास हो। विडंबना यह है कि जिन नगर निकायों की पहली जिम्मेदारी शहरों के नियोजित विकास को सुनिश्चित करना है, वे उसका ही निर्वाह करने में बुरी तरह नाकाम हैं। यदि शहरों की सूरत संवारनी है और उन्हें विकास का वाहक बनाना है तो स्थानीय निकायों के कामकाज के तौर-तरीकों को पूरी तरह बदलना होगा।

जीवन में उतार चढ़ाव आते हैं

जीवन में उतार- चढ़ाव आते हैं । उतार-चढ़ाव तो जिन्दगी का स्वभाव है। जीवन तो उतार-चढ़ाव का बहाव है । वह कभी आनंद में बीतता है तो कभी दुःखों का पहाड़ टूट पड़ता है ।ऐसे में आदमी बहुत बार मायूस हो कर मन से हार मानने लगता है । वह रेल की पटरी की तरह जीवन की रेल कभी भी सीधी सपाट नहीं चलती हैं । इसीलिए जिन्दगी की तुलना सागर की लहरों से की जाती है । लहरें कभी भी बिना उतार-चढ़ाव के नहीं चलती हैं । वे सर्वदा लगातार उतार-चढ़ाव की चाल से चलती हैं। वह हार कर कभी ठहर नहीं जाती हैं । वह कितनी ही बार हो चाहे उतार फिर उठ जाती हैं और चलती ही जाती हैं । प्रवेश और प्रस्थान ज़िन्दगी में होता ही रहता हैं । हम ज़िन्दगी में आने वाले उतार- चढ़ाव में संतुलन रखें । हम परिस्थितियों से कभी घबराएं नहीं । वह आत्मविश्वास को जीवित रखने वाला आगे बढ़ सकता हैं । जीवन में उतार-चढ़ाव आते रहते हैं । एक ही धार में किसी का भी जीवन चले कुदरत का स्वभाव ऐसा नहीं होता । पर हम बुद्धिजीवियों को इन उतार-चढ़ाव के बहाव का हमारे जीवन पर विपरीत प्रभाव नहीं पड़ने देना चाहिए । बुद्धिमानों की शालीनता इसी में है कि हम कठिन समय में घबराएं नहीं, अपना सर विवेकपूर्वक ऊंचा रखें जबकि सफलता की खुशी के समय में अतिशय उछल-कूद न कर अपना सिर शालीनता व विनम्रता से नीचा रखें। शालीन पुरुषों की शालीन विधा यही होनी चाहिए। हमारे जीवन का हर पल सही शक्ति से आगे बढ़ धर्म के प्रति समर्पित रहें । विनय- वात्सल्य की परम्परा हमारे घर - परिवारों में प्रवेश हो यह आवश्यक हैं । सौहार्द-प्रेम से वातावरण आनन्दमय बन जाता हैं । वह हर व्यक्ति आनन्दों वर्षंति वर्षंति की भावना करें और अनुप्रेक्षा करें । वह हमारे चित्त चैतन्य में आनन्द की वर्षा होती रहें । वह चित्त की निर्मलता में वृद्धि हों । रेल की पटरी शुरू से अंत तक एकसी समानांतर चलती है। पर जीवन की पटरी में अकस्मात न जाने कितने बदलाव आ जाते हैं। ऐसी जिन्दगी किसी की भी नहीं होती जो शुरू से अंत तक हमेशा एक ही जैसी रहती हैं । हमको कभी-कभी कुछ ऐसे धक्के भी लगते हैं जो चलती जिन्दगी को पूरी तरह हिला कर रख देते हैं।

› प्रदीप छाजेड़

66

नशे के विस्तार के पीछे केवल तस्करी जिम्मेदार नहीं है। इसके सामाजिक, आर्थिक और मनोवैज्ञानिक कारण भी कम महत्वपूर्ण नहीं हैं। बेरोजगारी, भविष्य की अनिश्चितता, बढ़ती प्रतिस्पर्धा, पारिवारिक तनाव, सामाजिक विघटन, अकेलापन, मानसिक अवसाद और गलत संगति युवाओं को नशे की ओर धकेलती है।

नशा : राष्ट्र की जड़ों को खोखला करने वाली चुनौती

भारत आज विश्व की सबसे युवा आबादी वाले देशों में अग्रणी है। देश की लगभग 65 प्रतिशत जनसंख्या 35 वर्ष से कम आयु की है। यह युवा शक्ति भारत की सबसे बड़ी सामर्थ्य, सबसे बड़ी पूंजी और उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला है। विज्ञान, तकनीक, उद्योग, शिक्षा, खेल और नवाचार के क्षेत्र में भारत की उपलब्धियों के पीछे इसी युवा शक्ति का योगदान है। किंतु विडंबना यह है कि आज यही युवा वर्ग नशे के बढ़ते जाल में फंसता जा रहा है। नशा अब केवल व्यक्तिगत कमजोरी या स्वास्थ्य संबंधी समस्या नहीं रह गया है, बल्कि यह राष्ट्रीय सुरक्षा, सामाजिक स्थिरता, आर्थिक विकास और सांस्कृतिक मूल्यों के लिए गंभीर चुनौती बन चुका है। देश के विभिन्न भागों में समय-समय पर करोड़ों और अरबों रुपये मूल्य के मादक पदार्थों की बरामदगी यह प्रमाणित करती है कि नशे का कारोबार संगठित अपराध का एक विशाल अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क बन चुका है। विशेष रूप से पंजाब, जम्मू-कश्मीर, राजस्थान, गुजरात तथा पूर्वोत्तर राज्यों में सीमापार से होने वाली तस्करी ने स्थिति को और अधिक गंभीर बना दिया है। सुरक्षा एजेंसियों द्वारा लगातार हेरोइन, अफीम, चरस, कोकीन तथा सिंथेटिक ड्रग्स की बड़ी खेपों को पकड़ा जाना इस बात का संकेत है कि भारत को नशे के बड़े बाजार के रूप में देखा जा रहा है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो तथा विभिन्न सरकारी रिपोर्टों के अनुसार देश में लाखों युवा किसी न किसी प्रकार के मादक पदार्थों के सेवन के आदी हैं। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा कराए गए एक व्यापक अध्ययन में यह तथ्य सामने आया था कि करोड़ों भारतीय तंबाकू, शराब और अन्य नशीले पदार्थों का सेवन करते हैं तथा उनमें बड़ी संख्या युवाओं की है। चिंता की बात यह है कि स्कूल और कॉलेज स्तर तक नशे की पहुंच बढ़ रही है। अनेक राज्यों में ऐसे मामले सामने आए हैं, जहां किशोरों को ड्रग्स के वितरण और तस्करी में इस्तेमाल किया गया। नशे के बढ़ते संकट का एक राष्ट्रीय सुरक्षा पक्ष भी है। अनेक सुरक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि पाकिस्तान प्रत्यक्ष युद्ध में लगातार असफल होने के बाद भारत को अस्थिर करने के लिए आतंकवाद, नकली मुद्रा और नशे की तस्करी जैसे छद्म युद्ध के हथियारों का उपयोग करता रहा है। पंजाब में लंबे समय से सीमा पार से ड्रोन और अन्य माध्यमों द्वारा मादक पदार्थों की तस्करी के मामले सामने आते रहे हैं। अब जम्मू-कश्मीर में भी नशे के बढ़ते प्रभाव को इसी व्यापक परिप्रेक्ष्य में देखा जा रहा है। आतंकवाद की कम होती गतिविधियों के बीच नशे का फैलाव एक नए खतरे के रूप में उभर रहा है, जिसका उद्देश्य युवा पीढ़ी को कमजोर करना और समाज की ऊर्जा को नष्ट करना है। इसी संदर्भ में जम्मू-कश्मीर में प्रारंभ किया गया 'नशामुक्त जम्मू-कश्मीर' अभियान महत्वपूर्ण माना जा रहा है। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के नेतृत्व में चल रहा यह अभियान प्रशासनिक कार्रवाई के साथ-साथ सामाजिक सहभागिता पर भी बल देता है। इसकी सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें शैक्षणिक संस्थानों, सामाजिक संगठनों, धार्मिक समूहों तथा आम नागरिकों को जोड़ने का प्रयास किया गया है। कुलगाम सहित कई क्षेत्रों में विभिन्न समुदायों द्वारा इस अभियान को समर्थन दिया जाना इस बात का संकेत है कि नशे जैसी समस्या का समाधान सामूहिक प्रयासों से ही संभव है। वास्तव में नशे का सबसे दुखद और भयावह प्रभाव युवा पीढ़ी पर पड़ता है। युवा जीवन ऊर्जा, सृजन और सपनों का प्रतीक होता है, किंतु नशा इन सभी संभावनाओं को नष्ट कर देता है। एक बार नशे की गिरफ्त में आने के बाद व्यक्ति धीरे-धीरे अपनी शारीरिक क्षमता, मानसिक संतुलन, आर्थिक स्थिति और सामाजिक प्रतिष्ठा खोने लगता है। उसका आत्मविश्वास कमजोर पड़ जाता है और वह अवसाद, तनाव तथा अपराध की दुनिया की ओर बढ़ सकता है। यही कारण है कि नशा केवल व्यक्ति को नहीं, पूरे परिवार को प्रभावित करता है। परिवार की आर्थिक स्थिति बिगड़ती है, पारिवारिक संबंध टूटते हैं और सामाजिक जीवन में अस्थिरता बढ़ती है।

आधुनिक उपभोक्तावादी संस्कृति ने भी कृत्रिम सुख और त्वरित आनंद की मानसिकता को बढ़ावा दिया है। जब जीवन में लक्ष्य, दिशा और सकारात्मक प्रेरणा का अभाव होता है, तब व्यक्ति नशे जैसे विनाशकारी विकल्पों की ओर आकर्षित हो सकता है। नशे और अपराध का संबंध भी अत्यंत गहरा है। अनेक अध्ययनों से यह स्पष्ट हुआ है कि चोरी, लूट, हिंसा, सड़क दुर्घटनाओं और अन्य अपराधों के पीछे नशे की भूमिका बढ़ती जा रही है। नशे की डोज प्राप्त करने के लिए युवा अपराध की राह पर उतर जाते हैं। इससे कानून-व्यवस्था प्रभावित होती है और समाज में असुरक्षा का वातावरण बनता है। सरकारें इस चुनौती से निपटने के लिए अनेक स्तरों पर प्रयास कर रही हैं। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो, राष्ट्रीय जांच एजेंसी, सीमा सुरक्षा बल तथा राज्य पुलिस की संयुक्त कार्रवाइयों से कई बड़े ड्रग नेटवर्क ध्वस्त किए गए हैं। पंजाब, राजस्थान, गुजरात और जम्मू-कश्मीर में विशेष अभियान चलाकर तस्करों पर शिकंजा कसा गया है।

इस संदर्भ में सामाजिक और आध्यात्मिक आंदोलनों की भूमिका विशेष रूप से महत्वपूर्ण हो जाती है। कानून भय पैदा कर सकता है, लेकिन जीवन में सकारात्मक परिवर्तन केवल जागरूकता और आत्मानुशासन से ही आता है। आचार्य तुलसी ने अणुव्रत आंदोलन के माध्यम से नशामुक्ति को एक व्यापक सामाजिक अभियान का स्वरूप दिया था। उन्होंने संयम, सदाचार और आत्मनियंत्रण के आधार पर लाखों लोगों को व्यसनमुक्त जीवन की प्रेरणा दी। अनेक क्षेत्रों में उनके अभियान ने उल्लेखनीय परिणाम दिए। आचार्य महाश्रमण ने भी अपनी ऐतिहासिक अहिंसा यात्रा के दौरान भारत और पड़ोसी देशों में लाखों लोगों को नशा त्यागने की प्रेरणा दी। उनकी पदयात्राओं का एक महत्वपूर्ण उद्देश्य समाज में नैतिक चेतना जगाना और युवाओं को व्यसनमुक्त जीवन की ओर प्रेरित करना रहा। हजारों किलोमीटर की यात्राओं में उन्होंने गांव-गांव और शहर-शहर जाकर लोगों को यह संदेश दिया कि नशामुक्ति केवल स्वास्थ्य की सुरक्षा नहीं, बल्कि आत्मविकास, पारिवारिक सुख और राष्ट्र निर्माण का आधार है। आज आवश्यकता इस बात की है कि नशे के विरुद्ध बहुआयामी रणनीति अपनाई जाए। सीमाओं पर निगरानी और तकनीकी सुरक्षा को और मजबूत किया जाए। ड्रोन के माध्यम से होने वाली तस्करी को रोकने के लिए आधुनिक उपकरणों का उपयोग बढ़ाया जाए। नशा तस्करों के विरुद्ध त्वरित न्यायिक प्रक्रिया सुनिश्चित की जाए ताकि अपराधियों में कानून का भय पैदा हो। स्कूलों और कॉलेजों में नशा विरोधी शिक्षा को नियमित पाठ्यक्रम और गतिविधियों का हिस्सा बनाया जाए। युवाओं के लिए रोजगार, खेल, कौशल विकास और सांस्कृतिक गतिविधियों के अवसर बढ़ाए जाएं ताकि उनकी ऊर्जा सकारात्मक दिशा में प्रवाहित हो सके।

– ललित गर्ग

इस प्रकार पर्यावरण...

बाबूलाल नागा

धान का मूल्य, जीवन का आधार

हर वर्ष 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जाता है। यह केवल एक औपचारिक दिवस नहीं, बल्कि मानव समाज को प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का स्मरण कराने का अवसर है। जल, जंगल, जमीन, स्वच्छ वायु और जैव विविधता केवल प्राकृतिक संसाधन नहीं हैं, बल्कि जीवन के मूल आधार हैं। यदि प्रकृति संतुलित रहेगी तो मानव जीवन सुरक्षित रहेगा, और यदि पर्यावरण संकट में होगा तो विकास, स्वास्थ्य और सामाजिक स्थिरता भी प्रभावित होगी। यही कारण है कि पर्यावरण संरक्षण आज केवल एक सामाजिक या वैज्ञानिक विषय नहीं, बल्कि संवैधानिक मूल्यों और नागरिक दायित्वों से जुड़ा महत्वपूर्ण प्रश्न बन चुका है।

भारतीय संविधान का उद्देश्य केवल शासन व्यवस्था संचालित करना नहीं, बल्कि ऐसा समाज बनाना है जिसमें प्रत्येक नागरिक सम्मानजनक, सुरक्षित और स्वस्थ जीवन जी सके। स्वच्छ हवा, शुद्ध पानी और प्रदूषणमुक्त वातावरण के बिना जीवन के अधिकार की कल्पना अधूरी है। संविधान की इसी भावना को ध्यान में रखते हुए वर्ष 1976 में 42वें संविधान संशोधन के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण को विशेष महत्व दिया गया। संविधान के अनुच्छेद 48(क) में राज्य को पर्यावरण की रक्षा और सुधार करने तथा वन एवं वन्यजीवों के संरक्षण का दायित्व सौंपा गया है। वहीं अनुच्छेद 51(क)(ग) प्रत्येक नागरिक का मूल कर्तव्य निर्धारित करता है कि वह प्राकृतिक पर्यावरण की रक्षा और संवर्धन करे तथा जीव-जंतुओं के प्रति करुणा का भाव रखे।

इस प्रकार पर्यावरण संरक्षण केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का संवैधानिक दायित्व भी है। संविधान स्पष्ट संदेश देता है कि प्रकृति और मानव जीवन एक-दूसरे से अलग नहीं हैं। पर्यावरण की सुरक्षा करना दरअसल जीवन, स्वास्थ्य और भविष्य की सुरक्षा करना है।

भारतीय न्यायपालिका ने भी पर्यावरण को जीवन के अधिकार से जोड़ते हुए महत्वपूर्ण निर्णय दिए हैं। सर्वोच्च न्यायालय ने अनेक मामलों में कहा है कि संविधान के अनुच्छेद 21 के अंतर्गत प्रदत्त जीवन के अधिकार में स्वच्छ और स्वस्थ पर्यावरण में जीने का अधिकार भी शामिल है। यदि किसी व्यक्ति को स्वच्छ पानी, स्वच्छ हवा और प्रदूषणमुक्त वातावरण उपलब्ध नहीं है, तो उसके मौलिक अधिकार प्रभावित होते हैं। इस दृष्टि से पर्यावरण संरक्षण केवल नैतिक दायित्व नहीं, बल्कि मानव अधिकारों का भी विषय है। वर्तमान समय में पर्यावरणीय संकट लगातार गंभीर होता जा रहा है। जलवायु परिवर्तन, बढ़ता तापमान, जल स्रोतों का प्रदूषण, भूजल स्तर में गिरावट, वनों की कटाई और जैव विविधता का क्षरण पूरी दुनिया के सामने बड़ी चुनौती बनकर उभरे हैं। भारत भी इससे अछूता नहीं है। कई क्षेत्रों में जल संकट गहरा रहा है, गर्मी के नए रिकॉर्ड बन रहे हैं और अनियमित वर्षा के कारण कृषि तथा जनजीवन प्रभावित हो रहा है। प्राकृतिक संसाधनों का अंधाधुंध दोहन आने वाली पीढ़ियों के लिए गंभीर खतरा पैदा कर रहा है। आधुनिक विकास आवश्यक है, लेकिन ऐसा विकास जो पर्यावरण को नष्ट कर दे, अंततः मानव समाज के लिए ही संकट पैदा करता है। बड़े उद्योग, खनन परियोजनाएं, शहरी विस्तार और उपभोग की बढ़ती प्रवृत्ति प्राकृतिक संसाधनों पर अत्यधिक दबाव डाल रही है। इसलिए आज आवश्यकता ऐसे विकास मॉडल की है जो आर्थिक प्रगति और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन स्थापित करे। सतत विकास की अवधारणा इसी दिशा में महत्वपूर्ण मार्गदर्शन प्रदान करती है। विकास की प्रत्येक योजना में पर्यावरणीय प्रभावों का गंभीर मूल्यांकन होना चाहिए और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

विश्व पर्यावरण दिवस का महत्व इसी संदर्भ में और अधिक बढ़ जाता है। यह दिवस हमें याद दिलाता है कि पृथ्वी केवल वर्तमान पीढ़ी की संपत्ति नहीं है। हम इसे अपने पूर्वजों से विरासत में नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों से उधार लेकर उपयोग कर रहे हैं। इसलिए पर्यावरण संरक्षण का प्रश्न केवल आज का नहीं, बल्कि भविष्य का भी है। यदि हम अभी से प्रकृति के प्रति जिम्मेदार नहीं बनेंगे तो आने वाली पीढ़ियों को जल, वायु और खाद्य सुरक्षा जैसी गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ेगा।

पर्यावरण संरक्षण के लिए केवल सरकारी नीतियां पर्याप्त नहीं हैं। जनभागीदारी और सामाजिक जागरूकता भी उतनी ही आवश्यक है। जल संरक्षण, वृक्षारोपण, प्लास्टिक का कम उपयोग, ऊर्जा की बचत, जैव विविधता की रक्षा और स्वच्छता जैसे छोटे-छोटे कदम भी बड़े बदलाव का आधार बन सकते हैं।

भारत में यह ...

डॉ. शैलेश शुक्ला

आखिर क्यों राजनीतिक विकल्प की निरंतर तलाश में हैं भारतीय नागरिक

भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। यहाँ चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन की प्रक्रिया नहीं होते, बल्कि वे जनता की मनःस्थिति, अपेक्षाओं, निराशाओं और आकांक्षाओं का सामूहिक प्रतिबिंब भी होते हैं। पिछले कुछ वर्षों में भारतीय राजनीति में एक अत्यंत महत्वपूर्ण प्रवृत्ति लगातार दिखाई दे रही है — जनता पारंपरिक राजनीतिक दलों से परे नए विकल्पों की तलाश कर रही है। कभी भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन के बीच "आम आदमी पार्टी" तेजी से उभरती है, कभी दक्षिण भारत में अभिनेता विजय की "टीवीके" नई पीढ़ी की उम्मीद बनती दिखाई देती है, और कभी सोशल मीडिया पर "कॉकरोच जनता पार्टी" जैसे व्यंग्यात्मक अभियान लाखों लोगों का ध्यान आकर्षित करने लगते हैं। यह केवल राजनीतिक प्रयोगों की कहानी नहीं है, बल्कि उस गहरे सामाजिक और मनोवैज्ञानिक असंतोष का संकेत है जो भारतीय समाज के भीतर धीरे-धीरे बढ़ता जा रहा है। लोकतंत्र में जनता हमेशा परिवर्तन चाहती है, लेकिन जब यह परिवर्तन की इच्छा लगातार बेचैनी और असंतोष में बदलने लगे, तब यह केवल राजनीतिक घटना नहीं रहती, बल्कि सामाजिक चेतावनी बन जाती है। भारत का मतदाता आज पहले की तुलना में अधिक जागरूक, अधिक सूचनासंपन्न और अधिक अधीर हो चुका है। वह केवल भाषणों और नारों से संतुष्ट नहीं होता। वह अपने जीवन में वास्तविक बदलाव देखना चाहता है। यदि उसे लगता है कि उसकी समस्याएँ लगातार बनी हुई हैं, तो वह नए विकल्पों की ओर देखने लगता है। यही कारण है कि भारतीय राजनीति में स्थायी राजनीतिक निष्ठा धीरे-धीरे कमजोर हो रही है और मतदाता समय-समय पर नए चेहरों, नए आंदोलनों और नए प्रतीकों की ओर आकर्षित होता दिखाई देता है।

भारत में यह स्थिति अचानक उत्पन्न नहीं हुई। इसके पीछे लंबे समय से जमा होती सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक निराशाएँ हैं। बेरोजगारी आज देश के सबसे बड़े संकटों में से एक बन चुकी है। लाखों शिक्षित युवा वर्षों तक प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करते हैं, लेकिन सीमित अवसरों और अनिश्चित व्यवस्थाओं के कारण निराशा का सामना करते हैं। अनेक युवाओं को यह महसूस होता है कि शिक्षा प्रणाली उन्हें रोजगार योग्य नहीं बना पा रही। दूसरी ओर महँगाई, अस्थिर रोजगार, छोटे व्यापारों की चुनौतियाँ और बढ़ती आर्थिक असमानता मध्यम वर्ग और निम्न आय वर्ग के भीतर गहरी बेचैनी पैदा कर रही हैं। जनता यह देखती है कि राजनीतिक दल चुनावों में बड़े-बड़े वादे करते हैं, लेकिन आम नागरिक के जीवन में अपेक्षित सुधार नहीं हो पाता। यही निराशा धीरे-धीरे वैकल्पिक राजनीति की तलाश में बदल जाती है। "आम आदमी पार्टी" का उदय इसी जनभावना का परिणाम था। 2011 के भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन के दौरान देशभर में व्यवस्था के प्रति असंतोष खुलकर सामने आया। जनता को लगा कि पारंपरिक राजनीतिक दल भ्रष्टाचार के प्रश्न पर गंभीर नहीं हैं। इसी वातावरण में "आम आदमी पार्टी" ने स्वयं को व्यवस्था परिवर्तन के विकल्प के रूप में प्रस्तुत किया। दिल्ली की राजनीति में उसकी तेज सफलता ने यह साबित किया कि यदि जनता को नया विकल्प विश्वसनीय लगता है, तो वह पारंपरिक राजनीतिक समीकरणों को भी बदल सकती है।

जरा हटके

भारत और नेपाल...

राजेश जैन

दोस्ती, दूरी और ड्रैगन: बदलते भारत-नेपाल संबंधों की कहानी

दक्षिण एशिया की राजनीति में भारत और नेपाल का रिश्ता सबसे अनोखा, जटिल और सबसे भावनात्मक रिश्तों में से एक माना जाता है। दुनिया में बहुत कम ऐसे पड़ोसी देश हैं जिनके बीच सीमाएं भी खुली हों और समाज भी इतने गहरे स्तर पर जुड़े हों। भारत और नेपाल का संबंध केवल दो सरकारों का संबंध नहीं है; यह सदियों से साझा संस्कृति, धर्म, भाषा, व्यापार, परंपराओं और मानवीय रिश्तों का जीवंत उदाहरण रहा है लेकिन यही रिश्ता समय-समय पर अविश्वास, राष्ट्रवाद, सीमा विवाद और भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा की वजह से तनावपूर्ण भी हो जाता है।

हाल के दिनों में नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह के एक बयान ने फिर यही सवाल खड़ा कर दिया है कि आखिर भारत-नेपाल संबंध बार-बार सीमा विवाद और राजनीतिक असहजता के मोड़ पर क्यों पहुंच जाते हैं। बालेन शाह ने नेपाली संसद में कहा कि सिर्फ भारत ने ही नेपाली भूमि पर अतिक्रमण नहीं किया बल्कि नेपाल ने भी कुछ भारतीय इलाकों पर कब्जा कर रखा है। बयान के बाद नेपाल की संसद में हंगामा मच गया। विपक्ष ने उनसे सबूत मांगे, विदेश मंत्रालय को सफाई जारी करनी पड़ी और सोशल मीडिया पर तीखी बहस शुरू हो गई। पहली नजर में यह एक सामान्य राजनीतिक बयान लग सकता है, लेकिन वास्तव में यह उस गहरे बदलाव का संकेत है जो पिछले कुछ वर्षों में भारत-नेपाल संबंधों में दिखाई दे रहा है। यह केवल सीमा विवाद का मामला नहीं है। इसके पीछे राष्ट्रवाद, भू-राजनीति, चीन की बढ़ती भूमिका, नेपाल की नई राजनीतिक सोच और भारत की पारंपरिक पड़ोसी नीति से जुड़ी कई परतें मौजूद हैं।

भारत और नेपाल का रिश्ता आधुनिक सीमाओं से कहीं पुराना है। हिमालय से गंगा के मैदान तक फैली सांस्कृतिक धारा ने दोनों देशों को हजारों वर्षों से जोड़े रखा है। नेपाल के पशुपतिनाथ मंदिर और भारत की काशी के बीच धार्मिक संबंध हों या जनकपुर और अयोध्या का सांस्कृतिक जुड़ाव-दोनों देशों ने हमेशा एक-दूसरे को प्रभावित किया है। नेपाल के लाखों नागरिक भारत में शिक्षा प्राप्त करते हैं, रोजगार करते हैं और व्यापार से जुड़े हैं। भारतीय शहरों में नेपाली समुदाय सहज रूप से घुला-मिला दिखाई देता है। भारत की सेना में गोरखा रेजिमेंट का गौरवपूर्ण इतिहास दोनों देशों के भरोसे और साझेदारी का प्रतीक रहा है। खुली सीमा ने इस रिश्ते को और विशेष बनाया है। दुनिया के अधिकांश देशों के विपरीत भारत और नेपाल के नागरिक बिना वीजा और पासपोर्ट के एक-दूसरे के यहां आ-जा सकते हैं। यही वजह है कि भारत-नेपाल संबंध केवल कूटनीतिक नहीं, बल्कि सामाजिक और भावनात्मक संबंध भी हैं। राजनीतिक तनाव पैदा हो सकते हैं लेकिन जनता के स्तर पर अपनापन अक्सर बना रहता है।

1950 की संधि

भारत-नेपाल संबंधों की आधुनिक संरचना काफी हद तक 1950 की भारत-नेपाल शांति और मैत्री संधि पर आधारित है। इस संधि का उद्देश्य दोनों देशों के बीच सुरक्षा सहयोग, व्यापार और नागरिक आवाजाही को आसान बनाना था। उस समय चीन में कम्युनिस्ट क्रांति और हिमालयी क्षेत्र की बदलती भू-राजनीति को देखते हुए भारत नेपाल को अपनी सुरक्षा नीति का महत्वपूर्ण हिस्सा मानता था। इस संधि ने नेपाल को भारत के साथ विशेष आर्थिक और सुरक्षा संबंध दिए। व्यापार, निवेश और रोजगार के अवसर बढ़े। लेकिन समय के साथ नेपाल में यह धारणा मजबूत होने लगी कि यह संधि बराबरी के आधार पर नहीं बनी थी। नेपाल के कई राजनीतिक दल और बुद्धिजीवी इसे "असमान संधि" बताते रहे हैं। भारत इस संधि को सुरक्षा और रणनीतिक सहयोग के लिए महत्वपूर्ण मानता है, जबकि नेपाल इसे अपनी संप्रभुता और स्वतंत्र विदेश नीति से जोड़कर देखता है। यही कारण है कि संधि की पुनर्समीक्षा की मांग समय-समय पर उठती रहती है।

भारत और नेपाल के बीच सबसे संवेदनशील मुद्दा सीमा विवाद का है। कालापानी, लिपुलेख, लिम्पियाधुरा और सुस्ता जैसे क्षेत्रों को लेकर दोनों देशों के दावे अलग-अलग हैं। नेपाल का कहना है कि 1816 की सुगौली संधि के अनुसार महाकाली नदी के उद्गम के आधार पर सीमा तय होनी चाहिए, जबकि भारत बाद के प्रशासनिक नियंत्रण और पुराने नक्शों का हवाला देता है।

यह विवाद 2020 में सबसे ज्यादा उभरा, जब भारत ने नया राजनीतिक नक्शा जारी किया। इसके जवाब में नेपाल ने संविधान संशोधन कर नया नक्शा पारित किया, जिसमें कालापानी, लिपुलेख और लिम्पियाधुरा को नेपाल का हिस्सा दिखाया गया। नेपाल में इसे राष्ट्रीय अस्मिता का मुद्दा बना दिया गया। सड़कों पर प्रदर्शन हुए और भारत विरोधी भावना तेज हो गई।

भारत इन क्षेत्रों को अपनी रणनीतिक सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण मानता है क्योंकि ये चीन सीमा के बेहद करीब स्थित हैं। मानसरोवर यात्रा और सीमा व्यापार के लिहाज से भी लिपुलेख का विशेष महत्व है। दूसरी ओर नेपाल इसे अपनी संप्रभुता का प्रश्न मानता है। बालेन शाह का हालिया बयान भी इसी राजनीतिक वातावरण की उपज माना जा रहा है। उन्होंने ब्रिटेन की संभावित भूमिका का जिक्र कर नया विवाद खड़ा कर दिया।

आधी रात 1000 जवान तैनात, 5 बुलडोजर चले, पूरा मलबा रातों-रात हटवाया

काशी में 200 साल पुरानी मस्जिद 22 मिनट में ढहाई

एक्शन

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी। वाराणसी में आधी रात प्रशासन ने 200 साल पुरानी अजगैब शहीद मस्जिद को ढहा दिया। महज 22 मिनट में 5 बुलडोजरों ने 42 फीट ऊंची मस्जिद को तोड़ दिया। पूरा मलबा भी रातों-रात ट्रकों में भरकर हटा दिया गया। मंगलवार रात 12 बजे प्रशासन 1000 से अधिक पुलिस जवानों के साथ मौके पर पहुंचा। डीसीपी काशी गौरव बंसवाल और एडीसीपी वैभव बांगर ने मस्जिद के चारों ओर बैरिकेडिंग करवाई। लोगों के आने-जाने पर रोक लगा दी गई। इसके बाद बुलडोजर एक्शन शुरू हुआ। प्रशासन का कहना है कि मस्जिद रेलवे की जमीन पर बनी थी। मामला कोर्ट गया था, वहां से फैसला रेलवे के पक्ष में आ चुका है। यहां काशी रेलवे स्टेशन को मॉडल बनाया जा रहा है। इसलिए उसका विस्तार किया जा रहा, इसी वजह से यह कार्रवाई की गई। भदऊ चुंगी स्थित किला कोहना इलाके में अजगैब शहीद की मस्जिद और कब्रिस्तान स्थित है। मुस्लिम पक्ष का दावा है कि मस्जिद 200 साल पुरानी थी। मस्जिद के मुतवल्ली शमीम उस्ताद थे, जिनका दो महीने पहले निधन हो चुका है। प्रशासन का कहना है कि यह रेलवे की पुरानी जमीन है, जिस पर कुछ लोगों ने अवैध कब्जा करके पहले मजार बनाई। बाद में मस्जिद और कब्रिस्तान का निर्माण किया गया। साल 2024 में काशी मॉडल रेलवे स्टेशन का प्रोजेक्ट आया।

- 22 मिनट में 5 बुलडोजरों ने 200 साल पुरानी मस्जिद को ढहा दिया।
- मस्जिद को ढहाने के बाद पूरा मलबा भी रातों रात ट्रकों में भरकर हटा दिया गया।
- 1000 से अधिक जवान मौके पर तैनात रहे। मस्जिद के चारों ओर बैरिकेडिंग कर दी गई थी।

इसके बाद जमीन की पैमाइश कराई गई, जिसमें अवैध कब्जे का पता चला। रेलवे ने मस्जिद के मुतवल्ली से जमीन खाली करने के लिए कहा। हालांकि, वह कोर्ट पहुंच गए। हाल ही में मुतवल्ली केस हार गए। इसके बाद रेलवे ने जमीन खाली करने के लिए 3 बार नोटिस जारी किया, लेकिन जमीन खाली नहीं की गई। इसके बाद कार्रवाई की गई। वकील मोहम्मद मोइद्दीन खान उर्फ रॉकी ने बताया- हाईकोर्ट में मुकदमा अभी विचाराधीन है। अजगैब शहीद की प्रॉपर्टी जो वक्फ बोर्ड में वक्फ नंबर 381 दर्ज है।

19 बिस्वा जमीन में है। मजार अजगैब शहीद में 7 मजार है। मजिस्द के अंदर अंडरग्राउंड हाता है। इसमें एक प्राचीन कुआं था। मस्जिद के अंदर एक गुलर का पेड़ है जो कि करीब 100 साल पुराना है।

नसीर अहमद अंसारी ने कहा- मैं तो बचपन से ही यहां नमाज पढ़ता था। ईद-बकरीद पर नमाज पढ़ें हैं। बचपन से ही मस्जिद देख रहे हैं। मस्जिद की तोड़ने से तकलीफ है। मस्जिद के अतिक्रमण के बारे में जानकारी नहीं है। राजकुमार ने बताया- मैं 60 साल से यहां दुकान लगा रहा है। मस्जिद तो मेरे सामने बनी है। हम लोग वहां जाते थे सब खाली था। वहां टीन डालकर एक बाबा रहते थे। एक अंदर में हनुमान जी का मंदिर भी था।

चारधाम यात्रा से लौट रही महिला को आया हार्ट अटैक

झांसी में ट्रेन से उतारकर हॉस्पिटल पहुंचाया, रास्ते में हो गई मौत

तमसा संकेत, एजेंसी

झांसी। झांसी में चारधाम यात्रा पूरी कर हैदराबाद लौट रही एक बुजुर्ग महिला की तेलंगाना एक्सप्रेस में तबीयत बिगड़ने के बाद झांसी रेलवे स्टेशन पर मौत हो गई। महिला को सफर के दौरान सांस लेने में दिक्कत हुई थी, जिसके बाद परिजनों ने रेलवे हेल्पलाइन से मदद मांगी। स्टेशन पर डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें अस्पताल रेफर किया, लेकिन इलाज शुरू होने से पहले ही उनकी मौत हो गई। हैदराबाद की आईसीएल कॉलोनी निवासी विद्यावती (65) पत्नी शांति कुमार 21 मई को अपने भतीजे मधु और कॉलोनी के अन्य परिवारों के साथ चारधाम यात्रा पर निकली थीं। भतीजे मधु के अनुसार, यात्रा सकुशल पूरी होने के बाद सभी लोग सोमवार को बद्रीनाथ से दिल्ली पहुंचे थे। यहां से उन्हें ट्रेन संख्या 12724 नई दिल्ली-हैदराबाद तेलंगाना एक्सप्रेस से हैदराबाद लौटना था। सभी यात्रियों का आरक्षण ट्रेन के स्लीपर कोच एस-2 में था। विद्यावती बर्थ संख्या 33 पर सफर कर रही थीं। ट्रेन जब झांसी पहुंचने वाली थी, तभी उन्हें अचानक सांस लेने में परेशानी होने लगी। इस पर मधु ने रेलवे हेल्पलाइन 139 पर कॉल कर मेडिकल सहायता मांगी। ट्रेन अपने निर्धारित समय रात 9:45 बजे के बजाय 38 मिनट की देरी से रात 10:23 बजे वीरांगना लक्ष्मीबाई रेलवे स्टेशन पहुंची। सूचना मिलने पर रेलवे डॉक्टर और अन्य कर्मचारी पहले से स्टेशन पर मौजूद थे।

फास्ट न्यूज

सरिया लदे ट्रेलर से टकराकर कार चालक की मौत

गोरखपुर। गोरखपुर के पिपराइच थाना क्षेत्र के कंचनपुर में मंगलवार देर रात एक सड़क हादसे में क्रेटा कार चालक की मौत हो गई। तेज रफ्तार क्रेटा अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़े सरिया लदे ट्रेलर में जा घुसी। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और चालक ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

खेत में फूल तोड़ रहे युवक पर तेंदुए का हमला

नरवल। कानपुर के महाराजपुर थाना क्षेत्र के बैजाखेड़ा गांव में उस समय हड़कंप मच गया, जब खेतों में काम कर रहे एक युवक पर एक जंगली जानवर ने हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। ग्रामीणों का कहना है कि हमला करने वाला जानवर तेंदुआ था, जबकि अधिकारियों का मानना है कि वह लकड़बग्घा हो सकता है। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंचे कुलगांव चौकी प्रभारी अमित यादव ने बताया कि पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। घायल युवक को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। साथ ही ग्रामीणों को जागरूक किया जा रहा है।

सिपाही ने गाली देकर कारोबारी पर तान दी पिस्टल

बुलंदशहर। बुलंदशहर में मंगलवार की दोपहर एक सिपाही ने व्यापारी सुरक्षा फोरम के अध्यक्ष पर बीच बाजार पिस्टल तान दी। इस पर हंगामा हो गया। लोगों का आरोप है कि सिपाही ने पिस्टल का ट्रिगर दबा दिया था। गनीमत रही कि पिस्टल लोडेड नहीं थी, वरना बड़ी अनहोनी हो जाती। लोगों ने पुलिस टीम को घेर लिया। सिपाही के साथ धक्का-मुक्की करने लगे। मौके पर मौजूद अन्य पुलिसकर्मियों ने मामले को शांत कराया।

हमीरपुर में विवाहिता की संदिग्ध मौत

दहेज में बुलेट-दो लाख न मिलने पर हत्या का आरोप, मां ने दी तहरीर

तमसा संकते, एजेंसी

हमीरपुर। हमीरपुर में दहेज की मांग पूरी न होने पर एक विवाहिता की कथित तौर पर जहरीला पदार्थ खिलाकर हत्या करने और शव गायब करने का प्रयास करने का मामला सामने आया है। मृतका की मां ने पति, सास, ननद और देवर के खिलाफ पुलिस में तहरीर दी है और कार्रवाई की मांग की है। यह घटना सुमेरपुर थाना क्षेत्र के चंद्रपुरवा गांव की है। बिवांर थाना क्षेत्र के निवाद गांव की रहने वाली छाया देवी ने पुलिस को दिए शिकायती पत्र में आरोप लगाया है कि उन्होंने अपनी बेटी दीपिका की शादी चार साल पहले चंद्रपुरवा निवासी जनार्दन पुत्र स्व. मुन्नू सिंह से की थी। शादी के बाद से ही दीपिका के पति, सास, ननद और देवर उससे अतिरिक्त दहेज में दो लाख रुपये नकद और एक बुलेट मोटरसाइकिल की मांग कर रहे थे। मांग पूरी न होने पर दीपिका के साथ लगातार मारपीट और अपमान किया जाता था। छाया देवी ने कई बार बेटी के ससुराल जाकर समझाने का प्रयास किया, लेकिन ससुराल वाले अपनी मांगों पर अड़े रहे। छाया देवी का आरोप है कि 1 जून 2026 को ससुराल वालों ने दहेज की मांग पूरी न होने पर दीपिका को जहरीला पदार्थ खिलाकर उसकी हत्या कर दी। इसके बाद उन्होंने शव को गायब करने का भी प्रयास किया।

करोड़पति परिवार के 4 लोगों की हत्या

पुलिस दरवाजा तोड़कर अंदर पहुंची, गत्ते पर लिखा था- बंटी, बबली और बहू ने मारा

- पुलिस को यह गत्ता मकान के अंदर मिला है। गत्ते पर लिखा था, "बंटी, बबली और बहू ने मारा।"
- पुलिस को अभिषेक का शव मकान के ग्राउंड फ्लोर पर बनी दुकान में मिला।
- साउथ मलाका इलाके में हीवेट रोड पर इसी मकान में 4 लाशें मिली हैं।
- पुलिस ने ऊपरी मंजिल पर जाने के लिए दरवाजे पर लगे ताले को तुड़वाया।

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज। प्रयागराज में करोड़पति परिवार के चार लोगों की हत्या कर दी गई। इनमें पति-पत्नी और उनके बेटा-बेटी शामिल हैं। घर बाहर से बंद था और ताला लगा हुआ था।।

"स्थानीय लोगों ने बताया कि वीरेंद्र कुमार वैश्य को आखिरी बार रविवार को देखा था। इसके बाद से न तो वह दिखाई दिए और न ही उनकी पत्नी और बेटी को किसी ने देखा। जिस दो मंजिला मकान में वारदात हुई, वह करीब 8,000 वर्गफुट क्षेत्रफल में बना हुआ है। संपत्ति की अनुमानित कीमत 10 से 15 करोड़ रुपए है। मौके पर पहुंचे रिश्तेदार अतिन केसरवानी ने कहा कि वीरेंद्र कुमार वैश्य उनके रिश्ते में फूफा लगते थे।

परिवार में एक बेटा बचा, वो भी जेल में है

पुलिस ने बताया- जिस कमरे में दंपती के शव मिले, वहां एक गत्ता पड़ा था। उस पर लिखा मिला, "बंटी, बबली और बहू ने मारा।" अब परिवार में एक ही बेटा बचा है। वह धोखाधड़ी के केस में इस समय कौशांबी जेल में बंद है। वारदात साउथ मलाका में हीवेट रोड चौराहे की है।

पुलिस ने घर का ताला तुड़वाया, लाशें निकलवाईं

मंगलवार दोपहर करीब 3 बजे पड़ोसियों ने घर से बदबू आने पर पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने देखा कि निचली मंजिल से ऊपर जाने का रास्ता खुला था, लेकिन ऊपरी मंजिल का गेट बाहर से बंद था। पुलिस ने ताला तोड़कर अंदर प्रवेश किया।

दो मंजिला मकान, नीचे 14 दुकानें

वीरेंद्र कुमार वैश्य का हीवेट रोड चौराहे पर दो मंजिला मकान है। निचले हिस्से में 14 दुकानें हैं। 13 दुकानें किराए पर हैं।

ऊपरी हिस्से में वह परिवार के साथ रहते थे। परिवार में पत्नी, बेटी-बेटे के अलावा एक छोटा बेटा अश्विनी था, जो कौशांबी जेल में बंद है। एक दुकान बेटी मीनाक्षी चलाती थी।

वह गिफ्ट से जुड़े सामान बेचती थी। उसी दुकान पर वीरेंद्र वैश्य भी बैठा करते थे।

बेटा अभिषेक फ्लोर क्लीनिंग के काम से जुड़ा था। मीनाक्षी और अभिषेक की शादी नहीं हुई थी।

उन्नाव की युवती की हत्या कर बुंलदशहर में फेंकी लाश

नथनी से हुई पहचान, हॉस्पिटल संचालक, उसके भतीजे व एंबुलेंस चालक पर आरोप

तमसा संकेत, एजेंसी

बुलंदशहर। उन्नाव की एक युवती की गोली मारकर हत्या करने के बाद उसके शव को बुलंदशहर में फेंक दिया गया था। जहांगीराबाद के खलोर स्टेडियम के पास मिले इस शव की पहचान उसकी नाक की नथनी से हुई है। पुलिस ने लावारिस शव का अंतिम संस्कार कर दिया था, लेकिन पहचान के लिए नथनी और डीएनए सैंपल सुरक्षित रखे थे। युवती की मां ने 25 मई को बर्रा थाने में उन्नाव के शेखपुर स्थित उत्तम हॉस्पिटल के संचालक देवकांत उत्तम और उसके भतीजे व एंबुलेंस चालक विवेक पटेल के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उन्होंने आरोप लगाया था कि उनकी 21 वर्षीय बेटी ने 19 मई को सदर कोतवाली में नर्सिंग होम संचालक के खिलाफ शारीरिक शोषण की शिकायत दर्ज कराई थी। मां के अनुसार, नर्सिंग होम संचालक के भतीजे विवेक ने उनकी बेटी को मोबाइल पर मैसेज कर 21 मई को मिलने बुलाया था। बेटी उससे मिलने गई, जिसके बाद उसका मोबाइल बंद हो गया और वह लापता हो गई। इसके बाद बर्रा थाने में अपहरण और हत्या की रिपोर्ट दर्ज की गई थी। पुलिस ने विवेक पटेल को हैलट अस्पताल के पास से गिरफ्तार किया। पूछताछ में विवेक ने युवती की गोली मारकर हत्या करने और शव को बुलंदशहर में फेंकने की बात कबूल की। हालांकि, पुलिस को शुरुआत में शव के बारे में कोई जानकारी नहीं मिल पाई थी। पुलिस नर्सिंग होम संचालक देवकांत उत्तम की तलाश कर रही थी। दबाव बढ़ने पर मंगलवार को उसने बर्रा थाने में आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस ने दोनों आरोपियों से पूछताछ की, लेकिन वे गुमराह करते रहे। शव की बरामदगी के लिए पुलिस की एक टीम विवेक को लेकर बुलंदशहर रवाना हुई है। एसपी देहात अंतरिक्ष जैन ने बताया कि शव की पहचान के लिए कई टीमें काम कर रही थीं। उन्होंने पुष्टि की कि लावारिस शव का अंतिम संस्कार कर दिया गया था, लेकिन उसकी नाक की नथनी और डीएनए सैंपल सुरक्षित रखे गए थे। परिजनों ने नथनी की पहचान कर ली है।

आजमगढ़ के जिलाधिकारी रविंद्र कुमार देश के शीर्ष 25 डीएम में शामिल

राष्ट्रीय सर्वेक्षण में हासिल किया सर्वोच्च स्कोर

तमसा संकेत, एजेंसी

आजमगढ़ः भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में जिला प्रशासन शासन व्यवस्था की सबसे महत्वपूर्ण इकाई माना जाता है। केंद्र और राज्य सरकारों की नीतियाँ, योजनाएं और विकास कार्यक्रम अंततः जिले के माध्यम से ही जनता तक पहुँचते हैं। इस पूरी व्यवस्था के केंद्र में होता है जिलाधिकारी, जो न केवल प्रशासनिक प्रमुख होता है, बल्कि जनता और सरकार के बीच सबसे महत्वपूर्ण सेतु भी होता है। किसी जिले की कानून-व्यवस्था, विकास कार्य, जनकल्याणकारी योजनाओं का क्रियान्वयन, आपदा प्रबंधन, राजस्व प्रशासन, चुनावों का संचालन तथा जनता की शिकायतों का समाधान इन सभी क्षेत्रों में जिलाधिकारी की भूमिका निर्णायक होती है।

जल संरक्षण और पर्यावरण संरक्षण के लिए समर्पित प्रयास

रविन्द्र कुमार का प्रशासनिक जीवन जल संरक्षण और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में किए गए कार्यों के लिए भी जाना जाता है। बुलंदशहर में उन्होंने नीम नदी के पुनर्जीवन से जुड़े प्रयासों का नेतृत्व किया। झांसी में उन्होंने जल संरक्षण, तालाब पुनर्जीवन और वर्षा जल संचयन को बढ़ावा देने वाले अभियानों को नई दिशा दी। आजमगढ़ में भी उन्होंने ऐतिहासिक तमसा नदी के संरक्षण और पुनर्जीवन के लिए विभिन्न प्रयासों को प्रोत्साहित किया।

उनका मानना है कि जल संरक्षण केवल पर्यावरण का विषय नहीं है, बल्कि यह भविष्य की पीढ़ियों के लिए विकास का आधार है। इन पहलों में जनभागीदारी को विशेष महत्व दिया गया। प्रशासन और समाज के संयुक्त प्रयासों से जल संरक्षण को जनआंदोलन का स्वरूप देने की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य हुए।

विकास को नई गति देने का प्रयास

आजमगढ़ में जिलाधिकारी के रूप में कार्यभार संभालने के बाद रविंद्र कुमार ने विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष ध्यान दिया। उन्होंने यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया कि सरकार की योजनाओं का लाभ वास्तविक पात्र लाभार्थियों तक पहुंचे। प्रधानमंत्री आवास योजना, किसान सम्मान निधि, महिला कल्याण कार्यक्रम, शिक्षा और स्वास्थ्य से जुड़ी योजनाओं की नियमित समीक्षा उनकी प्राथमिकताओं में शामिल रही। विकास कार्यों की निगरानी के लिए उन्होंने फील्ड विजिट और आकस्मिक निरीक्षण की परंपरा को मजबूत किया।

हाल के दिनों में रविंद्र कुमार ने एक ऐसा कदम उठाया जिसकी व्यापक चर्चा पूरे जिले में हुई। प्रधानमंत्री द्वारा ईंधन बचत और पर्यावरण संरक्षण के लिए दिए गए आह्वान के बाद उन्होंने अपने आवास से कार्यालय तक ई-रिक्शा से यात्रा की। यह कदम केवल प्रतीकात्मक नहीं था। एक जिलाधिकारी के रूप में उन्होंने स्वयं उदाहरण प्रस्तुत कर यह संदेश दिया कि ऊर्जा संरक्षण और पर्यावरण सुरक्षा केवल सरकारी कार्यक्रम नहीं हैं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है।

हत्या : एसडीएम को भी मार चुके हैं थप्पड़, 4 गर्लफ्रेंड बनाई, लखपति घर में रचाई शादी

गोरखपुर में 2 फर्जी आईएएस, 1 नकली आईपीएस का भंडाफोड़

तमसा संकेत, एजेंसी

गोरखपुर। गोरखपुर में पुलिस ने दो फर्जी IAS और एक नकली IPS के कारनामों का भंडाफोड़ कर उन्हें अलग-अलग मामलों में जेल भेज दिया। इनका ऐसा भौकाल था कि कई बार पुलिसकर्मी भी भ्रमित हो जाते थे। हालांकि, जेल पहुंचने के बाद हत्या और लूट जैसे मामलों में बंद अपराधी उन्हें मजाक में '420 गुरु' कहकर बुलाने लगे। जेल पहुंचते ही उनकी हेकड़ी और बड़े सपने दोनों खत्म हो गए। जेल में बंद इन दो फर्जी IAS और एक नकली IPS की कहानी सुनकर दूसरे बंदी भी हैरान रह जाते हैं। बिहार के रहने वाले ललित किशोर ने खुद को IAS अधिकारी बताकर करोड़ों रुपये कमाए और चार गर्लफ्रेंड भी बनाई थीं। इतना ही नहीं, एक बार उसने बिहार के एक SDM को थप्पड़ तक मार दिया था।

फर्जी आईएएस बनकर 4 गर्लफ्रेंड भी बनाई

फर्जी अधिकारी बनकर उसने चार लड़कियों को प्रेम जाल में फंसाया था। आरोप है कि इनमें से तीन गर्लफ्रेंड गर्भवती भी हो गई थीं। इसके अलावा बड़े-बड़े ठेकेदारों को टेंडर दिलाने का झांसा देकर उसने करोड़ों रुपये वसूले थे।

नकली आईएएस ललित किशोर के साथ एक पूरा काफिला चलता था। उसने अपने सुरक्षा में 8 गनर लगा रखे थे।

फर्जी आईएएस ललित किशोर के साथ चलते थे 8 गनर

बिहार के सीतामढ़ी जिले के मेहसौल गांव निवासी 36 वर्षीय ललित किशोर खुद को IAS अधिकारी गौरव कुमार सिंह बताकर लोगों से ठगी करता था। उसने साल 2019 में MSc की पढ़ाई पूरी की थी। कुछ समय तक कोचिंग में पढ़ाया भी था। ठाट-बाट और आलीशान जिंदगी जीने के लिए उसने फर्जी IAS अधिकारी का रूप धारण कर लिया।

पूछताछ के बाद उसके गनरों को छोड़ दिया गया। गनरों का कहना था कि उन्हें इस बात की जानकारी नहीं थी कि वे एक ठग के साथ ड्यूटी कर रहे थे। जांच में सामने आया कि ललित ने उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश और झारखंड समेत चार राज्यों में अपना नेटवर्क फैला रखा था।

पत्नी-दो बेटियों की हत्या करने वाले पिता को फांसी

जज बोलीं- कठोर अपराध, मरने तक फांसी पर लटकाया जाए

तमसा संकेत, एजेंसी

महोबा। महोबा की फास्ट ट्रैक कोर्ट ने पत्नी और दो बेटियों के हत्यारे दोषी पिता को फांसी की सजा सुनाई है। जज ने दोषी को सजा सुनाते हुए कहा, इसका अपराध बहुत कठोर है। इसको तब तक फांसी के फंदे पर लटकाया जाए, जब तक इसकी मौत न हो जाए। जज ने 50 हजार का जुर्माना भी लगाया है। कोर्ट के फैसले के बाद पीड़ित पक्ष ने खुशी जाहिर की। ये मामला 17 जुलाई 2023 का है। महोबा शहर कोतवाली क्षेत्र के समदनगर मोहल्ले में रहने वाले देवेंद्र विश्वकर्मा को शराब की लत थी। शराब पीने की वजह से उसका घर में अपनी पत्नी से बहुत विवाद होता था। देवेंद्र अपनी दोनों बेटियों को भी बुरा भला कहता रहता था। 17 जुलाई 2023 को देवेंद्र शराब पीकर घर आया तो उसका अपनी पत्नी राजकुमारी से विवाद होने लगा। राजकुमारी की दोनों बेटी अंदर कमरे में सो रही थीं। विवाद बढ़ने पर देवेंद्र ने घर में रखे सिलबट्टे से पत्नी पर हमला कर दिया। उसके बाद सोते समय दोनों बेटियों (9 साल की बेटी आरुषि और 6 साल की सोनाक्षी) पर भी सिलबट्टे से हमला किया। देवेंद्र ने तीनों के सिर पर सिलबट्टे से मार मारकर उनके सिर की हड्डियां तोड़ दीं। उसके बाद मौके से फरार हो गया। आसपास के लोगों ने पुलिस को मामले की सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने तीनों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। साथ ही आरोपी की तलाश में जुट गई। घटना के 1 दिन बाद पुलिस ने आरोपी को पकड़ लिया था। कोर्ट में पेश करने के बाद मामले पर सुनवाई चल रही थी। शासन की ओर से जिला शासकीय अधिवक्ता फौजदारी दिनेश सिंह और सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता सुरेंद्र प्रताप राजपूत ने अदालत में अभियोजन पक्ष का प्रतिनिधित्व किया। इस मामले में 5 पुलिसकर्मियों, एक डॉक्टर और मृतका के परिजनों सहित कुल 9 गवाहों के बयान दर्ज किए गए थे। पीड़ितों के अलावा कोई तीसरा मौके पर मौजूद नहीं था।

हिन्दी दैनिक
तमसा संकेत
www.tamsasanket.com
tamsasanketnews24@gmail.com

सूर्या की हत्या करने वाला 5वां आरोपी अरेस्ट

बुलडोजर से मदरसा ढहाया, डीएम बोले- 1.23 करोड़ की रिकवरी भी होगी

एनकाउंटर

तमसा संकेत, एजेंसी

गाजियाबाद। सूर्या चौहान हत्याकांड के मुख्य आरोपी असद के एनकाउंटर के बाद बुधवार को पुलिस ने 5वें आरोपी सारिक मेवाती को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी नवनीत विहार खोड़ा का रहने वाला है। पुलिस ने इस पर 25,000 का इनाम घोषित किया था। इससे पहले गाजियाबाद में अवैध निर्माणों के खिलाफ प्रशासनिक कार्रवाई तेज हो गई है। खोड़ा से करीब 15 किलोमीटर दूर मसूरी क्षेत्र में बुलडोजर चलाकर एक मदरसे को तोड़ा जा रहा है। इससे पहले सूर्या चौहान के इलाके खोड़ा में भी बुलडोजर पहुंचा था, लेकिन बाद में अधिकारी उसे लेकर मसूरी क्षेत्र में पहुंच गए।

कार्रवाई के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस और रैपिड रिस्पांस फोर्स (RRF) के 850 जवान पूरे इलाके में तैनात किए गए हैं। वहीं, प्रशासन अवैध निर्माणों और संपत्तियों की जांच में जुटा हुआ है। अब तक 1,600 से अधिक लोगों का सत्यापन किया जा चुका है और संदिग्ध व्यक्तियों पर लगातार नजर रखी जा रही है। मंगलवार को पुलिस कमिश्नर जे. रविंदर गौड और डीएम रविंद्र मांदड़ की मौजूदगी में अल्पसंख्यक विभाग ने दो अन्य मदरसों को भी सील कर दिया था।

गाजियाबाद डीएम रविंद्र कुमार ने बताया- मसूरी में लगभग 5 हेक्टेयर सरकारी भूमि दर्ज है। इसमें करीब 1 हेक्टेयर भूमि पर मदरसा नबिया इस्लाम ने अवैध कब्जा कर लिया था। कब्जे वाली जमीन पर सात कमरे और अन्य निर्माण तोड़े जा रहे हैं। मदरसा संचालक से 1 करोड़ 23 लाख की रिकवरी की जाएगी।

बकरीद के दिन बुलाकर सूर्या के पेट में चाकू घोपा था

बकरीद के दिन (28 मई) 17 साल के सूर्या की हत्या हुई थी। नाबालिग दोस्त के मुताबिक, असद ने फोन करके सूर्या को बुलाया। साथियों के साथ उसे घेर लिया और चाकू से ताबड़तोड़ वार किए। मारने से पहले उसने सूर्या से पूछा था- क्या कभी बकरा हलाल होते देखा है? आओ, दिखाते हैं। इसका CCTV भी सामने आया था। वहीं, खोड़ा पुलिस ने दोपहर में 3 आरोपियों को भी गिरफ्तार किया है। इनमें असद के पिता नवाब (45), फरहान (19) और आतिफ (19) शामिल हैं। फरहान ने पुलिस को बताया, नवाब ने असद को सूर्या की हत्या के लिए उकसाया था। कहा था- बकरीद पर सूर्या की कहानी खत्म कर दो।

डीएम बोले- 1 हेक्टेयर सरकारी जमीन पर कब्जा, 7 कमरे तोड़े

गाजियाबाद के जिलाधिकारी रविंद्र कुमार ने बताया कि मसूरी थाना क्षेत्र के ग्राम कल्लूगढ़ी में लगभग 5 हेक्टेयर सरकारी भूमि दर्ज है।

इसमें करीब 1 हेक्टेयर भूमि पर मदरसा नबिया इस्लाम द्वारा कथित रूप से अवैध कब्जा कर लिया गया था। कब्जे वाली जमीन पर सात कमरे और अन्य निर्माण किए गए थे।

तहसील न्यायालय के आदेश के अनुपालन में प्रशासन और पुलिस की संयुक्त टीम ने मौके पर पहुंचकर अवैध निर्माण को ध्वस्त कर दिया।

प्रशासन के अनुसार मुक्त कराई गई भूमि की अनुमानित कीमत करीब 25 करोड़ रुपए है।

ललितपुर में नौ दिवसीय श्रावक संस्कार शिविर का शुभारंभ

मंगल कलश स्थापना के साथ शुरू, महिलाएं सक्रिय

तमसा संकेत, एजेंसी

ललितपुर। ललितपुर जिले के तालबेहट स्थित वासुपूज्य दिगंबर जैन मंदिर में नौ दिवसीय श्रावक संस्कार शिविर का शुभारंभ किया गया है। पंडित मुकेश कुमार जैन शास्त्री के निर्देशन में यह शिविर 3 जून से 11 जून 2026 तक आयोजित किया जाएगा। बुधवार को मंगल कलश की स्थापना के साथ इसका विधिवत उद्घाटन हुआ। यह कार्यक्रम जैन मिलन बहुमण्डल एवं वासुपूज्य जिनालय शाखा (भारतीय जैन मिलन क्षेत्र संख्या -13 से संबद्ध) के तत्वावधान में आयोजित किया जा रहा है। श्रवण संस्कृति संस्थान सांगानेर से पधारे सिद्धार्थ भैया रामटोरिया एवं अभिषेक भैया मैनवार के नेतृत्व में सुबह अभिषेक शांतिधारा हुई। इसके उपरांत प्रवीन कुमार पंकज जैन भंडारी परिवार ने आचार्य श्री के

चित्र का अनावरण किया, शिखा कपिल मोदी बसार परिवार ने दीप प्रज्वलन किया और दर्शना अजित जैन विरधा परिवार ने मंगल कलश की स्थापना की। इस अवसर पर सिद्धार्थ भैया ने कहा कि संस्कार शिविर हमें जीवन जीने की कला सिखाते हैं। उन्होंने सभी बच्चों, पुरुषों और महिलाओं से शिविर में सक्रिय रूप से भाग लेने का आग्रह किया। शिविर के दौरान प्रतिदिन सुबह पूजन, दोपहर में द्वादश वर्षीय पाठ्यक्रम और रात्रि में बच्चों एवं बड़ों के लिए अलग-अलग कक्षाएं संचालित की जाएंगी।

फास्ट न्यूज

भाई की हत्या करने वाले 2 आरोपी गिरफ्तार

आगरा। आगरा के थाना जैतपुर क्षेत्र में रंजिश के चलते हुई हत्या के मामले में पुलिस ने मुठभेड़ के बाद दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। मंगलवार को थाना जैतपुर, बाह, चित्राहाट, बमरौली कटारा, सर्विलांस सेल और एसओजी टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए यह सफलता हासिल की। मुठभेड़ के दौरान एक आरोपी के पैर में गोली लगी, जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से एक तमंचा, एक सरकारी रिवॉल्वर और कारतूस बरामद किए हैं।

फौजी के घर लाखों की चोरी

बरेली। बरेली में चोरी की वारदातें थमने का नाम नहीं ले रही हैं। डेलापीर थाना क्षेत्र में हाल ही में हुई 40 लाख की चोरी का खुलासा अभी तक नहीं हो सका है। इसी बीच कैंट थाना क्षेत्र के रामेश्वर धाम फेस 2 में एक और बड़ी वारदात सामने आ गई है। इस बार चोरों ने सेना के जवान के घर को निशाना बनाकर लाखों के गहने और नकदी पर हाथ साफ कर दिया। सेना के जवान गौरव कुमार (32) पुत्र मुनेंद्र सिंह वर्तमान में आगरा में तैनात हैं। जानकारी के अनुसार, वह एक रिश्तेदार के घर दसवें संस्कार में शामिल होने गए थे।

श्रावस्ती में लावारिस मिला नवजात सुरक्षित

श्रावस्ती। श्रावस्ती जनपद में एक लावारिस नवजात शिशु को समय रहते सुरक्षित बचा लिया गया है। यह नवजात बीते 15 मई 2026 को भिनगा कोतवाली क्षेत्र के ग्राम सेमरा अकबरपुर के मजरा गोडियनपुरवा में एक खलिहान के पास तेज धूप में पड़ा मिला था। ग्रामीणों ने शिशु के रोने की आवाज सुनकर तत्काल पुलिस को सूचना दी। भिनगा पुलिस तुरंत घटनास्थल पर पहुंची और नवजात को अपने संरक्षण में लेकर संयुक्त जिला चिकित्सालय भिनगा पहुंचाया।

सोशल मीडिया पर आरएसएस-बजरंग दल पर की थी विवादित टिप्पणी, जेल भेजने की तैयारी

सांप्रदायिक माहौल बिगाड़ने के आरोप में युवक गिरफ्तार

तमसा संकेत, एजेंसी

आजमगढ़। आजमगढ़ पुलिस की साइबर सेल ने सोशल मीडिया के माध्यम से सांप्रदायिक तनाव फैलाने के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान निजामाबाद थाना क्षेत्र के फरिहा निवासी अरशद जमाल के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ साइबर थाने में मुकदमा दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है और उसे न्यायालय में पेश कर जेल भेजने की तैयारी की जा रही है।

पुलिस के अनुसार सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक पर एक आपत्तिजनक पोस्ट की जानकारी मिलने के बाद मामले की जांच शुरू की गई। प्रारंभिक जांच में पाया गया कि पोस्ट की सामग्री से धार्मिक भावनाएं आहत

आजमगढ़ में कम्युनल वायलेंस फैलाने वाला गिरफ्तार।

हो सकती थीं और समाज में सांप्रदायिक तनाव तथा सामाजिक वैमनस्य फैलने की आशंका थी। मामले को गंभीरता से लेते हुए साइबर थाने में संबंधित धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया गया। साइबर सेल की टीम ने तकनीकी जांच के माध्यम से संबंधित फेसबुक अकाउंट की गतिविधियों का विश्लेषण किया। जांच के दौरान जुटाए गए डिजिटल साक्ष्यों और अन्य तकनीकी जानकारियों के आधार पर पुलिस आरोपी तक पहुंचने में सफल रही। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक पूछताछ और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर यह स्पष्ट हुआ कि उक्त फेसबुक अकाउंट का संचालन अरशद जमाल द्वारा किया जा रहा था। इसके बाद पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी। पुलिस का दावा है कि आरोपी सोशल मीडिया का उपयोग लंबे समय से ऐसी सामग्री साझा करने के लिए कर रहा था, जिससे सामाजिक सौहार्द प्रभावित हो सकता था। अधिकारियों के अनुसार सोशल मीडिया पर प्रसारित होने वाली भ्रामक, आपत्तिजनक और भड़काऊ सामग्री पर लगातार निगरानी रखी जा रही है।

विवादित पोस्ट का वीडियो हुआ था वायरल

एसएसपी डॉ. अनिल कुमार के निर्देश पर अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत कार्रवाई की गई। पुलिस के अनुसार, अरशद जमाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक वीडियो पोस्ट किया था, जिसमें बजरंग दल और आरएसएस को लेकर विवादित टिप्पणी की गई थी। पोस्ट में कथित तौर पर धमकी भरे शब्दों का भी इस्तेमाल किया गया था। वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने मामले का संज्ञान लिया।

उन्नाव जेल में बंद दुष्कर्म आरोपी की बनारस में मौत

परिजनों ने जिला जेल के बाहर किया हंगामा, दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव जिला जेल में बंद दुष्कर्म के एक आरोपी की वाराणसी के अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। बुधवार को मृतक के परिजनों ने जिला जेल के बाहर जमकर हंगामा किया और जेल प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए। मृतक की पहचान गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के निहाल खेड़ा निवासी राहुल निषाद के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, राहुल निषाद को 28 सितंबर 2025 को दुष्कर्म के एक मामले में गंगाघाट कोतवाली पुलिस ने गिरफ्तार किया था। तब से वह न्यायिक अभिरक्षा में जिला जेल में बंद था। उसके खिलाफ पहले से भी कई मुकदमे दर्ज होने की बात सामने आई है। बताया जा रहा है कि तबीयत खराब होने पर

राहुल को पहले स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया था। हालत गंभीर होने पर उसे वाराणसी के एक अस्पताल में रेफर किया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। राहुल की मौत की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में परिजन और ग्रामीण जिला जेल पहुंच गए। बुधवार दोपहर करीब तीन बजे सैकड़ों की संख्या में पहुंचे परिजनों और समर्थकों ने जेल प्रशासन पर समय रहते सही जानकारी न देने का आरोप लगाते हुए प्रदर्शन शुरू कर दिया। उन्होंने मौत की निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। हंगामे की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों में हड़कंप मच गया। कोतवाली पुलिस सहित अन्य थानों का पुलिस बल मौके पर पहुंचा और स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास किया। अधिकारियों ने परिजनों से बातचीत कर उन्हें शांत कराने की कोशिश की। जेल प्रशासन की ओर से अभी तक मौत के कारणों को लेकर कोई विस्तृत आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। अधिकारियों का कहना है कि नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जा रही है। और आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

बाराबंकी सीएमओ का रेड-कारपेट और फूलों की वर्षा कर स्वागत

कर्मचारियों ने सरकारी गाड़ी को सजाया, गुलाब की पंखुड़ियां बिखेरी

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। बाराबंकी में नव नियुक्त मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) डॉ. रंजन गौतम के स्वागत को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। बुधवार को कार्यभार ग्रहण करने के दौरान उनके स्वागत में सरकारी वाहन को फूलों से सजाया गया, कार्यालय परिसर में रेड कारपेट बिछाया गया और गुलाब की पंखुड़ियां बिखेरी गईं। इस पूरे आयोजन का वीडियो सामने आया है। जानकारी के अनुसार, डॉ. रंजन गौतम अपनी पत्नी, बेटे और बेटी के साथ सीएमओ कार्यालय पहुंचे थे। कार्यालय के मुख्य द्वार पर कुछ कर्मचारियों और चिकित्सकों ने उनका स्वागत किया। दफ्तर में प्रवेश के दौरान उन पर और उनके परिवार के सदस्यों पर फूलों

की पंखुड़ियां बरसाई गईं तथा बुके भेंट किए गए स्वागत समारोह के वीडियो सामने आने के बाद सरकारी कार्यालयों में सादगी और प्रशासनिक मर्यादा को लेकर सवाल उठने लगे हैं। इस आयोजन को लेकर विभिन्न तरह की प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। कर्मचारियों ने नए अधिकारी के स्वागत के लिए विशेष तैयारियां की थीं। हालांकि इस संबंध में किसी अधिकारी की ओर से आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। डॉ. रंजन गौतम को बाराबंकी का नया सीएमओ नियुक्त किया गया है। उन्होंने डॉ. रामजी यादव के स्थान पर कार्यभार संभाला है।

ताजमहल के हाई सिक्योरिटी जोन में हुई थी लूट, सोने की चेन और बाइक बरामद

पर्यटक से लूट करने वाले आरोपी मुठभेड़ में गिरफ्तार

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। आगरा में ताजमहल के हाई सिक्योरिटी जोन के पास रविवार को आंध्र प्रदेश की पर्यटक के साथ चेन लूट की वारदात हुई थी। गुंटूर निवासी माधवीलता ताजमहल घूमने के बाद अपनी सहेलियों के साथ कैंट रेलवे स्टेशन की ओर जा रही थीं।

शिल्पग्राम के पास रुकने के दौरान बाइक सवार बदमाशों ने उनके गले से सोने की चेन छीन ली थी। इस वारदात के बाद ताजमहल क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े हुए थे।

पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए कई सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली, जिसके आधार पर बदमाशों की पहचान की गई।

पुलिस के अनुसार, आरोपी अंसार पर 12 और करन पर 9 आपराधिक मामले दर्ज हैं। दोनों पहले भी लूट की वारदातों में शामिल रहे हैं और वर्ष 2022 में भी इसी तरह की घटना को अंजाम दे चुके हैं।

गिरफ्तारी के बाद आंध्र प्रदेश की पर्यटक माधवीलता ने सोशल मीडिया पर वीडियो जारी कर उत्तर प्रदेश पुलिस और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का धन्यवाद किया और पुलिस की त्वरित कार्रवाई की सराहना की।

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से लूटी गई सोने की चेन, लॉकेट, दो तमंचे और बाइक बरामद की है। आरोपियों की पहचान अंसार और करन के रूप में हुई है, जो शाहगंज क्षेत्र की राधे वाली गली के रहने वाले हैं।

इनर रिंग रोड पर हुई मुठभेड़

एसीपी ताज सुरक्षा मयंक तिवारी के मुताबिक मंगलवार रात करीब 11 बजे पुलिस इनर रिंग रोड गढ़ी देवरी के पास चेकिंग कर रही थी। तभी बाइक पर सवार दो संदिग्ध नजर आए। पुलिस ने रोकने की कोशिश की तो वे भागने लगे। भागते समय बाइक फिसल गई और पकड़े जाने के डर से बदमाशों ने पुलिस पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने दोनों को घेर लिया। मुठभेड़ में दोनों बदमाशों के पैरों में गोली लगी और उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया।

पृष्ठ 01 का शेष...

दिल्ली के होटल में ...

बताया जा रहा है कि इन अस्पतालों में इलाज कराने आने वालों के परिजन भी इस होटल में रुका करते थे। दिल्ली के लेफ्टिनेंट गवर्नर (LG) वीके सक्सेना शाम को सभी संबंधित अधिकारियों के साथ घटना का रिव्यू करने के लिए एक हाई-लेवल मीटिंग करेंगे। इससे पहले, दिल्ली पुलिस ने भी इस घटना के संबंध में गैर-इरादतन हत्या और भारतीय न्याय संहिता (BNS) की दूसरी संबंधित धाराओं के तहत FIR दर्ज की थी। मैक्स हेल्थकेयर ग्रुप के मेडिकल डायरेक्टर डॉ. संदीप बुद्धिराजा ने कहा कि डॉक्टर ने आगे कहा कि आग से बचने के लिए ऊपरी मंजिल से कूदने के कारण कई मरीजों को फ्रैक्चर हो गया। ज्यादातर मरीजों को हड्डियों और पेल्विक हड्डियों में फ्रैक्चर हुए। एक मरीज की रीढ़ की हड्डी में चोट है और उसकी न्यूरोसर्जरी हो रही है। मालवीय नगर के एक रेस्टोरेंट में लगी भीषण आग पर AAP दिल्ली के अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने कहा ने कहा- फरवरी में पालम में आग लगने की एक घटना हुई थी, जिसमें नौ लोगों की मौत हो गई थी। तीन महीने बीत चुके हैं, लेकिन किसी भी जांच की कोई रिपोर्ट नहीं आई है। यहां 20-21 लोग जलकर मर गए। यहां दूसरे देशों से आए लोग भी थे, जो इलाज के लिए आए थे और इन छोटे होटलों में रुके हुए थे। सरकार उन पर ही दोष मढ़ रही है। मालवीय नगर में आग लगने की घटना पर दिल्ली अग्निशमन सेवा के PRO ए.के. मलिक ने कहा- इस तरह की इमारतें चिमनी की तरह काम करती हैं। जिससे गर्मी बहुत तेजी से फैलती है और लोगों को बाहर निकलने का बिल्कुल भी समय नहीं मिल पाता। मालवीय नगर आग की घटना पर मैक्स हेल्थकेयर के ग्रुप मेडिकल डायरेक्टर डॉ. संदीप बुधिरजा ने कहा- हमारे पास 39 मरीजों को लाया गया। इनमें से 18 मरीज मृत अवस्था में लाए गए थे। इसे हम एस्फिक्सिएशन (धुएं के कारण दम घुटना) कहता हैं। कुछ मरीजों को जलने की चोटें भी आई थीं। बाकी बचे मरीजों में से 15 इस समय ICU में हैं, जिनमें से 8 वेंटिलेटर पर हैं और उनका इलाज चल रहा है। दिल्ली पुलिस के अनुसार होटल का मालिक लोकेश बजाज है। होटल का संचालन तीन पार्टनर मिलकर करते हैं। इन लोगों के दिल्ली में कई अन्य होटल और गेस्ट हाउस भी हैं। पुलिस अब होटल के मालिकाना हक, संचालन और फायर सेफ्टी इंतजामों की जांच कर रही है। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि हादसे में किसी तरह की लापरवाही तो नहीं हुई। मालवीय नगर होटल अग्निकांड केस में पुलिस ने गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक होटल में आने-जाने के लिए केवल एक ही रास्ता था। अब होटल के फायर सेफ्टी NOC और सुरक्षा इंतजामों की जांच की जा रही है। इमारत के ग्राउंड फ्लोर पर रेस्तरां और ऊपर की मंजिलों पर होटल संचालित हो रहा था। आग लगने के कारणों का पता लगाने के लिए जांच जारी है। दिल्ली पुलिस के अनुसार, मालवीय नगर अग्निकांड में बचाव अभियान के दौरान 10 पुलिसकर्मी भी घायल हो गए, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इनमें 5 हेड कांस्टेबल और 5 कांस्टेबल शामिल हैं। पुलिस के मुताबिक, ये सभी सबसे पहले इमारत के भीतर प्रवेश कर राहत और बचाव कार्य में जुटे थे। फिलहाल सभी पुलिसकर्मियों का अस्पताल में इलाज चल रहा है।

ममता की टीएमसी टूटी...

जब नेता विपक्ष चुनने के प्रस्ताव पर फर्जी साइन का आरोप लगाने के बाद ऋतब्रत बनर्जी और संदीपन साहा को पार्टी से बाहर कर दिया गया था। पार्टी के भीतर बगावत के बीच ममता बनर्जी ने बुधवार को राज्य की सभी कमेटियों और फ्रंटल संगठनों को तत्काल प्रभाव से भंग कर दिया है। पार्टी अब पूरे संगठन का पुनर्गठन करेगी। ममता बनर्जी ने TMC से 2 विधायक संदीपन साहा और ऋतब्रत बनर्जी को पार्टी से निकाल दिया था। दोनों ने स्पीकर से शिकायत की थी कि पार्टी ने शोभनदेव को नेता विपक्ष बनाने वाले प्रस्ताव में उनके उनके फर्जी साइन किए थे। साहा और बनर्जी का आरोप है कि यह शिकायत करने पर ही दोनों TMC से निकाले गए। TMC के बागी विधायक नेता विपक्ष, चीफ व्हिप जैसे पद तो ले सकते हैं, लेकिन शिवसेना और एनसीपी की तरह पार्टी पर अधिकार अभी नहीं ले पाएंगे। अगर ऐसा होता है तो बड़े गुट के दावे पर चुनाव आयोग फैसला लेगा। मामला कोर्ट भी जा सकता है। हालांकि इसके लिए दो-तिहाई यानी 28 में से 19 लोकसभा सांसदों की भी जरूरत भी होगी। इसके अलावा संगठन के पदाधिकारियों का भी रुख महत्वपूर्ण होता है, इससे बचने के लिए ममता ने पहले ही सभी कमेटियां भंग कर दी हैं।

डीके शिवकुमार ...

सिद्धारमैया ने 28 मई को सीएम पद से इस्तीफा दे दिया था। वे 20 मई 2023 से 28 मई 2026 तक मुख्यमंत्री रहे। कर्नाटक के नए मुख्यमंत्री बनने जा रहे डीके शिवकुमार देश के सबसे अमीर नेताओं में हैं। उनके पास 1413 करोड़ से ज्यादा की संपत्ति है। वह रियल एस्टेट, खनन, होटल कारोबारी हैं। इतनी संपत्ति के बावजूद उनके चुनावी हलफनामे में एक टोयोटा क्वालिस कार दर्ज है। 263 करोड़ का कर्ज भी है। 1962 में बेंगलुरु के पास कनकपुरा में जन्मे डीके वोक्कालिगा समुदाय से हैं। वह कनकपुरा से ही विधायक हैं। कांग्रेस में उनकी पहचान ऐसे नेता की है जो पार्टी विधायकों को टूटने से बचाते हैं। किसी भी बड़े ऑपरेशन, चुनाव मैनेजमेंट, प्रचार या गुप्त रणनीतियों के लिए जिस वित्तीय और लॉजिस्टिक्स सपोर्ट की जरूरत होती है, उसे वे बखूबी मैनेज कर लेते हैं। डीके पर 19 से ज्यादा आपराधिक मामले दर्ज हैं। ईडी उनके खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग के दो केस में जांच कर रही है। 2017 में आयकर विभाग के छापे में इनके घर 8.5 करोड़ रुपए मिले थे। इसी केस में वह 2019 में गिरफ्तार हुए। उन्हें 50 दिन तिहाड़ में बिताने पड़े थे। सीबीआई आय से ज्यादा संपत्ति के एक मामले में जांच कर रही है।

एटीएफ की कीमतों ...

इसके तहत दिल्ली, हरियाणा, यूपी और राजस्थान के सीमावर्ती इलाकों से 1.9 लाख से ज्यादा पुराने डीजल ट्रकों और 16,000 पुरानी बसों को बदला जाएगा। इनकी जगह BS-VI मानक वाले या इलेक्ट्रिक वाहन लाए जाएंगे। इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने के लिए देश में 24,200 करोड़ के हाईवे प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दी गई है। इसमें सबसे बड़ा हिस्सा ओडिशा और तेलंगाना के खाते में गया है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि सरकार ने शेड्यूल्ड इंडियन एयरलाइंस को उनके घरेलू और इंटरनेशनल ऑपरेशंस के लिए एटीएफ प्राइस स्टेबलाइजेशन सपोर्ट देने का फैसला किया है। इसके लिए ऑयल मार्केटिंग कंपनियों (OMCs) को अधिकतम 10,000 करोड़ तक की वन-टाइम बजटीय सहायता मंजूर की गई है। यह बजटीय सहायता ओएमसी को पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अनुदान मांगों के माध्यम से ब्याज मुक्त एडवांस के रूप में दी जाएगी।

अहमदाबाद में ...

हिरासत में लिए गए सभी लोगों को क्राइम ब्रांच कैंपस में रखा गया है। क्राइम ब्रांच के अधिकारियों ने बताया कि चंदोला इलाके में लगातार चल रहे अभियानों के कारण बड़ी संख्या में अवैध निवासी एक जगह टिकने से बच रहे हैं। वे पहचान बदलकर शहर के अलग-अलग इलाकों में किराए के मकानों, झुग्गी-झोपड़ियों, होटलों, कामगार आवासों और व्यावसायिक स्थानों में रह रहे हैं। इसलिए पूरे शहर में एक साथ तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। अवैध प्रवासियों को पकड़ने की कार्रवाई लंबी चलने वाली है। पूछताछ में कुछ बांग्लादेशियों ने कबूल किया है कि वे यहां कमाए गए पैसे बांग्लादेश में रहने वाले परिवार को कैश में भेजते थे। इसके लिए वे दलालों का सहारा लेते थे। पहले पैसे कोलकाता भेजे जाते थे, वहां से बांग्लादेश पहुंचते थे। यह भी पता चला है कि कुछ मोबाइल एप्लिकेशन के जरिए भी पैसे भेजे जा रहे थे। पुलिस इन दलालों की तलाश में जुटी है।

7 दिन में दूसरी बार मात दी ■ आनंद से लिनारेस टूर्नामेंट में दो बार हारे थे मैग्नस

प्रज्ञानानंदा ने नॉर्वे चेस में वर्ल्ड नं-1 कार्लसन को हराया

शिकस्त

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत के 20 साल के ग्रैंडमास्टर प्रज्ञानानंदा रमेशबाबू ने नॉर्वे चेस के आठवें राउंड में दुनिया के नंबर-1 खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन को हराया। प्रज्ञानानंदा की यह टूर्नामेंट में 5 बार के वर्ल्ड चैंपियन कार्लसन के खिलाफ दूसरी जीत है।

इससे पहले 28 मई को प्रज्ञानानंदा ने कार्लसन को सफेद मोहरों से मात दी थी। मंगलवार, 2 जून को प्रज्ञानानंदा ने नॉर्वेजियन प्लेयर को काले मोहरों से हराया।

नॉर्वे चेस विमेंस टूर्नामेंट के आठवें राउंड में भारत के लिए मिलाजुला दिन रहा। टूर्नामेंट में लीड कर रहीं बिबिसारा असाउबायेवा ने क्लासिकल मुकाबले में भारत की दिव्या देशमुख को हराया। काले मोहरों से खेल रहीं बिबिसारा ने लगातार दबाव बनाए रखा। आखिरी समय में दिव्या के पास समय कम बचा और वे मैच हार गईं। झू जिनर ने मौजूदा विमेंस वर्ल्ड चैंपियन जू वेनजुन को हराकर बड़ा उलटफेर किया। भारत की दिग्गज खिलाड़ी कोनेरू हम्पी और अन्ना मुजीचुक के बीच क्लासिकल मुकाबला ड्रॉ रहा। इसके बाद एक्स्ट्रा पॉइंट्स के लिए हुए अर्मागेडन मुकाबले में कोनेरू हम्पी ने काले मोहरों से जीत दर्ज की। विमेंस पॉइंट्स टेबल में बीबीसारा 15.5 अंकों के साथ सबसे आगे हैं। अन्ना मुजीचुक 10.5 अंकों के साथ दूसरे और दिव्या देशमुख 10 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर हैं। नॉर्वे चेस टूर्नामेंट 25 मई से 5 जून तक ओस्लो में खेला जा रहा है। इसमें दुनिया के चुनिंदा 6-6 पुरुष और महिला खिलाड़ी डबल राउंड-रॉबिन फॉर्मेट में हिस्सा ले रहे हैं।

नॉर्वे चेस टूर्नामेंट में प्रज्ञानानंदा ने मैग्नस कार्लसन को दो बार हरा दिया।

> इस जीत के साथ आर. प्रज्ञानानंदा भारत के दूसरे ऐसे खिलाड़ी बन गए हैं, जिन्होंने एक ही टूर्नामेंट में मैग्नस कार्लसन को दो बार हराया। इससे पहले 2007 में विश्वनाथन आनंद ने लिनारेस इंटरनेशनल टूर्नामेंट में कार्लसन को लगातार दो मुकाबलों में शिकस्त दी थी।

अलीरजा फिरोजा ने मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन भारत के गुकेश को हराया।

अलीरजा फिरोजा ने वर्ल्ड चैंपियन गुकेश को हराया, वेस्ली सो टॉप पर

आठवें दौर के एक अन्य मुकाबले में फ्रांस के अलीरजा फिरोजा ने मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन भारत के गुकेश डोमराजु (डी गुकेश) को हराया। सफेद मोहरों से खेल रहे फिरोजा ने टाइम प्रेशर के बीच एंडगेम में शानदार खेल दिखाया और गुकेश की गलतियों का फायदा उठाया। इस जीत से फिरोजा के 13 अंक हो गए हैं। टूर्नामेंट लीडर वेस्ली सो और विंसेंट केमर के बीच क्लासिकल मुकाबला ड्रॉ रहा। इसके बाद हुए 'अर्मागेडन' मुकाबले में वेस्ली सो ने जीत हासिल कर एक्स्ट्रा पॉइंट्स बटोरे और 14 अंकों के साथ बढ़त बरकरार रखी। प्रज्ञानानंदा 12 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर हैं।

ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे वनडे में पाकिस्तान को हराया

नाथन एलिस ने चटकाए 4 विकेट

नई दिल्ली। लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में खेले गए दूसरे वनडे में ऑस्ट्रेलिया ने पाकिस्तान को 41 रन से हराया। इसके साथ ही सीरीज 1-1 से बराबर हो गई। नाथन एलिस ने 33 रन देकर 4 विकेट लिए।

टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलिया ने 50 ओवरों में 231 रन बनाए थे। जवाब में पाकिस्तान की टीम 44 ओवरों में 190 रन पर सिमट गई। शादाब खान ने 104 गेंदों में 71 रन बनाए, लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सके। 51 रन पर 3 विकेट गिरने के बाद जोश इंग्लिस (51 रन) और कैमरन ग्रीन (50 रन) ने संभलकर बल्लेबाजी की। दोनों ने चौथे विकेट के लिए 51 रन की साझेदारी की।

इसके बाद मैट रेनशॉ ने 43 और ओलिवर पीक ने 32 गेंदों में 31 रन बनाकर टीम को 231 रन तक पहुंचाया। लाहौर की भीषण गर्मी का असर खिलाड़ियों पर दिखा। विकेट-कीपर गाजी गोरी गर्मी और उमस के कारण 7 ओवर के लिए मैदान से बाहर चले गए। उनकी जगह रोहेल नजीर ने विकेटकीपिंग की। लौटने के बाद भी गोरी संघर्ष करते दिखे और कई गेंदें बाई के रूप में बाउंड्री पार गईं। 232 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान की शुरुआत खराब रही। नाथन एलिस और मैट कुहनेमैन ने पहले दो ओवरों में दोनों ओपनर्स को आउट किया। ऑस्ट्रेलिया ने 12 ओवर के अंदर 58 रन पर पाकिस्तान के 5 विकेट गिरा दिए थे।

इंग्लैंड महिला टीम ने टी 20 में भारत को हराया

सीरीज 2-1 से जीती, कैपसे-नाइट के बीच 137 रन की पार्टनरशिप

नई दिल्ली। इंग्लैंड की महिला टीम ने तीसरे और आखिरी टी-20 इंटरनेशनल में भारत को 6 विकेट से हराया। इसके साथ ही इंग्लैंड ने तीन मैचों की सीरीज 2-1 से जीत ली। 181 रन के लक्ष्य को इंग्लैंड ने एलिस कैपसे (82 रन) और कप्तान हीथर नाइट (नाबाद 70 रन) की पारियों की बदौलत 4 विकेट खोकर हासिल कर लिया। टी-20 इंटरनेशनल में यह इंग्लैंड का दूसरा सबसे बड़ा सफल रन-चेज है। 12 जून से बर्मिंघम में शुरू होने वाले महिला टी20 वर्ल्ड कप से पहले यह दोनों टीमों का आखिरी इंटरनेशनल मैच था। टॉन्टन में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए कप्तान हरमनप्रीत कौर के नाबाद 56 रन की मदद से 20 ओवर में 5 विकेट पर 180 रन बनाए। जवाब में

इंग्लैंड ने 38 रन पर 3 विकेट गंवा दिए थे, लेकिन इसके बाद कैपसे और नाइट ने मैच पलट दिया।

180 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड की शुरुआत खराब रही। प्लेइंग-11 में लौटीं तेज गेंदबाज क्रांति गौड़ ने डैनी व्याट-हॉज को क्लीन बोल्ड किया। इसके बाद सोफिया डंकली (16 रन) और एमी जोन्स भी जल्दी आउट हो गईं।

38 रन पर 3 विकेट गिरने के बाद एलिस कैपसे और कप्तान हीथर नाइट ने पारी संभाली। दोनों बल्लेबाज फॉर्म को लेकर दबाव में थीं। कैपसे ने 27 गेंदों में फिफ्टी पूरी की और 43 गेंदों में 82 रन बनाए। उनकी पारी में अरुंधति रेड्डी के एक ओवर में 15 रन और एन श्री चरणी के ओवर में 4, 6, 6 शामिल थे। दूसरी ओर हीथर नाइट ने 42 गेंदों में नाबाद 70 रन बनाए। दोनों के बीच चौथे विकेट के लिए 76 गेंदों में 137 रन की मैच जिताऊ साझेदारी हुई।

इससे पहले टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम के ओपनर्स शेफाली वर्मा और स्मृति मंधाना जल्दी आउट हो गई थीं। हालांकि पावरप्ले तक भारत ने 2 विकेट पर 57 रन बना लिए थे।

नडाल-जोकोविच के 20 साल पुराने रिकॉर्ड की बराबरी ■ अब ज्वेरेव से खेलेंगे

20 साल के मेन्सिक पहली बार फ्रेंच ओपन सेमीफाइनल में

नई दिल्ली। चेक रिपब्लिक के 20 साल के खिलाड़ी याकूब मेन्सिक ने पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम के सेमीफाइनल में जगह बनाई। मंगलवार रात पेरिस में खेले गए मेन्स सिंगल्स क्वार्टर फाइनल में मेन्सिक ने 19 साल के ब्राजील के खिलाड़ी जोआओ फोंसेका को 6-4, 6-3, 7-6(3) से हराया।

यह मुकाबला इस साल फ्रेंच ओपन का सबसे युवा क्वार्टर फाइनल था। 2006 के बाद पहली बार दो इतने युवा खिलाड़ियों के बीच अंतिम-8 का मैच खेला गया। तब 20 साल के राफेल नडाल और 19 साल के नोवाक जोकोविच आमने-सामने थे।

अब सेमीफाइनल में मेन्सिक का मुकाबला सेकंड सीड जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव से होगा। ज्वेरेव ने क्वार्टर फाइनल में राफेल जोदार को हराया। मेन्सिक ने शुरुआती दो सेट आसानी से जीते। तीसरे सेट में वे कुछ ब्रेक पॉइंट गंवाकर पीछे हो गए थे, लेकिन फोकस बनाए रखते हुए सेट को टाई-ब्रेकर में ले गए और मैच जीत लिया। इस जीत के साथ मेन्सिक 2004 या उसके बाद पैदा होने वाले दुनिया के पहले पुरुष खिलाड़ी बन गए, जिन्होंने किसी ग्रैंड स्लैम के सेमीफाइनल में जगह बनाई। वे ग्रैंड स्लैम सेमीफाइनल में पहुंचने वाले चेक रिपब्लिक के सबसे युवा खिलाड़ी भी बने। दूसरी तरफ, 2024 फ्रेंच ओपन फाइनलिस्ट अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने युवा खिलाड़ी राफेल जोदार को 7-6(3), 6-1, 6-3 से हराया। ज्वेरेव ने टूर्नामेंट के 5 मैचों में अब तक केवल एक सेट गंवाया है। हालांकि, पहले सेट में ज्वेरेव एक समय 2-5 से पीछे थे, लेकिन अनुभव के दम पर उन्होंने दो घंटे 17 मिनट में मैच जीत लिया।

याकूब मेन्सिक ने पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम के सेमीफाइनल में जगह बनाई।

> याकूब मेन्सिक और ब्राजील के जोआओ फोंसेका अपने करियर का पहला ग्रैंड स्लैम क्वार्टर फाइनल खेल रहे थे। दोनों युवा खिलाड़ियों के बीच मुकाबला दो घंटे 33 मिनट तक चला।

मैच के बाद मेन्सिक बोले- शुरुआत में नर्वस था, लेकिन आखिरी तक लड़ता रहा

इस जीत के बाद एटीपी (ATP) से बातचीत में मेन्सिक ने कहा,'मैच की शुरुआत में हम दोनों ही थोड़े नर्वस थे, लेकिन अंत में दोनों ओर से कुछ अविश्वसनीय शॉट्स देखने को मिले। मैं अपनी इस वापसी से बेहद खुश हूं। तीसरे सेट में मैं कुछ ब्रेक डाउन था, इसलिए खुश हूं कि मैं खेल पर ध्यान बनाए रखने और आखिरी समय तक लड़ने में कामयाब रहा।'

मनोरंजन

धुरंधर 2 ने खेला आखिरी दांव रिकॉर्ड बनाने के बेहद करीब

नई दिल्ली, एजेंसी

आदित्य धर के निर्देशन में बनी फिल्म 'धुरंधर 2' इस साल 19 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। रणवीर सिंह की स्पाई थ्रिलर फिल्म का 4 जून को OTT प्लेटफॉर्म पर ग्रैंड प्रीमियर होने वाला है, लेकिन उसके बावजूद भी बॉक्स ऑफिस पर से फिल्म टस से मस होने का नाम नहीं ले रही है। धुरंधर 2 को सिनेमाघरों में लगे हुए तकरीबन 76 दिन पूरे हो चुके हैं, लेकिन अब भी फिल्म कई नए रिकॉर्ड अपने नाम लिख रही है। रणवीर सिंह की स्पाई थ्रिलर फिल्म की कमाई छठे हफ्ते के बाद भले ही लाखों में आ गिरी, लेकिन अभी तक मूवी का खाता पूरी तरह से बंद नहीं हुआ है। इस फिल्म ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 75 दिनों के अंदर कुल 1148 .76 करोड़ की कमाई की थी। अब फिल्म का 76वें दिन का रिजल्ट

भी सामने आ चुका है। सैकनिल्क डॉट कॉम की रिपोर्ट के मुताबिक, इस फिल्म ने 76वें दिन इंडिया में कुल 239 शोज से 10 लाख रुपए तक का कलेक्शन किया है। मूवी का 76 दिनों में टोटल कलेक्शन 1148.88 करोड़ तक पहुंच चुका है और यह अब 1150 का रिकॉर्ड बनाने से बस 1.12 करोड़ की दूरी पर है। रणवीर सिंह की स्पाई थ्रिलर फिल्म ने जहां पहले हफ्ते के अंत तक कुल 674.17 करोड़ का बिजनेस किया था, तो वहीं फिल्म ने दूसरे वीक में कुल 263.65 करोड़ रुपए कमाए थे, जिसके बाद घरेलू बॉक्स ऑफिस पर फिल्म की कमाई 840.20 करोड़ तक पहुंच गई थी।

स्टेज पर एक्टर की तरफ भागा था, घबरा गई थीं जाह्नवी कपूर, बॉडीगार्ड ने उठाकर बाहर निकाला था

राम चरण से मिलकर रो पड़ा फैन

नई दिल्ली, एजेंसी

फिल्म 'पेद्दी' के प्रमोशन इवेंट का एक वीडियो सामने आया था, जिसमें राम चरण जैसा दिखने वाला एक फैन सुरक्षा घेरा तोड़कर स्टेज की तरफ दौड़ पड़ा था। हालांकि, सुरक्षा कर्मियों ने उसे तुरंत रोक लिया था।

वहीं, इस घटना के बाद राम चरण ने उस फैन से अलग से मुलाकात की। यह मुलाकात पूरी सुरक्षा व्यवस्था के बीच कराई गई। फैन इस घटना के बाद काफी इमोशनल हो गया था और रोटा भी दिखाई दिया।

राम चरण ने फैन को शांत किया और उससे आराम से बातचीत की। इतना ही नहीं, उन्होंने फैन के साथ सेल्फी भी खिंचवाई।

दरअसल, मंगलवार को रामचरण और जान्हवी कपूर अपकमिंग फिल्म 'पेद्दी' के प्रमोशन के लिए विजयवाड़ा पहुंचे थे। तभी स्टेज पर फिल्म के प्रमोशन के दौरान रामचरण जैसा दिखने वाला एक हमशक्ल फैन अचानक उनकी तरफ तेजी से दौड़ा। पेड्डी एक स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म है, जो खेल के माध्यम से अपनी पहचान तलाशने वाले एक व्यक्ति की कहानी पर आधारित है। फिल्म को बुच्ची बाबू सना ने लिखा और डायरेक्ट किया है। इसका प्रोडक्शन वेंकट सतीश किलारू ने वृद्धि सिनेमाज के बैनर तले किया है। फिल्म को मैत्री मूवी मेकर्स और सुकुमार राइटिंग्स प्रेजेंट कर रहे हैं। फिल्म में राम चरण, जाह्नवी कपूर, शिव राजकुमार, दिव्येंदु और जगपति बाबू प्रमुख भूमिकाओं में हैं। पेड्डी 4 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

> इस घटना से रामचरण के बगल में बैठीं जान्हवी कपूर बुरी तरह घबरा गईं। हालांकि, रामचरण के पर्सनल बॉडीगार्ड और एमएमए फाइटर केविन कुंटा ने मुस्तैदी दिखाते हुए फैन को रास्ते में ही रोक लिया और गोद में उठाकर स्टेज से बाहर कर दिया था।

घबरा गईं जान्हवी, बढ़ाई गई सुरक्षा

सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो में साफ दिख रहा है कि फैन के अचानक करीब आने से जान्हवी कपूर काफी असहज और डरी हुई नजर आईं। वे अपनी सीट पर ही सहम गईं और उनकी घबराहट चेहरे पर साफ दिख रही थी। इस घटना के तुरंत बाद सुरक्षा टीम अलर्ट हो गई। जान्हवी और रामचरण की सुरक्षा के लिए उनके चारों तरफ बड़ी संख्या में पुलिस और निजी सुरक्षाकर्मियों को तैनात कर दिया गया, ताकि इवेंट को बिना किसी बाधा के पूरा किया जा सके।

फिल्म बिश्नोई समाज पर आधारित, कहा- नोटिस भेजकर हम पर दबाव बनाया जा रहा है

'काला हिरण' सलमान की बायोपिक नहीं है : अमित

नई दिल्ली, एजेंसी

फिल्म 'काला हिरण' को लेकर जारी विवाद के बीच फिल्म के प्रोड्यूसर अमित जानी ने सलमान खान की लीगल टीम के नोटिस पर रिएक्शन दिया है।

अपने ऑफिशियल फेसबुक अकाउंट में पोस्ट किए वीडियो में अमित जानी ने कहा कि हमारी पूरी फिल्म सलमान खान की बायोपिक नहीं है। हमारी पूरी फिल्म सलमान खान के नजरिए से नहीं है।

अमित जानी ने वीडियो में कहा, 'सलमान खान की लीगल टीम की ओर से नोटिस भेजकर हम पर दबाव बनाया जा रहा है कि हम फिल्म की रिलीज रोक दें और 20 जून को टीजर जारी न करें।'

बातचीत में अमित जानी ने कहा

है कि फिल्म 'काला हिरण' बिश्नोई समाज के संघर्ष, उनकी विरासत और वन्यजीवों के प्रति उनके समर्पण को दिखाती है। जानी ने कहा कि सलमान खान फिल्म का सिर्फ एक पार्ट हैं। 'काला हिरण' को लेकर सलमान खान की ओर से लीगल नोटिस भेजा गया था। रिपोर्ट में बताया गया था कि सलमान की ओर से लॉ फर्म DSK लीगल ने कास्टिंग डायरेक्टर अक्षय पांडे को एक लीगल नोटिस भेजा है।

1998 में काला हिरण शिकार मामला सामने आया

सलमान खान से जुड़ा काला हिरण शिकार मामला साल 1998 में सामने आया था, जब वो जोधपुर में फिल्म 'हम साथ-साथ हैं' की शूटिंग कर रहे थे। सलमान के खिलाफ कुल चार केस दर्ज किए गए थे। इनमें दो चिंकारा शिकार मामले, एक कांकाणी काला हिरण शिकार मामला और एक आर्म्स एक्ट का मामला शामिल था।

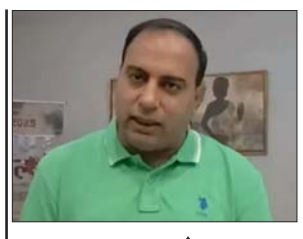

20 जून को आना था टीजर

बता दें कि सलमान से जुड़े काला हिरण शिकार मामले पर आधारित फिल्म 'काला हिरण' का पोस्टर शुक्रवार को जारी किया गया था। वहीं कहा गया था कि फिल्म का फर्स्ट लुक और टीजर 20 जून को जारी किया जाएगा।

फिल्म में सलमान और गैंगस्टर लॉरेंस के बीच के विवाद को दिखाया जाएगा। हालांकि, यह जानकारी सामने नहीं आई थी कि इसमें कौन लीड रोल में है। वहीं, इसके पोस्टर में जो एक्टर दिखा है, वह जाना-पहचाना नहीं है।

तृषा कृष्णन का ट्रोलर्स को जवाब

विजय से नाम जुड़ने के बीच कुत्ते की तस्वीर के साथ लिखा- सिर्फ इसे मेरी जिंदगी में दखल देने की इजाजत

नई दिल्ली। साउथ फिल्मों की एक्ट्रेस तृषा कृष्णन ने एक्टर और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री थलापति विजय के साथ अपने रिश्ते की ट्रोलिंग पर सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए जवाब दिया है। तृषा ने अपने पालतू डॉग की एक फोटो शेयर कर लिखा कि सिर्फ इसी को मेरी जिंदगी में दखल देने की इजाजत है। दरअसल, पिछले कुछ दिनों से सोशल मीडिया पर विजय और तृषा के रिश्ते को लेकर लगातार चर्चा चल रही है। हाल ही में दोनों को एक्टर अजीत कुमार के घर पर भी साथ देखा गया था। तृषा ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक वीडियो शेयर किया है। इसमें उनका पालतू डॉग बेड पर आराम करता नजर आ रहा है। इस वीडियो के साथ तृषा ने लिखा, एकमात्र नाक जिसे मैं अपने काम में दखल देने की इजाजत देती हूं। यूजर्स इस पोस्ट को उन लोगों के ट्रोलर्स के लिए सीधा जवाब मान रहे हैं जो पिछले काफी समय से उनकी पर्सनल लाइफ को लेकर कयास लगा रहे हैं। यह पूरा मामला तब दोबारा चर्चा में आया जब विजय और तृषा को चेन्नई में एक्टर अजीत कुमार के घर पर देखा गया।

ईरान के मशहद शहर में सुपुर्द-ए-खाक किया जाएगा, 2 करोड़ लोग जनाजे में शामिल हो सकते हैं

मौत के 4 महीने बाद होगा खामनेई का अंतिम संस्कार

सूचित

तेहरान, एजेंसी

ईरान के सुप्रीम लीडर रहे अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के लगभग चार महीने बाद उन्हें दफनाया जाएगा। खामेनेई को उनकी अंतिम इच्छा के मुताबिक मशहद शहर में शिया इस्लाम के चर्चित इमाम रजा के पवित्र दरगाह परिसर के पास दफनाया जाएगा।

इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (IRGC) के मुताबिक खामेनेई को 21 जून के आसपास आखिरी विदाई दी जा सकती है। 28 फरवरी को तेहरान में उनके आवास पर हुए अमेरिका-इजराइल के हमले में उनकी मौत हो गई थी। उनका

राजकीय अंतिम संस्कार पहले 4 मार्च को होने वाला था, लेकिन युद्ध की वजह से इसे टाल दिया गया था। अधिकारियों को उम्मीद है कि तेहरान, कुम और मशहद में होने वाले अंतिम संस्कार कार्यक्रमों में करीब 2 करोड़ लोग शामिल हो सकते हैं। लोगों को अंतिम दर्शन और श्रद्धांजलि देने के लिए पूरे तीन दिन निर्धारित किए गए हैं। अयातुल्ला अली खामेनेई की अंतिम संस्कार में हुई देरी

तेहरान नगर निगम में सामाजिक और सांस्कृतिक मामलों के उपप्रमुख मोहम्मद अली तवक्कोलीजादेह ने अंतिम संस्कार की तैयारियों की जानकारी दी। उन्होंने सरकारी टेलीविजन से कहा कि खामेनेई के लिए तीन दिन का सार्वजनिक जनाजा आयोजित किया जाएगा।

इस्लामी परंपरा के लिहाज से असामान्य मानी जा रही है। आमतौर पर इस्लाम में किसी व्यक्ति को मौत के एक-दो दिन के भीतर दफना दिया जाता है। हालांकि ईरानी अधिकारियों के मुताबिक, भारी भीड़ की उम्मीद और युद्ध के हालात के कारण अंतिम संस्कार में देरी हुई। अधिकारी ने यह नहीं बताया कि जनाजा कब होगा, लेकिन कहा कि यह इस्लामी कैलेंडर के पहले महीने मुहर्रम की शुरुआत में हो सकता है, जो 21 जून के आसपास में पड़ता है। पूरे कार्यक्रम के आयोजन की जिम्मेदारी IRGC के पास है। मशहद ईरान का दूसरा सबसे बड़ा शहर है और देश के उत्तर-पूर्वी हिस्से में स्थित है। इसे शिया मुसलमानों का सबसे महत्वपूर्ण धार्मिक शहर माना जाता है।

मुख्य अंतिम संस्कार समारोह तेहरान में होगा

खामेनेई का मुख्य अंतिम संस्कार समारोह तेहरान में होगा, जो कम से कम 24 घंटे तक चलने की उम्मीद है। इसके बाद पार्थिव शरीर को धार्मिक शहर कुम ले जाया जाएगा और फिर मशहद पहुंचाया जाएगा, जहां इमाम रजा के दरगाह परिसर में दफनाया जाएगा।

तेहरान नगर निगम के एक अधिकारी ने बताया कि दफन से पहले खामेनेई के पार्थिव शरीर को कुम और मशहद की सड़कों पर अंतिम यात्रा के रूप में ले जाया जाएगा। यह जानकारी IRGC के एक बयान में दी गई।

ईरान के नेता अयातुल्ला रूहल्ला खोमैनी का 6 जून, 1989 को तेहरान में जनाजा। शोक में लोगों की भीड़ उनके शरीर को छूने की कोशिश कर रही है।

खोमैनी के जनाजे में 1 करोड़ लोग जुटे थे

अगर खामेनेई के जनाजे में वास्तव में 2 करोड़ लोग पहुंचते हैं, तो यह इस्लामिक गणराज्य के संस्थापक अयातुल्ला रुहोल्लाह खोमैनी के 1989 वाले रिकॉर्ड से कहीं बड़ा आयोजन होगा। 1989 में अयातुल्ला रुहोल्लाह खोमैनी के जनाजे में करीब 1 करोड़ (10 मिलियन) लोग शामिल हुए थे। यह उस समय ईरान की कुल आबादी का लगभग छठा हिस्सा था।

इस कार्यक्रम को आज भी दुनिया के सबसे बड़े जनाजों में गिना जाता है। इतनी भारी भीड़ उमड़ी थी कि भगदड़ मच गई थी, जिसमें कम से कम 8 लोगों की मौत हो गई थी और हजारों लोग घायल हुए थे। इस बार अधिकारी इससे भी बड़ी भीड़ को संभालने और किसी हादसे से बचने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन युद्ध के प्रभाव से उबर रहे देश में इतना बड़ा आयोजन कराना बड़ी चुनौती माना जा रहा है।

ईरान ने कुवैत में अमेरिकी ठिकानों पर किए हमले

एयर डिफेंस सिस्टम कितना रहा कामयाब?

नई दिल्ली, एजेंसी

ईरान ने बुधवार को फारस की खाड़ी में अमेरिका के अटैक का जवाब देते हुए कुवैत में अमेरिकी मिलिट्री बेस पर हमले किए। इस बात का दावा सरकारी ब्रॉडकास्टर आईआरआईबी ने किया है।

उसने कहा, फारस की खाड़ी, होर्मुज स्ट्रेट और केश्म द्वीप में अमेरिका की दुश्मनी भरी हरकतों के बाद कुवैत में अमेरिकी बेस पर हमले किए गए। हालांकि, अमेरिका ने ईरान के उन दावों को नकार दिया कि उसने खाड़ी में अमेरिकी मिलिट्री ठिकानों पर सफलतापूर्वक हमला किया था। ईरान की इस हरकत को आक्रामकता बताते हुए राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिकी सेना ने केश्म द्वीप पर हमले किए और इस कार्रवाई को आत्मरक्षा का कदम बताया। इस बीच कुवैत ने कहा कि उसके हवाई सुरक्षा सिस्टम ने आने वाली मिसाइलों और ड्रोन

को रोक दिया, जबकि खाड़ी में बढ़ते तनाव के बीच देश के कई हिस्सों में जोरदार धमाकों की आवाजें सुनी गईं। कुवैती सेना के जनरल स्टाफ ने कहा कि निवासियों द्वारा सुनी गई आवाजें हवाई सुरक्षा इकाइयों द्वारा दुश्मनाना हवाई लक्ष्यों से निपटने के दौरान किए गए ऑपरेशनों से जुड़ी थीं। उसने कहा, ₹कुवैती हवाई सुरक्षा सिस्टम इस समय दुश्मनाना मिसाइल और ड्रोन हमलों का सामना कर रहे हैं। सेना का जनरल स्टाफ यह स्पष्ट करता है कि यदि धमाकों की आवाजें सुनी जाती हैं तो वे हवाई सुरक्षा सिस्टम द्वारा दुश्मनाना हमलों को रोकने का परिणाम हैं।

फास्ट न्यूज

तिब्बत में चीन के अत्याचारों की जांच करेगा अमेरिका

वॉशिंगटन । अमेरिका के हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स में दोनों पार्टियों के प्रतिनिधियों ने एक नया बिल पेश किया है। इस बिल के तहत अमेरिकी विदेश विभाग को यह तय करना होगा कि क्या चीन ने तिब्बत के लोगों के खिलाफ नरसंहार या मानवता के खिलाफ अपराध किए हैं। यह बिल न्यू जर्सी के रिपब्लिकन प्रतिनिधि क्रिस स्मिथ और न्यूयॉर्क के डेमोक्रेट सांसद टॉम सुओजी ने मंगलवार को पेश किया।

थाईलैंड के पूर्व पीएम थाकसिन शिनावात्रा को मिली शाही माफी

बैंकॉक । थाईलैंड के पूर्व प्रधानमंत्री थाकसिन शिनावात्रा ने बुधवार को अपनी जेल की सजा से जुड़ी सभी कानूनी जिम्मेदारियों को औपचारिक रूप से पूरा कर लिया। शाही माफी मिलने के बाद उनकी चार महीने की पैरोल समय से पहले खत्म कर दी गई। दो दशकों से अधिक समय तक थाई राजनीति में एक प्रभावशाली व्यक्ति रहे 76 वर्षीय अरबपति और लोकप्रिय नेता को पिछले महीने बैंकॉक की जेल से रिहा किया गया था। तब से इस बात का अनुमान लगाया जा रहा है कि वह सत्तारूढ़ गठबंधन का हिस्सा फिएउ थाई पार्टी पर अपना मजबूत प्रभाव जारी रख सकते हैं।

'ईरान ने संघर्ष के बाद अपने कई परमाणु कार्यक्रम बंद किए'

वॉशिंगटन । अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के प्रमुख राफेल ग्रॉसी ने दावा किया है कि ईरान-अमेरिका युद्ध के बीच तेहरान ने अपने कई परमाणु कार्यक्रम बंद कर दिए हैं। उन्होंने कहा कि ईरान के खिलाफ पश्चिमी देशों द्वारा लगाए गए कड़े प्रतिबंध के बाद खुफिया जानकारियों से पता चला है कि ईरान ने अपने परमाणु कार्यक्रमों को सीमित किया है।

तिब्बत में दिखी शानदार दुर्लभ लाल स्प्राइट्स और ग्रीन घोस्ट लाइस्ट

नई दिल्ली, एजेंसी

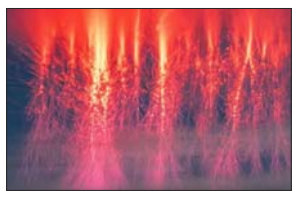

तिब्बत के जीजांग क्षेत्र के ऊपरी वायुमंडल को रोशन करते हुए दुर्लभ 'रेड स्प्राइट्स' (लाल चमक) को दिखाने वाला एक शानदार वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। चीनी एस्ट्रोफोटोग्राफर डोंग शुचांग द्वारा 26 मई, 2026 की सुबह-सुबह रिकॉर्ड किया गया यह वीडियो धरती की सबसे दुर्लभ वायुमंडलीय घटनाओं में से एक का बेहद विस्तृत दृश्य प्रमाण है, जिसने देखने वालों को मंत्रमुग्ध कर दिया है। ये शानदार चमकती हुई लाल रोशनी 'ट्रांजिएंट ल्यूमिनस इवेंट' (TLE) का एक रूप हैं। ये शक्तिशाली तूफानों के काफी ऊपर रोशनी की तेज चमक पैदा करती हैं, जिन्हें जमीन से देख पाना मुश्किल होता है। डोंग ने वीडियो के साथ यह कैप्शन लिखा, ₹26 मई, 2026 की सुबह-सवेरे मैंने शन्नान जीजांग में पुमा युमको झील के किनारे समुद्र तल से 5,000 मीटर से भी अधिक की ऊंचाई पर लाल स्प्राइट बिजली का एक शानदार नजारा कैमरे में कैद किया। डोंग ने कहा, यह न तो एआई द्वारा बनाया गया है और न ही इसमें कोई स्पेशल इफेक्ट इस्तेमाल किया गया है फिर भी यह इतना अवास्तविक (surreal) लगता है। उन्होंने आगे कहा, ₹यह पिछले चार सालों में मेरे द्वारा कैद की गई सबसे साफ और सबसे बड़ी 'स्प्राइट लाइटनिंग' है। उम्मीद है आपको यह पसंद आएगी। 'रेड स्प्राइट आउटब्रेक' को अवास्तविक बताते हुए डोंग ने कहा कि वह हरे रंग की चमक वाले दुर्लभ 'घोस्ट स्प्राइट्स' की तस्वीरें लेने में भी कामयाब रहे। तेज तूफान के दौरान रिकॉर्ड किए गए इस फुटेज में बादलों के ऊपर कई तेज लाल चमकें फूटती हुई दिखाई दे रही हैं।

ब्रिटेन की संसद में ग्रूमिंग गैंग पीड़ितों की गवाही, ज्यादातर आरोपी पाकिस्तान मूल के

13 साल उम्र,3 साल में 700 लोगों ने रेप किया

लंदन, एजेंसी

ब्रिटिश सांसद रूपर्ट लोव ने संसद में अपने एक भाषण से ब्रिटेन के ग्रूमिंग गैंग कांड पर फिर से बहस छेड़ दी है। उन्होंने इस भाषण में पीड़ितों की गवाही पढ़ी। उन्होंने संसद को बताया कि रेप गिरोह की दो हफ्तों की जांच की सुनवाई के दौरान जो बातें कही गईं, उसे पूरी दुनिया को सुननी चाहिए। उन्होंने दावा किया कि एक पीड़ित से 13 से 16 साल की उम्र के बीच 600-700 अलग-अलग पुरुषों ने रेप किया। लोव ने कहा, ब्रिटेन के कम से कम 85 इलाकों में संगठित बाल यौन शोषण के संकेत मिले हैं। संसद में पढ़ी गई गवाहियों में सामूहिक दुष्कर्म, हिंसा, धमकी और नस्लीय

ब्रिटिश सांसद रूपर्ट लोवे ने 1 जून को संसद में अपने एक भाषण के दौरान रेप पीड़िताओं की कहानियां बताई।

अपमान के आरोप शामिल थे। एक गवाही में कहा गया कि पीड़ित को ड्रग्स देकर कई लोगों के हवाले किया जाता था। उन्हें पिंजरों में कैद रखा जाता था। दूसरी पीड़ित ने आरोप लगाया कि विरोध करने पर जान से मारने और परिवार को नुकसान पहुंचाने की धमकी दी जाती थी। लोव के संसद में दिए भाषण के मुताबिक, एक पीड़ित ने कहा- आरोपी ने अपनी पैंट उतारी, मेरा रेप किया। फिर उसने एक खाली बोतल उठाई और उसे जबरदस्ती मेरे प्राइवेट पार्ट के अंदर डाल दिया और बोतल का शीशा तोड़ दिया। उस समय मेरी उम्र लगभग 12 या 13 साल थी। लोव ने एक और पीड़ित की कहानी बताई। पीड़ित ने कहा- उन पुरुषों ने मुझे पकड़ रखा था और बारी-बारी से मेरे साथ रेप किया, मेरे हाथ-पैर भी दबाए रखे। उन्होंने मुझे बार-बार पीटा, किसी को घटना के बारे में बताने पर जान से मारने और परिवार को नुकसान पहुंचाने की धमकी दी।

क्या है ग्रूमिंग गैंग, जिनमें ज्यादातर पाकिस्तानी

ब्रिटेन में, 'ग्रूमिंग गैंग' शब्द का इस्तेमाल आमतौर पर उन मामलों के लिए किया जाता है जिनमें बच्चों और किशोरियों का यौन शोषण या उन्हें प्रताड़ित किया जाता है। ग्रूमिंग गैंग शब्द रोदरहम, रोशडेल और ओल्डहैम जैसे शहरों में हुई जांचों के बाद प्रचलित हुआ। 1990 के दशक से ऐसे कई मामलों में हजारों पीड़ित सामने आईं। खास बात यह थी कि अधिकतर आरोपी पाकिस्तान मूल के थे। आरोपी पहले भरोसा जीतते हैं, फिर धमकी, हिंसा, ड्रग्स या ब्लैकमेल के जरिए शोषण करते हैं।

2002 में तत्कालीन लेबर सांसद ऐन क्रायर ने पहली बार चेतावनी दी थी कि पश्चिम यॉर्कशायर के कीघली में पाकिस्तानी मूल के पुरुषों का गैंग लड़कियों का शोषण कर रहा है। 2010 में रोदरहम में पांच पुरुषों को नाबालिग लड़कियों के यौन शोषण के लिए दोषी ठहराया गया। बाद की जांचों में रोदरहम समेत रोशडेल, ओल्डहैम, टेलफोर्ड, ऑक्सफोर्ड और अन्य शहरों में ऐसे संगठित गिरोहों का खुलासा हुआ।

रूपर्ट लोव ने कहा- अब इन मामलों पर चुप नहीं रहा जा सकता। पिछले साल अगस्त में लोव ने कहा था कि रेप कांड में मुख्य रूप से पाकिस्तानी मूल के पुरुष शामिल हैं। ये दशकों से गैंग चला रहे हैं और इनकी संख्या अनुमान से कहीं ज्यादा हैं।

यूएस बोला- सभी हमले नाकाम, अमेरिका ने होर्मुज में ईरानी आइलैंड को निशाना बनाया

ईरान का कुवैत-बहरीन में अमेरिकी ठिकानों पर हमला

तेल अवीव, एजेंसी

अमेरिका और ईरान के बीच अप्रैल में हुए युद्धविराम के बाद बीती रात सबसे बड़े सैन्य टकरावों में से एक देखने को मिला। दोनों देशों ने एक-दूसरे पर हमले किए, जिससे युद्धविराम और परमाणु वार्ता दोनों पर फिर से संकट के बादल मंडराने लगे हैं। तनाव तब शुरू हुआ जब अमेरिकी सेना ने खार्ग द्वीप के एक ईरानी बंदरगाह की ओर जा रहे बोत्सवाना के झंडे वाले एक तेल टैंकर पर हेलफायर मिसाइल से हमला किया। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (CENTCOM) का कहना है कि जहाज ने ईरानी बंदरगाहों पर लगाए गए अमेरिकी प्रतिबंध और नाकेबंदी का पालन नहीं किया था। इसके जवाब में ईरान ने लाइबेरिया के झंडे वाले एक जहाज पर मिसाइलें दागने का दावा किया। हालांकि हालात तब ज्यादा गंभीर हो गए जब अमेरिका ने होर्मुज स्ट्रेट के पास केश्म द्वीप पर स्थित एक ईरानी सैन्य नियंत्रण केंद्र को निशाना बनाया। इस हमले के बाद ईरान ने कुवैत और बहरीन की ओर मिसाइल और ड्रोन दागे। ईरान का कहना है कि उसने क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी एयरबेस, हेलीकॉप्टर बेस और बहरीन में अमेरिकी नौसेना के पांचवें बेड़े के मुख्यालय को निशाना बनाया। वहीं अमेरिका ने दावा किया कि उसके ठिकानों पर किए गए सभी हमले नाकाम रहे और ईरानी मिसाइलों व ड्रोन को या तो रास्ते में ही मार गिराया गया या वे अपने लक्ष्य तक नहीं पहुंच सके। अमेरीका ने ईरानी ऑयर टैंकरों पर हमले किए: अमेरिका ने ईरान के केश्म आइलैंड, गोरुक और होर्मुज के पास ऑयल टैंकरों पर हमले किए। ईरान ने जवाब में एक जहाज को मिसाइल से निशाना बनाया।

ईरान ने कुवैत-बहरीन को जिम्मेदार ठहराया

ईरान ने अमेरिका के हालिया हमलों की निंदा करते हुए कहा है कि ये युद्धविराम और अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन हैं। ईरानी विदेश मंत्रालय ने कहा कि कुवैत और बहरीन इन हमलों के लिए सीधे और साफ तौर पर जिम्मेदार हैं, क्योंकि उनके इलाके और सैन्य सुविधाओं का इस्तेमाल ईरान के खिलाफ अमेरिकी ऑपरेशन में किया गया।

ईरान ने कुवैत और बहरीन में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर मिसाइल-ड्रोन हमले किए। अमेरिका ने दावा किया कि ज्यादातर मिसाइलें हवा में ही इंटरसेप्ट कर दी गईं।

कुवैत में ईरानी हमले में 1 शख्स की मौत

कुवैत ने कहा है कि ईरान के एक हमले में देश के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को भारी नुकसान पहुंचा है। इस हमले में कम से कम एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हुए हैं।

हमले के बाद कुवैत ने सभी वाणिज्यिक उड़ानें अस्थायी रूप से निलंबित कर दी हैं। यह हमला ऐसे समय हुआ है जब ईरान और अमेरिका के बीच तनाव फिर बढ़ता दिख रहा है।

आरबीआई मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी की मीटिंग आज से

ब्याज दर में कटौती की उम्मीद नहीं, अभी रेपो रेट 5.25% पर

नई दिल्ली, एजेंसी

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (RBI) की मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी (MPC) की मीटिंग 3 जून से शुरू हो रही है। यह 5 जून तक चलेगी। इसी दिन सभी फैसलों का ऐलान किया जाएगा।

एक्सपर्ट्स के अनुसार इस मीटिंग में ब्याज दरों में कटौती की कम ही उम्मीद है। अप्रैल में हुई मीटिंग में भी रेपो रेट में कटौती नहीं की गई थी।

किसी भी सेंट्रल बैंक के पास पॉलिसी रेट के रूप में महंगाई से लड़ने का शक्तिशाली टूल होता है। जब महंगाई ज्यादा होती है, तो सेंट्रल बैंक पॉलिसी रेट बढ़ाकर इकोनॉमी में मनी फ्लो कम करने की कोशिश करता है।

पॉलिसी रेट ज्यादा होगी तो बैंकों को सेंट्रल बैंक से मिलने वाला कर्ज महंगा होगा। बदले में बैंक ग्राहकों के लिए लोन महंगा कर देते हैं। इससे

इकोनॉमी में मनी फ्लो कम होता है। मनी फ्लो कम होने पर डिमांड घटती है और महंगाई कम हो जाती है। जब इकोनॉमी बुरे दौर से गुजरती है, तो रिकवरी के लिए मनी फ्लो बढ़ाने की जरूरत पड़ती है। ऐसे में सेंट्रल बैंक पॉलिसी रेट कम कर देता है। इससे बैंकों को सेंट्रल बैंक से मिलने वाला कर्ज सस्ता हो जाता है और ग्राहकों को भी सस्ती दर पर लोन मिलता है।

मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी में 6 सदस्य होते हैं। इनमें से 3 RBI के होते हैं, जबकि बाकी केंद्र सरकार द्वारा नियुक्त किए जाते हैं। RBI की मीटिंग हर दो महीने में होती है।

आपदा : गोल्फ की गेंद जितने बड़े बरसे ओले, मचाई भारी तबाही, इससे यातायात बाधित हुआ

अमेरिका के कोलोराडो में आया भीषण तूफान

चेतावनी

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिका के कोलोराडो में भीषण तूफान आया और जबरदस्त ओलावृष्टि हुई। सोमवार को तेज हवाओं, भारी बारिश और गोल्फ की गेंद जितने बड़े ओलों ने डेनवर, कोलोराडो में जमकर कहर बरपाया।

यह तूफान दोपहर के समय शहर और उसके आस-पास के इलाकों से टकराया, जिससे सड़कों पर आवाजाही बाधित हुई और डेनवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर उड़ानों में देरी हुई। इलाके में दो इंच मोटे ओले गिरे और पूरे इलाके में कारों और

घरों पर जोरदार तरीके से बरसते हुए दिखाई दिए। हालांकि सोमवार का तूफान कम समय के लिए ही रहा फिर भी कुछ निवासी सतर्क हैं क्योंकि बुधवार को और तूफान आने का पूर्वानुमान है। राज्य के अधिकारियों का कहना है कि कोलोराडो में बीमा से होने वाले नुकसान का मुख्य कारण अभी भी ओलावृष्टि ही है। ओलावृष्टि से होने वाले नुकसान से जुड़े बीमा दावों के मामले में यह राज्य देश भर में लगातार शीर्ष स्थानों में से एक पर बना हुआ है।

> निवासियों का कहना है कि तूफान से एक स्थानीय किराने की दुकान को भी नुकसान पहुंचा, जहां ओलों ने छत पर लगी खिड़कियों को तोड़ दिया। हालांकि, जितनी तेजी से तूफान आया था लगभग उतनी ही तेजी से सूरज फिर से निकल आया और ओलों को पिघला दिया।

गोल्फ की गेंद की आकार के ओले गिरे

तूफान के बाद अपनी अपनी कार बाहर देखने आई एक चश्मदीद ने कहा, ₹यह पूरे 10-15 मिनट तक चला। बस ओले गिर रहे थे और आस-पास की सभी कारों से टकरा रहे थे। उन्होंने बताया, मैंने इसे पहले कभी इतना बड़ा नहीं देखा। गोल्फ की गेंद के आकार के ओले थे और वे जमीन पर इतनी जोर से टकरा रहे थे कि उछलकर दूसरी मंजिल तक पहुंच रहे थे।

जापान में जिस मस्जिद का पाक राजदूत ने किया उद्घाटन, वह निकली अवैध

पाकिस्तान की इंटरनेशनल फजीहत

नई दिल्ली, एजेंसी

जापान के कावागोए शहर में बनी एक मस्जिद ने पाकिस्तानी समुदाय के लोगों को शर्मिंदगी में डाल दिया है। इसी साल अप्रैल में पाकिस्तानी राजदूत अब्दुल हमीद ने इस मस्जिद का उद्घाटन किया था। लेकिन अब इसपर गिराए जाने का पर खतरा मंडरा रहा है। स्थानीय अधिकारियों का कहना है कि मस्जिद को गैर-कानूनी तरीके से बनाया गया था।

कावागोए सिटी हॉल ने साफ किया कि मस्जिद को प्रशासन की बिना अनुमति के बनाया गया है। मस्जिद निर्माण के लिए नगर नियोजन अधिनियम के तहत विशेष परमिट जरूरी होता है, जो नहीं लिया गया। जिसके बाद शहर प्रशासन को मस्जिद को हटाने के अनुरोध मिले हैं, जिसपर चर्चा चल रही है। इस घटना ने पाकिस्तानी दूतावास को भी मुश्किल स्थिति में डाल दिया। विवाद बढ़ने पर

दूतावास ने तुरंत खुद को इस प्रोजेक्ट से अलग कर लिया। 1 जून को जारी बयान में दूतावास ने कहा कि जापानी कानूनों का उल्लंघन करने वाली किसी भी परियोजना से उसका कोई संबंध नहीं है। दूतावास ने पाकिस्तानी समुदाय से जापानी नियमों का सख्ती से पालन करने की अपील की। राजदूत के शामिल होने पर क्या कहा?

साथ ही पाक दूतावास ने राजदूत के उद्घाटन में शामिल होने पर भी सफाई दी है। बयान के अनुसार, राजदूत अब्दुल हमीद 3 अप्रैल को कार्यक्रम में तब गए जब उन्हें आश्वासन दिया गया था कि सभी कानूनी मंजूरियां ली जा चुकी हैं। दूतावास ने जोर देकर कहा कि वह ऐसी किसी भी गतिविधि का समर्थन नहीं करता जो स्थानीय कानूनों का पालन न करे।'

जापान में कंस्ट्रक्शन को लेकर सख्त नियम हैं. यहां किसी भी धार्मिक इमारत के लिए स्थानीय सरकार की अनुमति अनिवार्य है। पाकिस्तान इस मामले में कूटनीतिक रूप से बैकफुट पर आ गया है। राजदूत के उद्घाटन में शामिल होने से इंटर-नेशनल लेवल पर पाक की किरकिरी हो रही है।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676